@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika
दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 23 अगस्त 2026
कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार
VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 289 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

वाराणसी के सभी घाट डूबे

छतों पर आरती-अंतिम संस्कार, एमपी-यूपी समेत 4 राज्यों में भारी बारिश

एजेंसी
नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से गंगा और घाघरा समेत 6 नदियां खतरे के निशान

से ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। वाराणसी में सभी 84 घाट डूब गए हैं। मणिकर्णिका घाट की छत पर छत पर कराई जा रही है। उधर, राजस्थान में मानसून कमजोर पड़ गया है। इससे गर्मी और उमस बढ़ गई है। श्रीगंगानगर में 39.9ए और चूरू में 39ए तापमान रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश के 22 और यूपी के 28 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज मध्य प्रदेश में 3 मानसूनी सिस्टम एक्टिव हैं। रीवा-सीधी के पास लो प्रेशर एरिया, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश से मानसून ट्रफ और दक्षिणी-पश्चिमी मध्य प्रदेश में चक्रवाती घेरा बना हुआ है।

असमः बाढ़ से 73 गांवों के 15512 नागरिक अभी भी प्रभावित

गुवाहाटी। असम के कई हिस्सों में पानी घटने के साथ हालात सुधर रहे हैं, लेकिन शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव, धेमाजी और कछार जिलों में बाढ़ का संकट और इसका असर अब भी बना हुआ है। इन जिलों बाढ़ से 73 गांवों के 15512 नागरिक अभी भी प्रभावित हैं। प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में जुटे हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। इस बार की बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 106 तक पहुंच गयी है। बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में हुआ है। वर्तमान समय में बाढ़ की स्थिति कुल 6 जिलों में बनी हुई है। प्रभावित जिलों में शिवसागर, धेमाजी, गोलाघाट, जोरहाट, नगांव एवं कछार शामिल हैं। बाढ़ से 6 जिलों के 13 राजस्व मंडलों के कुल 73 गांव प्रभावित हैं।

सिख परिवारों का राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन, पुतला जलाया

सिख दंगों के दोषी सज्जन को हीरो कहने पर नाराजगी, 2 दिन पहले निधन हुआ

एजेंसी
नई दिल्ली। सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका। प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं। उन्होंने कहा- कांग्रेस को इस बयान को वापस लेकर माफी मांगनी चाहिए। सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़

कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बयान दिया था

बातचीत में कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने सज्जन कुमार के निधन को कभी न पूरी होने वाली क्षति बताया था। वहीं, कांग्रेस के नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने विशेष रूप से गरीबों के लिए बहुत काम किया था। इन बयानों के बाद से सिख समाज में नाराजगी है।

सिखों की कांग्रेस से सफाई और माफी की मांग

अध्यक्ष हरमीत सिंह कलका और महासचिव जगदीप सिंह कहलोन ने किया।डीएसजीएमसी के नेता ने कांग्रेस से साफ करने को कहा कि क्या दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए सज्जन कुमार को हीरो माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सज्जन कुमार की मौत के बाद कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए और उन्हें अपना हीरो बताया, वह आपत्तिजनक हैं। राहुल गांधी को आज साफ करना होगा कि क्या सज्जन कुमार उनके हीरो हैं। उन्होंने कहा, 42 साल बाद हमारे परिवारों के जख्म फिर हरे हो गए हैं। हमारी भावनाओं को ठेस पहुंची है।

मातृत्व अवकाश को लेकर बदले नियम, स्कूल के रसोइयों का बढ़ा मानदेय

लखनऊ। राज्य सरकार ने महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश देने के नियम में बड़ा बदलाव किया है। अब मातृत्व अवकाश के लिए दो बच्चों की उम्र के बीच दो साल का अंतर होना अनिवार्य नहीं होगा। कैबिनेट बाई सर्कुलेशन शनिवार को वित्त विभाग के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। अब तक की व्यवस्था में दूसरे बच्चे के लिए मातृत्व अवकाश का लाभ लेने के लिए दोनों बच्चों की उम्र में कम से कम दो साल का अंतर होना जरूरी था। इससे कई मामलों में महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश से वंचित होना पड़ रहा था। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने हाल ही में ऐसे ही एक मामले में दो बच्चों के बीच उम्र का अंतर दो साल से कम होने के आधार पर मातृत्व अवकाश से इन्कार करने को गलत ठहराया था और महिला कर्मचारी को मातृत्व अवकाश देने और उससे जुड़े सभी परिणामी लाभ देने का आदेश दिया था। अदालत के इस फैसले के बाद राज्य सरकार ने मातृत्व अवकाश के नियम में मौजूद दो साल के अंतर की बाध्यता को ही समाप्त करने का निर्णय लिया है। सरकार के इस फैसले से अब दो बच्चों के बीच उम्र का अंतर दो साल से कम होने पर भी पात्र महिला कर्मचारी को मातृत्व अवकाश मिलने का रास्ता साफ हो गया है। इससे मातृत्व अवकाश से जुड़े मामलों में अनावश्यक विवाद भी कम होंगे। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाले 3.50 लाख रसोइयों को बड़ा तोहफा मिला है। सरकार ने उनका मानदेय 1000 रुपये बढ़ाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट बाई सर्कुलेशन मानदेय बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। अब उन्हें हर महीने (साल में 10 महीने) 3000 रुपये मानदेय सितंबर से लागू किया जाएगा। यूपी में 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में 1.46 करोड़ छात्रों को मिड-डे-मील दिया जा रहा है। रसोइयों को पहले एक हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाता था। 2019 में इसे बढ़ाकर 1500 रुपये किया गया और 2022 में मासिक मानदेय बढ़ाकर 2000 रुपये कर दिया गया था। रसोइयों को अभी 200 रुपये मासिक मानदेय के साथ ही 500 रुपये यूनिफॉर्म व 400 रुपये ग्लब्स के लिए भी दिए जाते हैं। सरकार ने चुनाव से पहले रसोइयों की लंबे समय से चल रही मांग को पूरा किया है। इसी क्रम में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड का भी वितरण करेंगे। बरेली के नवाबगंज और बुलंदशहर के जहांगीराबाद में नए बस स्टेशन बनने का रास्ता साफ हो गया है। दोनों जगह बस स्टेशन के लिए राजस्व विभाग की जमीन परिवहन विभाग को निशुल्क उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन से मंजूरी मिल गई है। नवाबगंज में जमीन परिवहन निगम को निशुल्क पट्टे पर दी जाएगी, जबकि जहांगीराबाद में राजस्व विभाग की जमीन परिवहन विभाग को निशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। नवाबगंज में बस स्टेशन की जरूरत लंबे समय से थी। पुराने बस अड्डे की जमीन के अनुपयोगी होने के बाद नए स्थान पर बस स्टेशन बनाने की कवायद चल रही थी। वहीं जहांगीराबाद में भी बस स्टेशन के लिए जमीन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया लंबे समय से चल रही थी। वर्ष 2019 में भी यहां बस अड्डे के निर्माण का प्रस्ताव तैयार होने और जमीन नहीं मिलने की बात सामने आई थी। दोनों स्थानों पर जमीन उपलब्ध होने के बाद बस स्टेशन निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। इससे स्थानीय यात्रियों को व्यवस्थित बस सुविधा मिलने के साथ परिवहन सेवाओं का विस्तार भी होगा। प्रदेश में बस स्टेशनों के लिए सरकारी विभागों की जमीन निशुल्क उपलब्ध कराने की नीति के तहत इस तरह के प्रस्तावों को मंजूरी दी जा रही है।

अब कॉलेज में दाखिले के बाद ही देना होगा नामांकन शुल्क, आगरा विवि ने बदली व्यवस्था

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया में नामांकन शुल्क (एनरोलमेंट फीस) की व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

अब विद्यार्थियों को नामांकन संख्या के लिए पहले ही फीस जमा नहीं करनी होगी। समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण करने के बाद जब विद्यार्थी संबंधित कॉलेज में प्रवेश लेगा, तब उसका नामांकन शुल्क लिया जाएगा। इसके लिए प्रवेश के बाद महाविद्यालय संचालक सभी विद्यार्थियों का सामूहिक रूप से शुल्क जमा कराएंगे। कुलपति प्रो. आशु रानी ने बताया कि पहले यह स्पष्ट नहीं हो पाता था कि समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले कितने विद्यार्थी वास्तव में कॉलेज में प्रवेश ले चुके हैं। अब विद्यार्थी के कॉलेज में प्रवेश लेने के बाद ही उसका नामांकन शुल्क लिया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय के पास वास्तविक रूप से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का सही आंकड़ा उपलब्ध हो सकेगा। विश्वविद्यालय की 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया में अब तक 1,60,222 पंजीकरण हो चुके हैं। इनमें 1,31,909 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण शुल्क जमा किया है और 1,41,959 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध 556 महाविद्यालयों में 206 कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया संचालित हो रही है। फिलहाल पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 अगस्त निर्धारित है।

कभी हां..कभी न.. में अटका बांग्लादेशी पीएम का भारत दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारत आएंगे या नहीं आएंगे इसको लेकर कभी हांज्कभी नज की स्थिति बनी हुई है। वजह ये है कि हाल ही में राष्ट्रपति भवन की तैयारियों के हवाले से मीडिया में खबर आई थी थी तारिक रहमान संभवता भारत आ रहे हैं। जिसकी तैयारियां चल रहीं है। इस तरह की खबरों के बाद ढाका ने बयान जारी कर साफ कर दिया कि फिलहाल ऐसी किसी यात्रा को लेकर किसी योजना को अंतिम रुप नहीं दिया गया है। बता दें कि भारत सरकार ने उन्हें द्विपक्षीय यात्रा के लिए दिल्ली आने का औपचारिक निमंत्रण दिया है, इसके अलावा उन्हें आगामी ब्रिक्स बैठक के लिए भी आमंत्रित किया गया है, हालांकि इन दोनों प्रस्तावों पर अभी आधिकारिक स्वीकृति मिलना बाकी है। दूसरी ओर, राजनीतिक घटनाक्रम के तहत वरिष्ठ नेता मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण कर ली है। बंगभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई गई, जिसमें प्रधानमंत्री तारिक रहमान सहित कई शीर्ष कैबिनेट मंत्री और सैन्य अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर विभिन्न देशों की ओर से उन्हें बधाई संदेश प्राप्त हुए हैं, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाए रखने की उम्मीद जताई गई है।

तकनीकी खराबी के चलते त्रिची लौटी इंडिगो की सिंगापुर फ्लाइट, 127 यात्री थे सवार

तिरुचिरापल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से सिंगापुर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में शुक्रवार को उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी सामने आने के बाद उसे वापस त्रिची एयरपोर्ट लाया गया। विमान में 127 यात्री सवार थे। करीब ढाई घंटे तक आसमान में चक्कर लगाने के बाद विमान ने रात करीब 9 बजे त्रिची इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। जानकारी के मुताबिक फ्लाइट ने त्रिची एयरपोर्ट से शाम करीब 6ः40 बजे सिंगापुर के लिए उड़ान भरी थी। कुछ समय बाद विमान में तकनीकी समस्या का पता चला। इसके बाद पायलटों ने विमान को वापस एयरपोर्ट लाने का फैसला किया। सुरक्षित वापसी के लिए विमान ने हवा में चक्कर लगाकर ईंधन कम किया। विमान के हवा में रहने के दौरान त्रिची एयरपोर्ट के अधिकारियों का पायलटों से लगातार संपर्क बना रहा। एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी की गई थीं। इसके बाद विमान को वापस त्रिची लाया गया और बिना किसी अप्रिय घटना के उसकी लैंडिंग कराई गई। त्रिची एयरपोर्ट के डायरेक्टर गोपालकृष्णन ने मीडिया को बताया कि तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट करीब ढाई घंटे तक हवा में चक्कर लगाती रही और रात करीब 9 बजे सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर उतरी। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद 127 यात्रियों को उनके गंतव्य सिंगापुर पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से भेजे जाने की बात कही गई है।

झारखंड की सीमेंट फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में 3 इंजीनियरों की मौत

रामगढ़ (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ जिले के बरकाकाना स्थित मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम के दौरान अचानक टरबाइन में जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि पावर प्लांट में भीषण आग लग गई। हादसे में तीन इंजीनियरों की झुलसने से मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ है। फैक्ट्री में ब्लास्ट और आग की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद रामगढ़ से चार-पांच दमकल वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद पावर प्लांट में लगी आग पर काबू पाया। हादसे के बाद देर रात तक फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। हादसे में मृत हुए लोगों की पहचान रांची निवासी 50 वर्षीय संजीव कुमार केसरी, बोकारो के जगेश्वर बिहार निवासी 25 वर्षीय विनीत महतो और गढ़वा निवासी 24 वर्षीय अभिषेक पांडेय के रूप में हुई है। घायल मजदूर तरुण रजवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। शनिवार सुबह बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण फैक्ट्री के बाहर पहुंच गए। ग्रामीणों ने मृत कर्मचारियों के आश्रितों को उचित मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की। ग्रामीणों के फैक्ट्री गेट जाम करने की तैयारी की सूचना से इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पावर प्लांट यूनिट के इंचार्ज अनुराग त्रिपाठी ने मीडिया के समक्ष हादसे के लिए प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार बताया। उनका आरोप है कि प्लांट में तापमान बढ़ने और ओवरहीटिंग के कारण हादसा हुआ। तापमान नियंत्रित करने के लिए उन्होंने प्रबंधन से कई बार एसी लगाने का अनुरोध किया था, लेकिन इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने दावा किया कि समय रहते तापमान नियंत्रण की उचित व्यवस्था की जाती तो हादसे को टाला जा सकता था। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह आधिकारिक जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

भारत के लिए पाकिस्तान से ज्यादा चीन है चुनौती

पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे ने भारत की सुरक्षा चुनौतियों पर एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कहा है कि जहां एक ओर भारत का ध्यान अब तक सीमा पार आतंकवाद के लगातार खतरे के कारण काफी हद तक पाकिस्तान पर केंद्रित रहा है, वहीं दीर्घकाल में चीन कई मोर्चों पर भारत का मुख्य प्रतिस्पर्धी बनने जा रहा है। अपनी नई पुस्तक द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइडः अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज के विमोचन के अवसर पर नरवणे ने स्पष्ट किया कि भारत को बीजिंग के साथ लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने के साथ-साथ एक मजबूत सैन्य प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने चीन के संदर्भ में शत्रु शब्द का उपयोग करने से जानबूझकर परहेज करते हुए प्रतिस्पर्धी शब्द का चुनाव किया, जो दोनों देशों के बीच संबंधों की जटिल प्रकृति को दर्शाता है।

जनरल नरवणे ने स्वीकार किया कि भारत ने पाकिस्तान और चीन, दोनों के साथ ऐतिहासिक युद्ध लड़े हैं और दोनों देशों के साथ सीमाओं पर विवाद आज भी अनसुलझे हैं। इस कारण वे हमेशा भारत के लिए खतरे और चुनौती के रूप में रडार पर बने रहेंगे। हालांकि, उन्होंने इन दोनों पड़ोसी देशों द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों के प्रकार में भिन्नता पर जोर दिया। पाकिस्तान से तात्कालिक खतरा मुख्य रूप से उसके द्वारा समर्थित आतंकवाद और लगातार सीमा पार गतिविधियों के कारण है। भारत के पश्चिमी मोर्चे पर सुरक्षा बलों को लगातार हाई अलर्ट पर रहना पड़ता है, और पाकिस्तान की ये हरकतें देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक सतत चुनौती बनी हुई हैं।

इसके विपरीत, नरवणे ने चीन को आने वाले वर्षों में भारत का मुख्य रणनीतिक प्रतिस्पर्धी बताया। उनका मानना है कि यह प्रतिस्पर्धा केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार और कूटनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में देखी जाएगी। चीन की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाएं और भारत के साथ उसके क्षेत्रीय विवाद, जैसे कि पूर्वी लद्दाख में जून 2020 की गलवान घाटी झड़प, इस बात का प्रमाण हैं कि बीजिंग के साथ एक लंबी और जटिल प्रतिस्पर्धा अपरिहार्य है। हालांकि अब हालात सुधरते दिख रहे हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं ने भारत को अपनी सीमाओं पर अत्यधिक सतर्क रहने पर मजबूर किया है। नरवणे, जो 31 दिसंबर 2019 से 30 अप्रैल 2022 तक सेनाध्यक्ष रहे, ने इस बात पर विशेष बल दिया कि भारत को चीन के साथ अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए बल प्रयोग के बजाय बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, बल प्रयोग का सहारा लेना हमेशा आखिरी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत को किसी भी संभावित दुस्साहस को रोकने के लिए अपनी सैन्य तैयारी को अविश्वसनीय रूप से मजबूत और विश्वसनीय बनाए रखना होगा। यह एक दोहरी रणनीति हैः कूटनीति के माध्यम से शांति की तलाश करना, लेकिन साथ ही किसी भी आक्रामकता का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहना। इस रणनीति के तहत, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल समझौता रद्द करने जैसे कई कदम भी उठाए हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में भारत के दृढ़ रुख को दर्शाते हैं। अंततः, नरवणे का बयान भारत की बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करता है, जहां चीन के साथ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना और पाकिस्तान से उत्पन्न खतरों को नियंत्रित करना दोनों ही सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

तेजस्वी की जनता में साख नहीं, राहुल गांधी की नकल कर रहे : राम कृपाल यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के मंत्री राम कृपाल यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव के छात्रों के विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की जनता के बीच कोई साख नहीं है और वे राहुल गांधी की नकल कर रहे हैं। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल ने तंज कसते हुए कहा कि लंबे समय बाद तेजस्वी को छात्रों की चिंता हुई है, वे विदेश यात्रा से लौटकर अचानक मुद्दों पर सक्रिय हुए हैं। यहां तक कि उनकी अपनी पार्टी के भीतर भी असंतोष पनप रहा है और लोग उनके इरादों पर सवाल उठा रहे हैं। राम कृपाल ने राजद पर निशाना साधकर कहा कि उन्होंने 15 साल के शासन में खजाने की लूट की थी, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मौजूदा सरकार बेहतर वित्तीय प्रबंधन और प्रशासन से बिहार का विकास कर रही है। उन्होंने राजद के वित्तीय संकट वाले बयान को पाखंड करार दिया। मंत्री राम कृपाल ने समाजवादी पार्टी की घेराबंदी कर कहा कि उसका कोई स्टैंड नहीं है, वह कंफ्यूज्ड है और गिरगिट की तरह रंग बदलती है। सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान का समर्थन कर राम कृपाल ने कहा कि योगी ने अगड़े, पिछड़े, दलित और वंचितों के लिए जाति-पाति से ऊपर उठकर काम किया है, जिससे उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है।

जंतर मंतर पर जातिगत आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर गैर-आरक्षित श्रेणी के लोगों और युवाओं ने जाति-आधारित आरक्षण प्रणाली और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकारी सहायता, छात्रवृत्ति और फीस में छूट जैसे लाभ जातिगत पहचान के बजाय पूरी तरह से आर्थिक स्थिति के आधार पर मिलाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एससी/एसटी एक्ट को रद्द करने की अपील की। उनका तर्क था कि इस एक्ट का लाभ हमेशा समाज के सबसे वंचित वर्गों तक नहीं पहुँचता और इसका दुरुपयोग व्यक्तियों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से मामले में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। इसके साथ ही, प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण में क्रीमी-लेयर का नियम लागू करने और दशकों पुराने आरक्षण प्रावधानों की मौजूदा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखकर समीक्षा करने की भी मांग की। उनका कहना था कि हालात काफी बदल गए हैं और अब आर्थिक पिछड़ेपन को बिना किसी भेदभाव के हल करने पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। यह विरोध प्रदर्शन आरक्षण सुधार आंदोलन के बैनर तले नीट के छात्र हर्ष दुबे के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इसमें राजस्थान की जनरल सेना, चाणक्य सेना और करणी सेना जैसे संगठन भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारी, जिनमें मुख्य रूप से युवा पुरुष थे, अपने हाथों में भगवा झंडे और गरीबों के लिए आरक्षण, जाति के लिए नहीं जैसे नारे लिखे प्लेकार्ड लिए हुए थे। हालांकि, यह प्रदर्शन बिना अनुमति के किया जा रहा था। दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर पर भारी सुरक्षा बलों की तैनाती की और शाम को कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आयोजकों को रामलीला मैदान में 500 लोगों के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति मिली थी, जंतर मंतर पर नहीं।

नितिन नवीन की नई भाजपा टीम के साथ हुई पहली बैठक

आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर किया गया मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम के साथ पहली बैठक की। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों, संगठन को बूथ और जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा युवाओं को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया।

बैठक की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सभी छह अंतरों के गायन से हुई। नितिन नवीन शनिवार को ही भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और प्रदेश प्रभारियों के साथ भी बैठक करेंगे। माना जा रहा है कि इसमें चुनावी राज्यों में संगठन की स्थिति, सरकार और संगठन के बीच समन्वय तथा आगामी राजनीतिक अभियानों को लेकर विस्तृत चर्चा होगी।

209 दिन बाद हुआ बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

नितिन नवीन के भाजपा अध्यक्ष बनने के 209 दिन बाद 17 अगस्त को 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की गई थी। टीम में 51 नए चेहरों को शामिल किया गया है। इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और आठ राष्ट्रीय महासचिव हैं। अध्यक्ष पद संभालने के बाद यह नवीन का पहला बड़ा संगठनात्मक फेरबदल माना जा रहा है। नई टीम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और राम माधव की वापसी हुई है। वहीं वसुंधरा राजे, बैजयंत पांडा और तीरथ सिंह रावत जैसे अनुभवी नेताओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। विनोद तावड़े, सुनील बंसल और अनुराग ठाकुर को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

गोयल और संतोष बरकरार

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और बीएल संतोष को संगठन महासचिव की जिम्मेदारी पर बरकरार रखा गया है। युवा मोर्चा की कमान हेमांग जोशी को सौंपी गई है। वहीं अमित मालवीय की जगह दीपक म्हास्के को भाजपा आईटी सेल की जिम्मेदारी दी गई है। तेजस्वी सूर्या की जगह हेमांग जोशी की नियुक्ति को भी संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। यह फेरबदल 2015 के बाद भाजपा में सबसे बड़े संगठनात्मक बदलावों में से एक है।

सपा प्रमुख का चवन्नी से रुपया वाला बयान अमर्यादित, अशोभनीय और शर्मनाक

मायावती ने समाजवादी पार्टी पर लगाए कई आरोप, कहा-माफी मांगे अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'चवन्नी-रुपया' का विवाद गरमाया हुआ है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर राष्ट्रीय लोक दल और बीजेपी की ओर से प्रतिक्रिया सामने आईं हैं। अब आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी को बहुजन समाजवादी पार्टी की चीफ मायावती का साथ मिल गया है। उन्होंने सपा मुखिया को माफी मांगने को कहा है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमाता दिख रहा है।

मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर समाजवादी पार्टी पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख द्वारा अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल व उस पार्टी के नेता, केंद्रीय मंत्री के बारे में चवन्नी से रुपया बनाने वाला बयान देना पूरी तरह से अमर्यादित, अशोभनीय और अति-शर्मनाक है। इस प्रकार की अहंकारी व अलोकतांत्रिक बयानबाज़ी के लिए उन्हें उस पार्टी से व उनके नेता से ही नहीं बल्कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के परिवार और जाट समाज का अपमान करने के लिए तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वैसे देश की राजनीति में सपा का चाल, चरित्र व चेहरा अपने विरोधी पार्टियों के लिए ही नहीं बल्कि अपने सहयोगियों के लिए भी हमेशा से राजनीतिक संकीर्णता व जातिवादी द्वेष आदि से ग्रसित और अविश्वसनीय रहा है, जिस कारण इसका राजनीतिक एवं चुनावी लाभ भी अक्सर मौकों पर बीजेपी उठाती रही है और सेक्युलर ताकतें कमजोर होती रही हैं। मायावती ने कहा कि सपा के अहंकारी रवैये की वजह से पहले भी गठबंधन टूट चुके हैं। उन्होंने 1993 में सपा-बसपा गठबंधन टूटने का जिक्र करते हुए 2 जून 1995 के लखनऊ गेस्ट हाउस कांड को याद कर कहा कि बाद में अखिलेश यादव ने पुरानी गलतियां न दोहराने का भरोसा देकर बसपा के साथ लोकसभा चुनाव में गठबंधन किया, लेकिन चुनाव नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं आने के बाद सपा का रवैया फिर बदल गया और गठबंधन टूट गया।

उन्होंने कहा कि बसपा अपने सिद्धांतों और डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान की विचारधारा से समझौता नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि सपा गठबंधन के मामले में केवल अपना काम निकालना जानती है और अपना काम निकलते ही फिर यह पार्टी गिरगिट की तरह अपना रंग बदल लेती है और दूसरी पार्टी के बारे में अनाप-शनाप भाषा का इस्तेमाल करती है, जो कि यह सपा का पुराना रवैया है। ऐसे में सर्वसमाज के लोग सपा की संकीर्ण व जातिवादी राजनीति से जरूर सावधान रहें।

उन्होंने यह भी कहा कि इतना ही नहीं सपा की सभी रही सरकारों में दलितों, पिछड़ों, अक़लियतों, अपरकास्ट समाज में से विशेषकर ब्राह्मण समाज का भी काफी शोषण व उत्पीड़न किया गया है और ना ही इनके हितों में कोई भी सकारात्मक कदम उठाए गए हैं, बल्कि इनकी सरकार में वास्तव में केवल गुंडों, बदमाशों, माफियाओं व अन्य अराजक तत्वों का ही भला हुआ है।

ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है : खड़गे

-केंद्र सरकार ने एथेनॉल बनाने में गन्ने का इस्तेमाल होने से किया है इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी (शक्कर) की बढ़ती कीमतों और कम होते स्टॉक को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि त्योहारों से पहले मोदी सरकार की नीतियों की कड़वाहट चीनी की मिठास में घुल गई है। खड़गे ने सरकार से सवाल किया कि दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक भारत में चीनी का स्टॉक 9 साल के निचले स्तर पर क्यों पहुंच गया। उन्होंने 10 लाख टन चीनी ड्यूटी-फ्री आयात करने की नौबत पर भी सवाल उठाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है। भारत सरकार में खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया था कि देश में चीनी की खुदरा कीमत 20 जुलाई के 48 से बढ़कर करीब 56 रुपए प्रति किलो हो गई है, जबकि एक्स-मिल कीमत 7-10 दिनों में 47-48 से बढ़कर 62 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है। सरकार ने चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए एथेनॉल बनाने में गन्ने के इस्तेमाल को जिम्मेदार मानने से इनकार कर दिया है। खाद्य सचिव ने कहा कि देश में पर्याप्त चीनी स्टॉक है। कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के पीछे मिलों की ओर से दाम बढ़ाना, जमाखोरी और सट्टेबाजी प्रमुख वजह हैं।

खाद्य सचिव के मुताबिक अब देश में बनने वाले एथेनॉल का करीब एक-चौथाई हिस्सा ही चीनी से आता है, जबकि बाकी मुख्य रूप से मक्का जैसे अनाज से बनता है। एथेनॉल के लिए डायवर्ट की जाने वाली चीनी की हिस्सेदारी 2022-23 में 12फीसदी थी। यह 2025-26 में घटकर करीब 9फीसदी रह गई है। मौजूदा सीजन में एथेनॉल के लिए सिर्फ 28 लाख टन चीनी डायवर्ट की गई है। इस सीजन में देश में चीनी का उत्पादन 306 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है, जबकि शुरुआती अनुमान 343 एलएमटी था। रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों के साथ ज्यादा बारिश से खेतों में पानी भरने के कारण उत्पादन घटा है। मंत्रालय का कहना है कि अक्टूबर में नया पेराई सीजन शुरू होने तक घरेलू जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

राजस्थान में 611 स्कूलों के पास अपने भवन ही नहीं, हजारों स्कूलों न टॉयलेट, न पानी

- सीजेपी की टीम गई थी स्कूलों का निरीक्षण करने तो उन पर हुआ था हमला

जयपुर, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी के स्कूल निरीक्षण वाले कदम के बाद राजस्थान सरकार की ओर से जमीनी हकीकत पेश की गई है। प्रदेश सरकार की मानें तो प्रदेश की 611 स्कूलों के पास अपना भवन ही नहीं है। इस मामले में जयपुर की हालत सबसे ज्यादा खस्ता है तो दूर-दराज के जिलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली के एक सवाल के जवाब में सरकार की ओर से प्रदेश के स्कूलों के बारे में जानकारी दी गई।

राजस्थान सरकार ने विधानसभा में स्वीकार किया है कि प्रदेश में 611 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जिनके पास अपना भवन ही नहीं है। इनमें 10 बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इसके अलावा राज्य के 64,484 ऐसे सरकारी स्कूल उनमें से 2,047 में शौचालय और 1,049 में पेयजल सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी।

सरकार के मुताबिक आंकड़े समग्र शिक्षा अभियान के तहत 2025-26 के यूडीआईएसई डाटा पर आधारित हैं। जयपुर जिले में ही 38 सरकारी स्कूल बिना भवन के चल रहे हैं। यह मुद्दा ऐसे समय सामने आया है जब सीजेपी की ओर से सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका के नेतृत्व में एक टीम जयपुर के पास बगरू स्थित एक सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने जा रही थी। इसी दौरान टीम पर हमला किया गया। टीम स्कूल को लेकर मिली उस शिकायत की जांच करने जा रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि विद्यालय को गौशाला में संचालित किया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आंकड़ों में बिना भवन के चल रहे स्कूलों की संख्या के मामले में झालावाड़ सबसे ऊपर है। अकलेरा ब्लॉक में 23, खानपुर में 16 और झालरापाटन में 11 ऐसे स्कूल हैं। इसके अलावा फलोदी के बाप में 11 और बांसवाड़ा के छोटी सरवन में 10 स्कूल बिना भवन के चल रहे हैं। भवन के बिना चल रहे गर्ल्स स्कूल में जयपुर और अलवर में दो-दो, जबकि बाड़मेर, चूरू, डूंगरपुर, करौली, कोटा और राजसमंद में एक-एक स्कूल शामिल हैं। टॉयलेट की कमी वाले स्कूलों में बांसवाड़ा 188 के साथ सबसे आगे है। इसके बाद डूंगरपुर में 124 और उदयपुर में 98 स्कूल हैं। बीकानेर में 84, झालावाड़ में 81 और जैसलमेर में 79 सरकारी स्कूलों में शौचालय सुविधा नहीं है। पेयजल नहीं होने वालों में दौसा 96 स्कूलों के साथ सबसे ऊपर है। उदयपुर में 70, अलवर में 65, करौली में 60 और बांसवाड़ा में 58 स्कूलों में पेयजल सुविधा नहीं है।

सरकार ने अपने जवाब में कहा कि स्कूलों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए 550 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। भवनविहीन स्कूलों और जर्जर भवनों में संचालित स्कूलों के लिए नए भवन बनाने के लिए 450 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार ने कहा कि सरकारी स्कूलों में भवन, शौचालय आदि उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके अलावा प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक जर्जर स्कूल भवनों के नए निर्माण, मरम्मत और रखरखाव के लिए हर साल 2,500 करोड़ रुपए और पांच सालों में 12,500 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार के दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने पिछले साल हुए ऑडिट का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में 3,768 सरकारी स्कूल पूरी तरह जर्जर और असुरक्षित घोषित किए गए हैं। उनके मुताबिक ऐसे स्कूलों को बंद या ट्रांसफर किए जाने से नामांकन प्रभावित हुआ है। जूली ने दावा किया कि 83,783 स्कूल कक्ष भी पूरी तरह जर्जर और असुरक्षित हैं।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने पर पलटा ऑटो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने समय अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो सवार पीड़िता अनुपमा शर्मा जख्मी हो गई। इस बीच बदमाश मौके से भागने में कामयाब हो गए। ऑटो पलटने के बाद राहगीरों ने मदद कर चालक व शिक्षिका को ऑटो से बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में पुलिस ने अनुपमा का बयान लेकर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस के हाथ कुछ सुराग लगे हैं, उसके आधार पर आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक शाहदरा के भोलानाथ नगर निवासी अनुपमा दक्षिण दिल्ली के सादिक नगर स्थित केंद्रीय विद्यालय में शिक्षिका हैं। 25 सितंबर की सुबह वह स्कूल जा रही थी। इस बीच लक्ष्मी नगर इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने उनका पर्स छीनने का प्रयास किया। पीड़िता ने पर्स की पट्टी पकड़ी हुई थी, आरोपियों ने झटका मारकर उसे छुड़ा लिया। पीड़िता ने ऑटो चालक से बदमाशों का पीछा करने के लिए कहा। चालक ने बाइक सवारों के पीछे ऑटो लगा दिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने की वजह से ऑटो पलट गया और अनुपमा जख्मी हो गई।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है।

बेटी के पेट में जिन्न..., नाबालिग के साथ तांत्रिक ने किया ऐसा कांड

आगरा। तुम्हारी बेटी छह माह की गर्भवती है, उसके पेट में जिन्न का बच्चा है, बेटी की जान को भी खतरा है..... इस तरह की भ्रामक बातों से डराकर तांत्रिक ने परिवार वालों के साथ आई नाबालिग को कमरे में ले जाकर अश्लील हरकत की। डरा धमका कर दो दिन तक परिवार को मंदिर में रोके रखा, उनसे तीन लाख रुपये ऐंठ लिए। आगे ब्लैकमेल करने के लिए नाबालिग की अश्लील वीडियो बना ली। जब परिवार को बात झूठी होने का पता चला और उन्होंने रुपये वापस मांगे तो अपने साथी को दरोगा बनाकर धमकी दिलवाई। थाना जगदीशपुरा पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। पीड़ित फतेहपुसीकरी निवासी व्यक्ति ने बताया कि वह कुछ समय से शास्त्रीपुरम क्षेत्र में रह रहा है। कुछ समय से उसके पिता का संपर्क संतोषी उर्फ भैरव बाबा से हुआ था। संतोषी ने पिता को अंधविश्वास भरी बातों में फंसा लिया। परिवार पर जिन्न की बुरी नजर होने का डर दिखाया। इलाज के बहाने जगदीशपुरा के अमरपुरा स्थित भैरव मंदिर पर पूजा अर्चना के लिए बुलाया। 20 दिसंबर को पिता उनकी 17 वर्षीय बेटी, भतीजी और 20 वर्षीय बेटे को लेकर मंदिर गए। वहां संतोषी उर्फ भैरव बाबा ने अपनी पत्नी और एक अन्य महिला को दाई बताकर मिलवाया। दोनों महिलाओं ने बेटी के छह माह की गर्भवती होने की जानकारी दी। बाबा ने बेटी के पेट में जिन्न का बच्चा होने की कहकर विशेष पूजा करने की बोला। इसके बाद कथित दाई के साथ बेटी को मंदिर परिसर में बने कमरे में ले गया। दोनों ने मिलकर बेटी के कपड़े उतारे। विरोध पर बच्चा गांव के युवक का होने की बोलकर डराया। संतोषी ने बेटी के साथ अश्लील हरकत की। परिवार को डराकर दो दिन तक मंदिर में बिठाए रखा। पूजा के बहाने खुद अंदर बेटी के साथ रहा। परिवार को डरा धमका कर पूजा के बहाने तीन लाख रुपये ले लिए। पीड़ित ने बताया कि जब उन्हें जानकारी हुई तो बेटी को डॉक्टर को दिखाया। बेटी बिल्कुल ठीक थी। उन्होंने तांत्रिक से गर्भ की झूठी बात फैलाने का विरोध कर रुपये मांगे। इस बात पर उसके साथी ने खुद को दरोगा बताते हुए फोन पर धमकाया।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राकेश कुमार (पिता श्री तिलक राज) को हस्ताल विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 (गाँव हस्ताल, दिल्ली राज्य का इलाका) में स्थित रेजिडेंशियल प्लॉट नंबर 1 (क्षेत्रफल 75 वर्ग गज, खसरा नंबर 58/7 का हिस्सा) के अधिकार हस्तांतरित किए जा रहे हैं। यह हस्तांतरण श्री फ़रीज़ आलम और श्री हेरोज आलम (दोनों पिता श्री जिया उर रहमान) द्वारा निष्पादित नोटरीकृत GPA (दिनांक 26.02.2001),ꞈ इक्ष और वसीयत के आधार पर किया जा रहा है। उक्त संपत्ति श्रीमती कविता और दीपा को बेची जा रही है और इसके लिए स्म्ब्ल्त इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस किया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा/हित/अधिकार है या कोई बिबाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE

I, No.- 14667684F, Rank-HAV, Name- KORE SHIVARAJ TUKARAM, legally father of KORE VAISHNOVI SHIVRAJ, R/o VILL - TAVSHI(GAD), PO-TAVSHI (GAD), TEHSIL-LOHARA, DIST-OSMANABAD, MAHARASHTRA-413604, have changed my minor daughter s name from KORE VAISHNOVI SHIVRAJ to VAISHNAVI SHIVARAJ KORE for all future purposes vide affidavit dated 22/08/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAM KISHOR TANWAR S/O BUDHAN R/O VPO RAJOKRI PAHARI,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110038,HAVE CHANGED MY NAME TO RAM KISHOR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SYED SULTAN HASAN S/o SYED WALI HASAN R/o H NO-728, GALI SAUDAGRAN, BALLIMARAN, DELHI-110006 have changed my minor daughter name from SYED VANIYA to KULSUM HASAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I PRASHANT SINGH, S/o RAJVANT SINGH R/o 371/5 STREET NO.5 , 2ND FLOOR, GOVINDPURI, KALKAJI , NEW DELHI - 110019 have changed my name from PRASHANT to PRASHANT SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD AYAN S/O MD UMAR R/O H.NO- 2598, GALI SHANKAR, GALI ROOP NARAYAN, ASAF ALI ROAD, DARYA GANJ DIST: CENTRAL DELHI - 110059 HEREBY DECLARE THAT THE NAME OF MINE & FATHER HAVE BEEN CHANGED:
MY CORRECT NAME:
AYAAN UMAR
FATHER NAME: MOHD UMAR

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Gulshana W/o Irshad Ahmad is the owner and in possession of a Freehold Commercial Old Shop No. 395, New Shop No. 400/1, with Roof, area measuring 10.728 Sq. Mtrs +10.728 Sq. Mtrs, Total area measuring 21.457 Sq. Mtrs, (25.666 Sq. Yards), Mohalla Gaushala, Muzaffarnagar Pargana Tehsil & District Muzaffarnagar, Uttar Pradesh., Our client acquired the said property by virtue of a Reg. Gift Deed dated 11.12.2020 Vide Doc No. 10214, Book No. 1, Vol No. 8692, Page No. 209-224 on dated 11.12.2020 at SR-Sadar II, Muzaffarnagar. & Reg. Gift Deed dated 11.12.2020 Vide Doc No. 10212, Book No. 1, Vol No. 8692, Page No. 173-188 on dated 11.12.2020 at SR-Sadar II, Muzaffarnagar. in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 12.01.1998 executed by Mr. Charan Singh urf Charan Dass in favour of Mohammad Shamshad Vide Doc No. 128, Book No. 1, Vol No. 633, Page No. 23-28, on dated 12.01.1998 at SR- Muzaffar Nagar. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Gurgaon Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that our client Mrs. Nirmala Devi W/o Sh. Mukesh Kumar, Resident and Owner of Plot No. 14 to 20, New Plot no. 14, Double Story Built-up property, area measuring 46 Sq Yds i.e 38.47 meters, Khasra no.30/13, Village Hastsal, Vikas Nagar Colony, Block A. Pocket P. Uttam Nagar, New Delhi-110059, have with immediate effect disowned/debarred/disinherited her husband from her all movable and immovable assets of our client and has also ceased/severed all kinds of relations with him since he is not under control of my client. Henceforth, anyone dealing with him shall be doing so at his/her own costs, risks and consequences and our client and her other family members shall not be liable for the same in any manner and under any circumstances.

MANISH YADAV, ADVOCATE
OFFICE AT:- SHOP NO.111, LGF, SS PLAZA, MAHAVIR ENCLAVE, PALAM DABRI ROAD, NEW DELHI-110045,

Court Notice

IN THE COURT OF SH. VIRENDER SINGH, LD. PO (MACT)-02 ROOM NO. G-4, GROUND FLOOR, NEW COURT BUILDING SHAHDARA DISTRICT, KARKARDOOMA COURT, DELHI

NOTICE FOR PUBLICATION (U/O 5 RULE 20 CPC)
MACT NO. 454/2025 FIR NO-414/2025
PS- TAPPAL, ALIGARH

AFSA & ORS
VS.
GIRISH & ORS.

TO
GIRISH S/O SH.....(R1) MAHAVEER SINGH R/O NAGLA KAJI, P.S- SAKET, ETAH U.P-207121 (DRIVER -UP-14LT-2080)
AND
BAL KARAN SINGH .....(R2) S/O SH. HUKUM SINGH R/O H.NO. 4, BAUDH VIHAR, GHAZIABAD, U.P-201009 (Owner-14LT-2080)

WHEREAS the above noted claim petition U/s 166 & 140 of Motor Vehicle Act is pending before the court of undersigned and you are hereby informed through this notice to appear in person or through pleader on the next date of hearing ie 10.09.2026 at 10.00 AM Under my hand and seal of this court on 18.08.2026

PO MACT 02
SHD. KKD

NAME CHANGE

I hitherto known as Shami Bansal S/o Prabhu R/o 21, gadhi kataiya, Loni Dehat, Ghaziabad, Loni, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Ramkishan.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Tannu Patel D/o Munna Patel R/o Near Pandit Colony, Sector-73 Noida, Sarfabad, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Munna Kumar and Seema in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are Munna Kumar Patel and Seema Devi.

NAME CHANGE

I Sanjay Kumar S/o Ram Gopal R/o R C 29, Shankar Vihar Khora Coloni, Khora, Khora Gaon, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201309 have changed the name of my minor son Summer aged 12 years and he shall hereafter be known as Samar Sharma.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ASHISH SINGH alias ASHISH KUMAR SINGH son of SATYENDRA SINGH residing at C-001, Aditya Garden City, Near Amity International School, Sector-06, PO: Vasundhara, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201012 have changed my name and shall hereafter be known as ASHISH SINGH

NAME CHANGE

I PRABHAKAR YADAV S/o SHIVPOOJAN YADAV R/o C5- 1908, Prateek Grand City,Near Pratap Vihar, Sidharth Vihar, Ghaziabad Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, have changed the name of my minor son ARUSH YADAV aged 12 years and he shall hearafter be known as ARJUN YADAV.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Shivani Shukla, D/o Sh. Hemant Kumar Bajpai & Ex. W/o Shubhendu Shukla, residing at Flat No-303, Tower-02, Amrapali Grand, Near Assotech SpringFields, Zeta-1, Sakipur, Alpha, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201310, declare that I got Divorce from my Ex. Husband Shubhendu Shukla vide Court Decree HMA No. 968/2025 dated 24/03/2025. Further I have changed my name and shall be hereafter known as Shivani Bajpai.

NAME CHANGE

I GITA PRAKASH S/O GANESHI LAL R/O H.NO -357 , GALI NO -1 , THAN SINGH NAGAR PARBAT , KAROL BAGH DELHI 110005 have changed my name to GEETA PRAKASH Permanently for all future

NAME CHANGE

I KARUNA VIVEK BHURE W/O VIVEK CHANDRAKANT BHURE R/O FLAT NO. 62, SECOND FLOOR, C2C BLOCK, POCKET 12, JANAKPURI, NEW DELHI 110058, have changed my minor daughter name KANAK TO KANAK VIVEK BHURE Permanently for all future correspondence.

NAME CHANGE

I, PANKAJ KUMAR S/o CHANDRA MOHAN PANDEY R/O NP-16 B S.F, Pitampura, PO: Saraswati Vihar, DIST: North West Delhi, Delhi - 110034, Have change the name of my minor daughter ANJIKA KUMARI aged 13 years and she shall hereafter be known as ANJIKA KASHYAP.

PUBLIC NOTICE

Sh. Rajender S/O Lt. Sh. Jaswant Singh R/O RZ F1/215, Gali No.2, Mahavir enclave, new delhi-110045, hereby inform the public that the original GPA bearing Stamp Number: 04AA 869746, registered On 22/06/1993 Vide REGISTRATION NO 27628 ON ADDL. BOOK NO. 3 VOLUME NO. 1986 22/06/1993 VIDE ON PAGE NO. 182 before the Sub-Divisional Magistrate (SDM), West, Delhi; he is the present holder of the above-said document the same is registered in the name of Sh. Jaswant Singh R/O Lt. Sh. Nar Singh S/O R/O RZ F1/215, Gali No.2, Mahavir enclave, new delhi-110045 had been misplaced by me from my residence at RZ F1/215, Gali No.2, Mahavir enclave, new delhi-110045 on 17/04/2006 at 04:25 PM. In respect of the same DD NO: 28B has been registered before PS:-Dabri on dated 17/04/2006.
founder or any person in possession of the said document are requested to return the same to me at above address or contact on mob no:- +91 8826639984 or email :-Pratap.sng 1968@gmail.com within 15 days from the date of this publication. any person or institution dealing with or transacting on the basic of the said document shall do so at their own risk, cost, and consequences, for which shall not be responsible.

Deepak Kumar Maurya (Advocate)
241,F. F.Hari nagar ashram.Delhi
Mob 8178661358

NAME CHANGE

I,hitherto known as Pushpa Devi W/O: Ashok Kumar R/O house no-196/6/11 south krishnapuri Muzaffarnagar City, Muzaffarnagar Uttar Pradesh 251002, have changed my name and shall hereafter be known as KM PUSHPA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Snehlata Jain alias Sneh Jain D/O Haridas Jain W/O Mukesh Kumar Jain, R/O E- 46, Ground Floor, Sector-51, Noida, Gautam Buddh Nagar (U.P) 201301, have changed my name and shall hereafter be known as SNEH JAIN.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Mukesh Babu Jain, alias Mukesh Kumar Jain S/O Raj Kumar Jain, R/O E- 46, Ground Floor, Sector- 51, Noida, Gautam Buddh Nagar (U.P) 201301, have changed my name and shall hereafter be known as MUKESH KUMAR JAIN.

NAME CHANGE

I, Manu Gupta S/O Naresh Chand Gupta R/O C4-216, Gulmohar Enclave, Rakesh Marg, Near Shani Mandir, Nehru Nagar 3, VTC: Ghaziabad, PO: Ghaziabad, District: Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201001, have changed the name of my minor son Harshil Garg aged 2 years and he shall hereafter be known as VEDANG GARG.

NAME CHANGE

I, Manu Gupta S/O Naresh Chand Gupta R/O C4-216, Gulmohar Enclave, Rakesh Marg, Near Shani Mandir, Nehru Nagar 3, VTC: Ghaziabad, PO: Ghaziabad, District: Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201001, have changed the name of my minor daughter Leesha Garg aged 5 years and she shall hereafter be known as GOURANGI GARG.

NAME CHANGE

I,hitherto known as Nirmal Gupta W/O Nanak Chandra Gupta, R/O 8, SARAI THERA, LAL TALAB, Bulandshahar, Bulandshahr, Uttar Pradesh, 203001, have changed my name and shall hereafter be known as NIRMALA DEVI.

NAME CHANGE

I, JC-732934X SUB MAJ SHASHI KANT VERMA (Retd) resident of Qtr No-P-25/15, Kabul Line, Sadar Bazar, Delhi Cantt-110010, declare that my father's name BHOLA PRASAD SINGH and DOB 11-03-1946 is wrongly mentioned in my service record and his correct name is BHOLA MAHTO and DOB is 01-01-1930 for all future purposes vide Notary Secunderabad affidavit dt 12-06-2026.

NAME CHANGE

I, GULFISHA PARVEEN W/o MOHD IMRAN R/o H NO-130, GALI BANDOOK WALI, AJMERI GATE, DELHI-110006 have changed my name to GULFISHAN PERVEEN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ANWAR HUSSAIN S/o ABDUR REHMAN R/o H NO-1826, 4th FLOOR, GALI JAMUN WALI, LAL KYAN, LAL DARWAZA, DELHI-110006 have changed my name to ANWAR HUSAIN for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **वर्ल्ड गवर्नमेंट पार्टी** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय 6-103, करोपाडी, पोस्ट ऑफिस ओडियूर, ज़िला दक्षिण कन्नड़, कर्नाटक - 574243 में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है- पार्टी के पदाधिकारियों के नाम / पता नीचे दिए गए है-
अध्यक्षः मुरली कृष्ण ब्रह्माण्डम, 306, मैरियन पैराडाइज़ स्ट्रीक, बेजाई, मैंगलोर - 575004
महासचिवः धर्मेंद्र, 6-103, करोपाडी, पी.ओ. -ओडियूर, कर्नाटक - 574243
कोषाध्यक्षः जयश्री, 6-103, करोपाडी, पी.ओ. - ओडियूर, कर्नाटक 574243
यदि किसी को **वर्ल्ड गवर्नमेंट पार्टी** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

NAME CHANGE

I, AMIT S/o GULAB SINGH R/o Bhojpur , Ghaziabad , Bhojpur , Uttar Pradesh 245304 have changed the name of my minor son EKANSH aged 14 years and he shall hereafter be known as AKANSH .

NAME CHANGE

I, SANYAM S/o OM PRAKASH R/o 5/211 , Gali No. 6 , Santpura , Modinagar , Ghaziabad , Modi Nagar , Uttar Pradesh 201204 have changed the name of my minor daughter ANSHIKA SINGH aged 17 years and she shall hereafter be known as YANSHIKA .

NAME CHANGE

I hitherto Known as EDWARDS JOHNSON AMOS S/o JAMES HARDINGE AMOS , Residing at House No.-135 / 6 , Kamal Kutir , Gali No.-6 , Nirankari Colony, Dr.Mukherjee Nagar , North West Delhi , Delhi 110009 have changed my name and shall hereafter be known as EDWARD JOHNSON AMOS .

NAME CHANGE

I, GHANSHYAM DASS S/o Jaishi Ram Sharma R/o H.NO.1320, Sector-D1, Vasant Kunj, Delhi-110070, have changed my name from GHANSHYAM DASS to GHANSHYAM DASS SHARMA for all purposes

NAME CHANGE

I, ASNARA W/O RIYASAT ANSARI R/O A-48/49/50 2ND FLOOR OLD SEEMAPURI DELHI 110095, CHANGED MY NAME TO AAYASHA.

NAME CHANGE

I DEEPA CHAWLA W/O DEEPAK CHAWLA R/O ? ?? B-1/85...3RD FLOOR SECTOR -17 ROHINI NEW DELHI -110089 I HAVE CHANGED MY NAME FROM KM DEEPA TO DEEPA CHAWLA FOR ALL FUTURE PURPOSES,THEY BOTH ARE SAME PERSON.

NAME CHANGE

I hitherto Known as AMRINDER SINGH S/O JASPAL SINGH R/O H.no.-131-B 2 R M M I G FLATS Sec-2, Rajender Nagar, Shalimar Garden, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as AMRINDER SINGH PARMAR.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Krishna Wati** in respect **Second Floor, H.no. K-8/63, Old No. 7/12, land area measuring 50 Sq. yards, out of Khasra no. 557 Gali No. 8, K-Block, Gangotri Vihar, West Ghonda Delhi-110053** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I MOHAMMAD DANISH S/O SHAUKAT ALI R/O K 22/A ,3 FLOOR ABUT FAZAL ENCLAVE, JAMIA NAGAR , NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025 have changed my name to MOHD DANISH Permanently for all future

NAME CHANGE

I BHAVNA SHARMA & BHAWNA W/O ASHOK KUMAR R/O RZ A1 / 7 A BLOCK A1 NEAR NANDA BLOCK MAHAVIR ENCLAVE PALAM DELHI-110045 have changed my name to BHAWNA SHARMA Permanently for all future

NAME CHANGE

I FARAZ BEG S/O FAHIM BEG R/O A-478, J J COLONY , CAMP NO -2 NANGLOI DELHI -110041 have changed my name to FARAJ BEG Permanently for all future

NAME CHANGE

I FAHEEM BEG S/O LAIQ BEG R/O A- 478 , J J COLONY, CAMP NO- 2, NANGLOI DELHI 110041 have changed my name to FAHIM BEG Permanently for all future

NAME CHANGE

I SABINA W/O FAHIM BEG R/O A-478, J J COLONY, CAMP NO -2, NANGLOI DELHI 110041 have changed my name to SABINA BEGUM Permanently for all future

NAME CHANGE

I SHAMIM W/O FURQAN R/O H NO-6807, GALI BERI WALI AHATA KIDARA, BARA HINDU RAO, DELHI G.P.O, DELHI-110006. have changed my name to SHAMIM AKHTAR For all purposes.

NAME CHANGE

I Bhawna D/o Pankaj Gupta R/o H.No- 1997 kotla Mubarak Pur Lodhi Road New Delhi-110003 have changed my name to Bhawna Garg for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ZANNAT W/o YASIN R/o H.NO.B-853, Street No.9, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to JANNAT BEGAM permanently

NAME CHANGE

I Paramjit kaur W/0 - Sukhdev Singh, R/0 - G 64 Sant Nagar extension, near Tilak nagar, 110018 Changed my name to Paramjeet kaur

NAME CHANGE

I, Mufeed Khan S/O. Nawab Khan R/O. New F-34, Near 857 Bus Stop Raghubir Nagar Delhi-110027 have changed my name to Mufid Khan for all future purposes.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, JAGWANDE BHAGWATI mother of JC-335021N, Rank-NB SUB Name-RAKESH KUMAR residing at-VPO-BHARTANA, TEHSIL-SAFIDON, DIST-JIND, HARYANA-126113, have changed my name from JAGWANDE BHAGWATI to BHAGAVATI DEVI for all future purposes and in my son s service records my date of birth wrongly mentioned as 18/04/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide affidavit dated 22/08/2026 before Notary Public, Delhi

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अमर पाल सिंह सूरी, ग्राम नरैना, राजस्व एस्टेट, रिंग रोड, नरैना रेजिडेंशियल स्कीम के लेआउट प्लान में स्थित, नरैना विहार, नई दिल्ली-110028 के नाम से ज्ञात, ब्लॉक-डी में निर्मित संपूर्ण फ्रीहोल्ड संपत्ति संख्या D-62, जिसका क्षेत्रफल 386.20 वर्ग गज है तथा जिसमें छत के अधिकार भी सम्मिलित हैं, को श्री हर्ष ग्रोवर से खरीदने का इरादा रखते हैं, उक्त संपत्ति श्री हर्ष ग्रोवर द्वारा दिनांक 04.06.2026 की त्याग-पत्र, जो श्री कुणाल ग्रोवर पुत्र श्री हर्ष ग्रोवर एवं श्रीमती तान्या ग्रोवर पुत्री श्री हर्ष ग्रोवर द्वारा निष्पादित किया गया था, के माध्यम से प्राप्त की गई, जो दस्तावेज संख्या 2026/8/I/3624 के रूप में पंजीकृत है, प्रारंभ में श्री राम प्रसाद ने प्लॉट संख्या 62, ब्लॉक-डी, क्षेत्रफल 386.20 वर्ग गज, को दिनांक 29.03.1975 की Perpetual Lease के माध्यम से खरीदा था। तत्पश्चात, श्री राम प्रसाद पुत्र श्री भगवान दास द्वारा श्रीमती राज करणी टंडन ञ्च राज कुमारी टंडन पत्नी श्री संतोष कुमार टंडन के पक्ष में दिनांक 31.12.1976 को पंजीकृत General Power of Attorney एवं Agreement to Sell निष्पादित किए गए, जो दस्तावेज संख्या 377 के रूप में पंजीकृत हैं। इसके पश्चात, POI के माध्यम से DDA द्वारा श्रीमती राज करणी टंडन पत्नी श्री संतोष कुमार टंडन के पक्ष में दिनांक 29.08.2002 को Conveyance Deed निष्पादित की गई, जो दस्तावेज संख्या 4215 के रूप में पंजीकृत है, दुर्भाग्यवश, श्रीमती राज करणी टंडन का दिनांक 22.05.2013 को निधन हो गया तथा श्री शिव टंडन का दिनांक 02.06.2024 को निधन हो गया। तत्पश्चात, श्रीमती मीनाक्षी ग्रोवर (पुत्री) उनकी एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी थीं। इसके बाद, MCD द्वारा दिनांक 23.08.2024 को संपत्ति संख्या ष्ठ-62, ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर एवं सेकंड फ्लोर, नरैना विहार के संबंध में करदाता के नाम का E-Change of Name जारी किया गया, जिसमें श्रीमती मीनाक्षी ग्रोवर का हिस्सा 100% दर्शाया गया था, दुर्भाग्यवश, श्रीमती मीनाक्षी ग्रोवर का दिनांक 27.02.2026 को Western Australia में निधन हो गया। उनके पश्चात् (1) श्री हर्ष ग्रोवर (पति), (2) श्री कुणाल ग्रोवर (पुत्र) एवं (3) श्रीमती तान्या ग्रोवर (पुत्री), उनके एकमात्र Class-I कानूनी उत्तराधिकारी हैं, तत्पश्चात, श्रीमती तान्या ग्रोवर पुत्री श्री हर्ष ग्रोवर द्वारा दिनांक 24.04.2026 को श्री हर्ष ग्रोवर पुत्र स्वर्गीय श्री पृथ्वी ग्रोवर के पक्ष में उक्त संपत्ति में अपने हिस्से के संबंध में स्क्र निष्पादित की गई। इसी प्रकार, श्री कुणाल ग्रोवर पुत्र श्री हर्ष ग्रोवर द्वारा दिनांक 24.04.2026 को श्री हर्ष ग्रोवर पुत्र स्वर्गीय श्री पृथ्वी ग्रोवर के पक्ष में उक्त संपत्ति में अपने हिस्से के संबंध में स्क्र निष्पादित की गई, इसके पश्चात, श्री कुणाल ग्रोवर पुत्र श्री हर्ष ग्रोवर एवं श्रीमती तान्या ग्रोवर पुत्री श्री हर्ष ग्रोवर द्वारा श्री हर्ष ग्रोवर पुत्र स्वर्गीय श्री पृथ्वी ग्रोवर के पक्ष में निर्मित संपूर्ण फ्रीहोल्ड संपत्ति संख्या D-62 के संबंध में दिनांक 04.06.2026 को Relinquishment Deed निष्पादित की गई, जो दस्तावेज संख्या 2026/8/I/3624 के रूप में पंजीकृत है। इसके पश्चात, MCD द्वारा दिनांक 26.05.2026 को करदाता के नाम का E-Change of Name जारी किया गया, जिसमें श्री हर्ष ग्रोवर का हिस्सा 100% दर्शाया गया है, अतः, श्री हर्ष ग्रोवर ने उक्त संपत्ति पर वैध स्वामित्व अधिकार प्राप्त कर लिया है और वर्तमान में उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण भौतिक कब्जे में हैं। मेरे द्वारा परीक्षण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों तथा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों (Liens), प्रभारों, बंधकों (Mortgages), कुर्कियों, अधिग्रहण, मुकदमेबाजी तथा किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है। उक्त प्रस्तावित खरीद का वित्तपोषण RBL Bank Limited, Building No. 1, First Floor, Modi Mill Compound, Okhla Industrial Estate, New Delhi द्वारा किया जाना है, , यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, sds निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेलः kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, ANITA W/OVIJAY KUMAR R/O. G-701, TYPE-3, G.POINT, PRESIDENT ESTATE QUARTERS, KALI BARI LANE, NEW DELHI-110001, HAVE CHANGED MY NAME TO ANITA DEVI.

NAME CHANGE

I, SHABINA W/O MOHD RASHID R/O 729, Gali No-5, Dakshini Islamabad, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh-250002, have change my minor daughter IZNA aged 10 years and she shall hereafter be known as UMAIRA.

NAME CHANGE

I, Chinmay Jain S/O Ram Mohan Jain R/O 82, CHILKANA Road, MAHAVEER COLONY, VTC: Saharanpur, PO: Saharanpur, Sub District: Nakur, Saharanpur, Uttar Pradesh, 247001, have changed the name of my minor son Dhrauvya Jain aged 4 years and he shall hereafter be known as DHRUV JAIN.

NAME CHANGE

I, INDU SINGLA R/O H NO-C-15/R, WARD NO--09, NEAR WATER TANK, NEW COLONY, PALWAL, HARYANA-121102. HAVE CHANGED MY NAME TO BINDU SINGLA.

NAME CHANGE

I, TRILOKI KUMAR JHA S/o Late. Dhruv Kant Jha R/o D-1/215, Gali No.7, Pusta-2, Sonia Vihar, Karawal Nagar, Delhi-110094, declare that my father s names DHRUV KANT JHA and DHUV NARAYAN JHA both are same person

Public Notice

It is for general information that I Suryansh Bhardwaj S/O: Anil Sharma, R/O 229/51/a, main road, near masjid road, saket colony, VTC: Muzaffarnagar, PO: Muzaffarnagar, Sub District: Muzaffarnagar, : Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 251001, declare that name of my father has been wrongly written as Sunil Sharma in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is ANIL SHARMA, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I GITA PRAKASH S/O GANESHI LAL R/O H.NO -357 , GALI NO -1 , THAN SINGH NAGAR PARBAT , KAROL BAGH DELHI 110005 have changed my name to GEETA PRAKASH Permanently for all future

NAME CHANGE

I KARUNA VIVEK BHURE W/O VIVEK CHANDRAKANT BHURE R/O FLAT NO. 62, SECOND FLOOR, C2C BLOCK, POCKET 12, JANAKPURI, NEW DELHI 110058, have changed my minor daughter name KANAK TO KANAK VIVEK BHURE Permanently for all future correspondence.

NAME CHANGE

I BUSHRA WIFE OF MOHAMMAD REHAN ALI R/O H NO. B-133, GALI NO.9, ZAKIR NAGAR, OKHLA, NEW FRIENDS COLONY, SOUTH DELHI, DELHI-110025 HAVE CHANGED MY NAME BUSHRA CHAND FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I CHAND SON OF MAULA BAKESH R/O H NO. JAYANAND BHARTI MARG, TEHSIL KOTDWARA, PO KOTDWARAM DIST PAURI GARHWAL, UTTARKHAND-246149, HAVE CHANGED MY NAME CHAND MOLA BAKESH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I KAMRUDDIN SON OF AMIRUDDIN R/O H NO. C-187/12-C, GALI NO-2, NEAR QADRI MASJID, CHAUHAN BANGER, NEW SEELAMPUR, BHAJANPURA, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME QAMRUDDIN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I hitherto Known as BHARAT KUMAR S/O RAMESH KUMAR R/o Flat No-806,Tower A 4, Bharat City, Tila Shahbazpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as BHARAT CHAUHAN.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA RANI W/O PRAVEEN SINGH R/O Gali No-05, Bagh Colony, Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 have changed the name of my minor son YATHARTHA PRAVEEN SINGH aged 14 years and he Shall hereafter be known as YATHARTH SINGH.

NAME CHANGE

I hitherto known as SRIRUPA CHAKRABORTY alias SRIRUPA BHATTACHARYA D/o NRIPESH CHANDRA BHATTACHARJEE W/o SOURABH CHAKRABORTY R/o A-1504, Prateek Wisteria, Sector 77, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301, have changed my name and shall hereafter be known as SRIRUPA BHATTACHARYA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सीजेएम मीनाक्षी यादव व खुशबू गोयल ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

एजेंसी

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव तथा सीजेएम खुशबू गोयल ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कारागार में रह रहे बंदियों से बातचीत कर प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। जरूरतमंद बंदियों की मुफ्त कानूनी सहायता के लिए प्रार्थना पत्र भी लिए गए। इसके अलावा योग्य मुकदमों का जेल लोक अदालत के माध्यम से निपटारा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस मौके पर जेल अधीक्षक लखबीर सिंह भी उपस्थित रहे। इसके बाद सीजेएम मीनाक्षी यादव ने सब डिविजनल लीगल सर्विसेज कमेटी असंध का निरीक्षण किया। सीजेएम ने सब डिविजनल लीगल सर्विसेज कमेटी असंध में स्थापित कानूनी सहायता केंद्र का निरीक्षण किया व पैनल अधिवक्ताओं को कानूनी सहायता केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

समाधान शिविर में 8563 शिकायतों में से 5509 शिकायतों का हुआ समाधान:आशीष कुमार

कुरुक्षेत्र। नगराधीश आशीष कुमार ने कहा कि अब तक समाधान शिविर में 8563 शिकायतें प्राप्त हुई, इनमें से 5509 शिकायतों का समाधान कर दिया गया है। समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों की पोर्टल पर डिटेल जानकारी अपडेट करें, ताकि शिकायतें दोबारा ओपन ना हो। अधिकारियों की रिमार्क्स स्पष्ट ना होने के कारण शिकायतों की पेंडिंग में संख्या ज्यादा है। इनको कम करने के लिए जांच रिपोर्ट भरकर विस्तृत जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें। नगराधीश आशीष कुमार लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी, सीपीजीआरएएमएस और जनसंवाद की समीक्षा बैठक में अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। इससे पहले शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग और खेल विभाग के प्रधान सचिव विजय दहिया ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगराधीश आशीष कुमार ने बताया कि सीएम विंडो से संबंधित अब तक 12352 शिकायतें प्राप्त हुई है जिनमें से 12098 शिकायतों का समाधान कर दिया गया है ,जबकि 144 शिकायतें ओवर ड्यू है और 195 शिकायत इन एक्शन है।

वैदिक ऋषियों की ज्ञान परंपरा की वाहक हैं महिलाएं : डॉ. चौहान

नीलोखेड़ी/ करनाल। उद्यमिता केवल व्यवसाय स्थापित करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, नवाचार और रोजगार सृजन की सशक्त सोच है। ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महिला संसाधन व्यक्तियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह टिप्पणी हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने संस्थान में उद्यमिता विकास विषय पर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए की। डॉ. चौहान ने कहा कि भारतीय नारी सदैव से साहस, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की प्रतीक रही है। उन्होंने महिला प्रतिभागियों को झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की वीरता और साहस का प्रतीक बताते हुए कहा कि महिलाएं प्राचीन वैदिक ऋषियों की उत्तराधिकारी हैं, जिन्होंने भारतीय ज्ञान, संस्कृति और समाज निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं भी अपनी प्रतिभा, ज्ञान और नेतृत्व क्षमता के माध्यम से परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

प्रदेश में 9 नए उप स्वास्थ्य केंद्र तथा एक केंद्र को पीएचसी में अपग्रेड करने की मिली मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में चिकित्सा ढांचा मजबूत करने और दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में 9 नए उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने और 1 उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड करने की मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय का सबसे बड़ा लाभ नूंह (मेवात) जिले को मिला है, जहाँ 7 नए उप स्वास्थ्य केंद्र खोले जाएंगे। इनमें गांव रानिका, देवला नंगली, महुं, गौधोला, लफुरी, बड़ेड और चीला गांव शामिल हैं। इसके अलावा रेवाड़ी जिला के गांव भांडोर तथा सिरसा जिला के गांव मोचीवाली में भी एक-एक नया उप स्वास्थ्य केंद्र खोला जाएगा। वहीं, गुरुग्राम जिले के गांव रणसीका स्थित मौजूदा उप स्वास्थ्य केंद्र का दर्जा बढ़ाकर उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तब्दील किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक बेहतर इलाज की सुविधा पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक संपन्न, 17 में से 14 मामलों का हुआ समाधान

गुरुग्राम में व्यवस्थाओं में लगातार हो रहा सुधार, नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर सरकार का जोर : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरियाणा सरकार लगातार काम कर रही है। समय के साथ व्यवस्थाओं में सुधार हो रहा है और जिन क्षेत्रों में पहले समस्याएं अधिक दिखाई देती थीं, वहां अब सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार अत्यधिक वर्षा होने के कारण अचानक व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव आता है और जलभराव जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं, लेकिन इसके बावजूद पिछले समय में किए गए कार्यों का लाभ स्पष्ट रूप से अब दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी से विधायक

श्रीमती बिमला चौधरी, सोहना के विधायक श्री तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक श्री मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 17 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 14 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 3 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। पायनियर इंडस्ट्रियल पार्क में 33 केवी सब-स्टेशन के लिए तत्काल भूमि उपलब्ध कराए सम्बंधित बिल्डर, अन्यथा दर्ज की जाए एफआईआर बिलासपुर-तावडू रोड स्थित पायनियर इंडस्ट्रियल पार्क से आए वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इंडस्ट्रियल पार्क में 33 केवी सब-स्टेशन स्थापित करने के लिए बिल्डर द्वारा निर्धारित भूमि उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, जिसके चलते औद्योगिक इकाइयों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। एसोसिएशन की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रस्तावित 33 केवी सब-स्टेशन के निर्माण के लिए डेवलपर से आवश्यक भूमि तत्काल उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि बिल्डर/डेवलपर सब-स्टेशन के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने में सहयोग नहीं करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज करवाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।

हरियाणा में लागू करेंगे 'वाटर सिक्योर हरियाणा' कार्यक्रम : श्याम सिंह राणा

'इसमें जल सुरक्षा को सुदृढ़ और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया जाएगा'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि प्रदेश में 'वाटर सिक्योर हरियाणा' कार्यक्रम को लागू किया जाएगा ताकि जल सुरक्षा को सुदृढ़ तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। श्री राणा आज यहां अपने कार्यालय में कृषि विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक , अतिरिक्त निदेशक श्री रामप्रताप सिहाग एवं डॉ देवेंद्र सिहाग के अलावा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम अथवा योजना का

मुख्य उद्देश्य सब-सरफेस और वर्टिकल ड्रेनेज तकनीकों के माध्यम से सेम प्रभावित भूमि को उपजाऊ बनाना, जल-दक्ष फसलों और आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहित करना, जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों को अपनाना तथा अधिक पानी की खपत वाली फसलों का क्षेत्रफल कम करके किसानों की आय में वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को क्लस्टर-आधारित रणनीति के तहत लागू किया जाएगा। जलभराव और लवणता सुधार के लिए झज्जर और रोहतक सहित अन्य प्रभावित जिलों के क्लस्टर-13 में 2.0 लाख एकड़ भूमि को लक्षित किया गया है, जिसमें चरणबद्ध तरीके से ड्रेनेज सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। फसल विविधीकरण और पानी की बचत के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद और करनाल के क्लस्टर-5 में 5.0 लाख एकड़ क्षेत्र में धान की सीधी बिजाई (छ्स्त्र) का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वहीं क्लस्टर-13 में 1.12 लाख एकड़ क्षेत्र में 'मेरा पानी मेरी विरासत' के तहत वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा।

सीएम विंडो, एसएमजीटी व समाधान शिविर की शिकायतों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करें अधिकारी : डीसी अपराजिता

लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं, गुणवत्तापूर्ण एटीआर करें अपलोड

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि सीएम विंडो, एसएमजीटी तथा समाधान शिविर के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निपटान सुनिश्चित किया जाए। आमजन की शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी अपराजिता लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहीं थीं। इससे पहले चंडीगढ़ से प्रधान सचिव विजय सिंह दहिया ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला उपायुक्त के साथ विभिन्न शिकायतों की समीक्षा की। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करना चाहिए। गुणवतापूर्ण तथा तथ्यात्मक एक्शन टेकन रिपोर्ट अपलोड करें। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और शिकायतों के समाधान की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने विशेष रूप से री-ओपन होने वाली शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने में आमजन को आ रही परेशानियों को दूर करके समयबद्ध लाभ उपलब्ध करवाना है।

स्टंबल लैब प्रोजेक्ट-सरकारी स्कूलों में आया बड़ा बदलाव, बच्चों में बढ़ा आत्मविश्वास

डीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में शुरू किए गए स्टंबल लैब प्रोजेक्ट के उत्साहजनक परिणाम आए सामने

एजेंसी

कैथल। सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में सुधार के साथ-साथ विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और मनोवैज्ञानिक क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से डीसी अपराजिता द्वारा शुरू किए गए स्टंबल लैब प्रोजेक्ट के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। इस प्रोजेक्ट ने विद्यार्थियों के मन से असफलता का डर निकालने और उन्हें बिना झिझक सवाल पूछने तथा बार बार प्रयास करने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रोजेक्ट के तहत अब तक हुए कार्य के आकलन से पता चला कि विद्यार्थियों की कक्षा में सहभागिता में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बच्चे अब पहले की अपेक्षा अधिक खुलकर सवाल पूछ रहे हैं। इतना ही नहीं स्कूल हाजिरी में भी 11 प्रतिशत का सुधार हुआ है। बता दें कि डीसी अपराजिता ने इस पूरे प्रोजेक्ट की

कल्पना की थी। स्टंबल का अर्थ है ठोकर खाना। इस प्रोजेक्ट का मूल उद्देश्य बच्चों को असफलता से डरने की बजाय उससे सीख लेकर दोबारा प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अक्सर देखा गया है कि बच्चों में असफलता का डर इतना बैठ जाता है कि वे एक बार किसी काम में असफल होने के बाद सफलता का प्रयास नहीं करते। इस प्रोजेक्ट में बच्चों को यही सिखाया जा रहा है कि एक बार के प्रयास में यदि आप असफल हो गए हैं तो वह अंतिम नहीं है। प्रोजेक्ट में बच्चों को कई ऐसे काम किए गए, जिसमें असफलता के ज्यादा चांस थे। जब बच्चे असफल हुए तो उन्हें प्रोत्साहित किया गया। इसके बाद फिर से उन्हें अगली गतिविधि में उत्साह से भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिला तो बच्चों का हौसला बढ़ा हुआ नजर आता है। बच्चे अधिक उत्सुकता के साथ अगली गतिविधि में भाग लेते हैं। जिसका पूरा असर कक्षा पर पड़ता है और बच्चे पढ़ाई में भी अधिक रुचि लेते नजर आ रहे हैं। डीसी अपराजिता ने बताया कि स्टंबल लैब प्रोजेक्ट के तहत जिले के 320 से अधिक सरकारी स्कूलों को जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बसों को हरी झंडी दिखाकर 'युवा उद्यमी यात्रा' का किया शुभारंभ

दिसंबर तक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, आईटीआई व कोचिंग संस्थानों में पहुंचेंगी यात्रा

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित जेन-एच स्टार्टअप समिट-युवा उद्यमी चौपाल के दौरान दो बसों को हरी झंडी दिखाकर 'युवा उद्यमी यात्रा' का शुभारंभ किया।

इस यात्रा का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ना तथा उन्हें अपने नए विचारों को सफल उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराना है। 'युवा उद्यमी यात्रा' के तहत दोनों बसें दिसंबर 2026 तक प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा करेंगी। इस दौरान कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, आईटीआई तथा कोचिंग संस्थानों में पहुंचकर युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने की प्रक्रिया, वित्तीय सहायता, ऋण सुविधाओं, तकनीकी सहयोग और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

जाएगी। यात्रा के दौरान विशेषज्ञों एवं सफल युवा उद्यमियों के माध्यम से युवाओं को स्टार्टअप की स्थापना, व्यवसाय को आगे बढ़ाने, वित्तीय प्रबंधन, तकनीकी सहयोग तथा अपने विचार को व्यावसायिक रूप देने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। युवाओं को अपने नए विचारों को केवल विचार तक सीमित न रखते हुए उन्हें वास्तविक उद्यम में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। 'युवा उद्यमी यात्रा' के माध्यम से प्रदेश में स्टार्टअप और उद्यमिता की संस्कृति को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं एवं आधुनिक नैदानिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे : आरती सिंह राव

स्पेशल हाई पॉवर्ड परचेज कमेटी ने 97 करोड़ रुपये की 117 महत्वपूर्ण और आवश्यक दवाओं की खरीद को दी स्वीकृति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण दवाओं एवं आधुनिक नैदानिक सुविधाओं (डायग्नोस्टिक फैसिलिटीज) की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे , इसके लिए आवश्यकता अनुसार दवाओं और मशीनों की खरीद की जा रही है।स्वास्थ्य मंत्री ने यह जानकारी स्पेशल हाई पॉवर्ड परचेज कमेटी की अध्यक्षता करने के बाद आज यहां दी। इस कमेटी की बैठक में 'हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड' के माध्यम से राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई प्रमुख खरीद प्रस्तावों

को मंजूरी दी गई। आरती सिंह राव ने बताया कि कमेटी ने राज्य भर के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 'हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड' के माध्यम से लगभग 97 करोड़ मूल्य की 117 महत्वपूर्ण और आवश्यक दवाओं की खरीद को स्वीकृति दी है। स्वीकृत दवाओं में इंजेक्टेबल दवाएं, एंटीबायोटिक्स, एंटीसाइकोटिक दवाएं, एंटीडायबिटिक दवाएं, कार्डियोवैस्कुलर दवाएं और विभिन्न बीमारियों के इलाज एवं प्रबंधन के लिए आवश्यक अन्य दवाएं शामिल हैं। इस खरीद के दौरान गुणवत्ता, लागत-प्रभावी क्षमता और समयबद्ध आपूर्ति पर विशेष जोर दिया जाएगा , जिससे सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में मरीजों को आवश्यक दवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें।

इसके अलावा, उन्नत रक्त जांच एवं नैदानिक क्षमताओं को मजबूत करने और मरीजों की सुरक्षा व देखभाल की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से कमेटी ने पीजीआईएमएस, रोहतक के ब्लड बैंक सेंटर के लिए लगभग 2.40 करोड़ रुपये की लागत से एक आईडी -एनएटी (ढ्ढष्ठ-ह्र्रञ्ज) पूरी तरह से स्वचालित प्रणाली की एकमुश्त खरीद को मंजूरी दी गई है। साथ ही, इमेजिंग सेवाओं के आधुनिकीकरण और सटीक व समय पर निदान की सुविधा के लिए पीजीआईएमएस, रोहतक के लिए दो वर्ष के रेट कॉन्ट्रैक्ट के तहत लगभग 2.20 करोड़ रुपये की लागत से एक डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम विथ फ्लोरोस्कोपी की मंजूरी भी दी गई। उन्होंने आगे बताया कि ज़िला स्तरीय नेत्र-देखभाल सेवाओं को मजबूत करने और विशिष्ट नेत्र-देखभाल जांच तक पहुंच में सुधार करने के लिए कमेटी ने हरियाणा के 22 जिला नागरिक अस्पतालों के लिए दो वर्ष के रेट कॉन्ट्रैक्ट के तहत ?6.62 करोड़ की अनुमानित लागत से 22 ऑप्टिकल कोहेरेंस टोनोमीटर की खरीद को हरी झंडी दी।

युवाओं को नशे, इमीग्रेशन एजेंट और गैंग से बचाने के लिए समाज के नागरिक दिखाएं अपनी भागीदारी :डा. सागर प्रीत

अक्टूबर माह में जींद जिला के प्रत्येक गांव में 80 जगहों पर बैठकें कर युवाओं व नागरिकों को किया जाएगा जागरूक

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। डीजीपी चंडीगढ़ डा. सागर प्रीत ने कहा कि युवाओं को नशे, इमीग्रेशन एजेंट और गैंग से बचाने के लिए समाज के लोगों को अपनी भागीदारी दिखानी होगी और युवाओं को पढ़ाई व खेलों के तरफ लेकर जाने की जरूरत है। अक्टूबर माह से जींद जिला के प्रत्येक गांव तक युवाओं को जागरूक करने के लिए 80 जगहों पर बैठकों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीणों को जागरूक करके गांव में ई-लाइब्रेरी, खेल मैदान तैयार करवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। डीजीपी चंडीगढ़ डा. सागर प्रीत देर सायं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड कार्यालय आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। डीजीपी चंडीगढ़ डा. सागर प्रीत का केडीबी कार्यालय में पहुंचने पर एडीसी वीरेंद्र चौधरी द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने युवाओं को जागरूक करने का बीड़ा उठाया है। प्रदेश में सबसे पहले जींद जिला की शुरूआत की जाएगी। जींद जिला को 80 हिस्सों में बांटा गया है। इनमें 5-5 गांवों को एक स्थान पर जोड़ा गया है। सभी गांवों से 5 नागरिकों को एक स्थान पर इकट्ठा करके समझाया जाएगा। युवाओं को आगे बढ़ने के लिए स्कील, संबंधित फील्ड की जानकारी विशेषज्ञों से उपलब्ध करवाई जाएगी। डीजीपी

डा. सागर प्रीत ने कहा कि सरकार के पास सरकारी नौकरी के पद सीमित है। उन पदों से ज्यादा युवाओं को सरकार द्वारा नौकरी नहीं दे सकती है। युवाओं के पास कॉलेज के बाद रोजगार नहीं हुआ और कोई स्कीम नहीं हुई तो वो बेरोजगारी में नशा की तरफ चले जाते हैं या पैसा की चाह में किसी गैंग को ज्वाइन कर लेते हैं। इससे युवा गलत दिशा में चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें युवाओं को समझाना होगा कि वो गलत दिशा में जाकर और शॉर्टकट तरीके से पैसा कमाने की ना सोचें। लीगल तरीके से चलकर आगे बढ़ाना ही सही होगा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा-पंजाब के ज्यादातर युवा विदेश जाने की चाह में इमीग्रेशन एजेंटों के जालों में फंस जाते हैं। ये एजेंट इन्हें डोंकी रुट के माध्यम से भेजकर परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और कानून एक दायरे तक अपनी कार्रवाई कर पाते हैं। इस व्यवस्था को पूरी तरह रोकने के लिए सामाजिक भागीदारी जरूरी है। समाज के पढ़े लिखे नागरिकों का दायित्व बनता है कि वो युवाओं को मिसगाइड व चिट से बचाया जा सके। डीजीपी डा. सागर प्रीत ने कहा कि युवाओं को विदेश जाने के लिए खुद प्रयास करना चाहिए। वो जब पासपोर्ट बनवाएं तो ऑनलाइन आवेदन खुद कर सकते हैं, जिसकी प्रक्रिया बहुत ही सरल है। इसके बाद वीजा लगवाने के लिए एंबेसी से संपर्क करना चाहिए।

अधिकारी सभी शिकायत पोर्टलों को गंभीरता से लें : नवनियुक्त उपायुक्त सतबीर सिंह

एजेंसी

रोहतक। नवनियुक्त उपायुक्त सतबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सभी शिकायत पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटायें। उन्होंने कहा कि अधिकारी आगामी सोमवार तक समाधान शिविर, जनसंवाद, सीपीग्राम्स व सीएम विंडो इत्यादि पोर्टलों पर निपटाई गई शिकायतों की कार्रवाई रिपोर्ट अपलोड करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त सतबीर सिंह पदभार ग्रहण करने के उपरांत स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की जनकल्याणकारी सोच के मद्देनजर सभी अधिकारी नागरिकों की समस्याओं को सुने तथा यथाशीघ्र इन समस्याओं का उचित निपटारा करवाये। अधिकारी नागरिकों के साथ निरंतर संवाद करें तथा उन्हें विभागीय कार्यवाही से संतुष्ट करें। सतबीर सिंह ने कहा कि जिला में केंद्र व प्रदेश सरकार की विकास परियोजनाओं की गति को बढ़ाये तथा समाधान शिविरों की शिकायतों का समयबद्ध निपटारा करवाये। प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में समाधान शिविर एवं अन्य शिकायत पोर्टल काफी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा समय-समय पर शिकायत पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों के निपटारे की स्वयं समीक्षा की जा रही है। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने उपायुक्त सतबीर सिंह का बैठक में अभिनंदन किया तथा समाधान समीक्षा बैठक की जानकारी दी।

अमेरिका कनाडा के 20 अरब डॉलर के आयात पर लगाएगा 50 फीसदी शुल्क

करीबी सहयोगी देशों के संबंध और बिगड़ेंगे

वाशिंगटन ।

अमेरिका ने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता असफल होने के बाद उससे आयात किए जाने वाले 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर शनिवार से 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इस कदम से ऐतिहासिक रूप से करीबी सहयोगी रहे दोनों देशों के पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास आने की आशंका है। एक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने बताया कि कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में जिन शर्तों पर सहमति बनी थी, उनके आधार पर व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। ग्रीर ने कनाडा पर नई मांगें रखने और कुछ पुरानी प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का आरोप लगाया, जिससे पिछले कुछ दिनों में बनी सहमति का संतुलन बिगड़ गया। इसके जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका की ओर से प्रस्तावित शर्तों में अंतिम समय में किए गए बदलावों को अनुचित और आर्थिक रूप से अव्यावहारिक बताया। उन्होंने कहा कि ये बदलाव किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं। प्रस्तावित आयात शुल्क कनाडा से हर साल अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान के लगभग पांच प्रतिशत (880 अरब में से 20 अरब डॉलर) पर पड़ेगा, जिसमें हॉकी स्टिक से लेकर टंग डिप्रेसर जैसे उत्पाद शामिल हैं। हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक प्रभाव से कहीं अधिक होने की संभावना है। ये शुल्क पहले बुधवार को लागू होने थे, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समयसीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद, दोनों देश तय समय के भीतर किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

वैश्विक दबाव में रहा बाजार- कच्चे तेल और भू-राजनीतिक तनाव ने बढ़ाई अनिश्चितता

हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा

मुंबई ।

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को उतार-चढ़ाव भरे माहौल का सामना करना पड़ा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें शुरुआती दिनों में बाजार पर हावी रहीं, जिससे प्रमुख सूचकांकों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा। कच्चे तेल और भू-राजनीतिक दबाव (सोमवार से बुधवार) हफ्ते की शुरुआत निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। सोमवार को भारतीय बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई, जहां सेंसेक्स 281.09 अंक गिरकर 77,728.16 पर और निफ्टी 78.35 अंक गिरकर 24,287.65 पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा] सेंसेक्स 492.70 अंक गिरकर 77,235.46 पर और निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 के स्तर पर आ गया। बुधवार को भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बाजार में और कमजोरी आई। सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर

76,909.68 पर और निफ्टी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ। इस तरह सेंसेक्स में चार दिनों में कुल 1,170.28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ने लगातार सात दिनों तक नुकसान झेला। लंबी गिरावट के बाद गुरुवार को निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटी। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और शॉर्ट-कवरिंग के चलते बाजार ने जोरदार वापसी की। निफ्टी ने लगातार सात दिनों की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 24,200 का स्तर पार किया।

आईआईटी हैदराबाद में स्थापित होगा जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र

उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा

नई दिल्ली ।

जिंदल स्टील (जेएसपीएल) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद ने देश के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और रणनीतिक औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नत इस्पात समाधानों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया है। इस महत्वपूर्ण साझेदारी के तहत आईआईटी हैदराबाद परिसर में एक जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिसका लक्ष्य उच्च क्षमता और लागत-दक्षता वाले इस्पात उत्पादों का विकास और प्रचार करना है। यह उत्कृष्टता केंद्र विशेष रूप से उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य डिजाइनरों, सलाहकारों, इंजीनियरों, ईपीसी कंपनियों और उपकरण निर्माताओं के साथ मिलकर उन्नत इस्पात ग्रेड के उपयोग की संभावनाओं को पहचानना और उन्हें बढ़ावा देना है। जिंदल स्टील के एक अे धिकारी ने बताया कि यह साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और औद्योगिक क्षेत्रों में उच्च क्षमता और लागत-प्रभावी इस्पात के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जोर दिया कि आईआईटी हैदराबाद की तकनीकी क्षमता और जिंदल स्टील की विनिर्माण, धातुकर्म तथा इंजीनियरिंग विशेषज्ञता को मिलाकर यह केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत, हल्के, तेज और अधिक दक्ष इस्पात समाधान विकसित करेगा।

तनाव के बावजूद भारत पर चीनी मोबाइल ब्रांडों की भारी निर्भरता

- रिपोर्ट के मुता बिक चीन के बाहर भारत इनका सबसे बड़ा बाजार, उत्पादन बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली ।

भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद चीनी मोबाइल ब्रांड भारतीय बाजार पर अपनी भारी निर्भरता बनाए हुए हैं। चीन के बाहर भारत उनके लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वीवो, ओप्पो और रियलमी जैसे प्रमुख ब्रांडों के वैश्विक निर्यात में भारत का महत्वपूर्ण योगदान है, जिसने उन्हें यहां स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में वीवो के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 34 फीसदी था। यह ब्रांड भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन है, जिसने 2026 की दूसरी तिमाही में कुल बाजार का 18 फीसदी हिस्सा हासिल किया। अब वीवो, डिक्सन टेक्नॉलजीज के साथ संयुक्त उपक्रम के जरिये भारत में अपने स्मार्टफोन उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दे रही है। वीवो जैसी ही कहानी अन्य चीनी ब्रांडों की भी है। 2025 में ओप्पो के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 23 फीसदी, रियलमी के लिए 35 फीसदी और वनप्लस के लिए 32 फीसदी तक पहुंच गया था। ये चारों ब्रांड (वीवो, ओप्पो, रियलमी और वनप्लस) चीन की दिग्गज कंपनी बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स के स्वामित्व में हैं। मोटोरोला, जिसका नियंत्रण अब चीनी कंपनी लेनोवो के पास है, के लिए भी भारत उसके वैश्विक निर्यात में 20 फीसदी का योगदान देता है और कंपनी भारत में असेंबल किए गए फोन सीधे तौर पर अमेरिका को निर्यात कर रही है। लंदन मुख्यालय वाली स्मार्टफोन निर्माता नथिंग के वैश्विक निर्यात में तो भारत की हिस्सेदारी 71 फीसदी हो गई है। ओएमडीआईए के विश्लेषक संयम चौरसिया के अनुसार, श्याओमी को छोड़कर ज्यादातर चीनी ब्रांड वैश्विक स्तर पर उतने मजबूत नहीं हैं, और चीन के बाद भारत उनके लिए दूसरा सबसे अहम और बड़ा बाजार है, जो उनकी व्यावसायिक सफलता के लिए अपरिहार्य है।

मेटा के एआई कंटेंट मॉडरेशन पर सरकार की चिंता, मानव समीक्षा की वकालत

बिना मानव हस्तक्षेप के एआई द्वारा सामग्री हटाने पर आपत्ति, खालिस्तान मामले का दिया उदाहरण

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मेटा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, खासकर उसमें मानव समीक्षकों की अनुपस्थिति को लेकर। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हाल ही में मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कंपनी से ऐसे सिस्टम बनाने को कहा है जो सिर्फ एआई इंजन के फैसलों के आधार पर उपयोगकर्ताओं की सामग्री न हटाएं।

आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस और प्रॉगफिन पर लगाया लाखों का जुर्माना

निदेशक नियुक्ति, केवायसी और जोखिम वर्गीकरण नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियमों और निर्देशों का पालन न करने के कारण श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन और प्रॉगफिन पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। आरबीआई के अनुसार श्रीराम फाइनेंस पर 8.10 लाख रुपये और प्रॉगफिन पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो वित्तीय नियमों के अनुपालन में गंभीरता को दर्शाता है। आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस पर निदेशक की नियुक्ति करते समय केंद्रीय बैंक से पूर्व लिखित अनुमति न लेने के लिए जुर्माना लगाया, जिसके कारण प्रबंधन में बदलाव हुआ। इसके अतिरिक्त, कंपनी ग्राहकों को कम, मध्यम और उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में वर्गीकृत करने की प्रणाली बनाने में विफल रही और कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकॉर्ड को निर्धारित समय-सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉड्र्स रजिस्ट्री में अपलोड नहीं कर पाई। वहीं प्रॉगफिन पर खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था (जो नियमों के अनुसार हर छह महीने में एक बार अनिवार्य है) लागू करने में विफल रहने के कारण जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई वित्तीय संस्थाओं के लिए सख्त नियामक अनुपालन के महत्व को रेखांकित करती है।

चीनी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि अनुचित, जमाखोरों पर होगी कार्रवाई- सरकार

इथेनॉल उत्पादन को कीमत वृद्धि का कारण बताने से सरकार का इनकार

नई दिल्ली

सरकार ने चीनी की कीमतों में हालिया बेतहाशा वृद्धि को पूरी तरह अनुचित करार देते हुए उन दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग से कीमतों में उछाल आया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है, और बढ़ती कीमतें उद्योग की जमाखोरी का परिणाम हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि घरेलू मांग पूरी होने के बावजूद चीनी उद्योग द्वारा कीमतों में तेज वृद्धि अनुचित है। उन्होंने राज्यों को चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार ने एहतियाती कदम के तौर पर 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है, साथ ही थोक उपभोक्ताओं पर 1 सितंबर से 15 दिन की खपत से अधिक चीनी के भंडारण पर रोक लगाई है।

चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है। 2025-26 विपणन सत्र में उत्पादन अनुमान 343 लाख टन से

घटकर 306 लाख टन रह जाने के बावजूद, सालाना घरेलू मांग 280-285 लाख टन की तुलना में यह पर्याप्त है। उन्होंने इस तीव्र मूल्य वृद्धि को अनुचित बताया, जिसमें खुदरा कीमतें 48 से 56 रुपये और मिल-स्तर पर 47-48 से 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए केवल 28 लाख टन चीनी का उपयोग हुआ है, जिसका अधिकांश हिस्सा अब मक्के से बनता है, अतः कीमत वृद्धि का कोई वास्तविक कारण नहीं है।

सरकार को उम्मीद है कि इन कदमों से त्योहारी मौसम में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

राशन वितरण में आएगा बदलाव, डिजिटल रुपया रोकेगा धोखाधड़ी

रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में धोखाधड़ी और सब्सिडी लीकेज पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की खाद्य सब्सिडी अब सीधे लाभार्थियों के केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित डिजिटल रुपया वॉलेट में हस्तांतरित की जाएगी। यह कदम देशभर में लगभग 78.85 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह वितरित होने वाले 19,000 करोड़ रुपये के खाद्यान्न में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। यह उद्देश्य-आधारित डिजिटल सब्सिडी लाभार्थियों को सूचीबद्ध दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने की सुविधा देगी। वे एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र का उपयोग कर सकेंगे। रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी। स्मार्टफोन उपयोगकर्ता क्यूआर कोड से, जबकि साधारण मोबाइल वाले ओटीपी-आधारित वाउचर से भुगतान कर सकेंगे। अप्रयुक्त कूपन स्वतः सरकारी खाते में लौट जाएंगे, जिससे फर्जी एंट्री की संभावना समाप्त होगी और राशन डीलर द्वारा कालाबाजारी पर लगाम लगेगी। गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में सफल परीक्षण के बाद, इस सीबीडीसी आधारित प्रत्यक्ष

लाभ अंतरण योजना को अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित सात और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने की तैयारी है। यह पहल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश में खाद्यान्न वितरण को अधिक कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

परमाणु ऊर्जा उद्योग ने मांगा पारदर्शी शुल्क ढांचा

निजी भागीदारी के बाद उठाई समान अवसर की मांग

नई दिल्ली ।

परमाणु ऊर्जा उद्योग ने केंद्र सरकार से एक पारदर्शी और पूर्वानुमानित शुल्क ढांचे की मांग की है, ताकि विनिर्माताओं के मुनाफे और प्रतिस्पर्द्धी कीमतों के बीच संतुलन बनाया जा सके। 'भारत के रूपांतरण हेतु परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन एवं विकास विधेयक (शांति) अधिनियम, 2025' के पारित होने के बाद इस क्षेत्र में निजी भागीदारी को हरी झंडी मिल चुकी है। अब उद्योग ने सरकार से यह भी अपील की है कि परमाणु ऊर्जा को बिजली के अन्य स्त्रोतों के साथ बराबरी पर लाने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं। लार्सन ऐंड टुब्रो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि आर्थिक रूप से फायदेमंद होने के लिए शुल्क बाजार दरों के अनुरूप होने चाहिए और बिजली की अधिकतम समतूल्य लागत 8 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जहां भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम (एनपीसीआईएल) की स्वदेशी तकनीक में औसत शुल्क लगभग 4 रुपये प्रति यूनिट है, वहीं विदेशी तकनीक अधिक महंगी है। परब ने सुझाव दिया कि स्थानीय सामग्री को 100 फीसदी तक बढ़ाने और तकनीकी फीस को 6 से 10 रिएक्टरों में विभाजित करने से विदेशी तकनीक भी फायदेमंद हो सकती है।

प्रधानमंत्री से मिले 20 स्पेस स्टार्टअप के सीईओ, निजी अंतरिक्ष क्षेत्र बढ़ाने पर दिया जोर

वैश्विक प्रतिभा और निवेश आकर्षित करने की संभावना, कृषि-पर्यावरण में नए प्रयोगों पर जोर

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित सेवा तीर्थ में देश के 20 अग्रणी स्वदेशी अंतरिक्ष स्टार्टअप के संस्थापकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने निजी क्षेत्र के नवाचार और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की, जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सरकार के मजबूत समर्थन को रेखांकित करती है। मोदी ने इन उद्यमियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की उपलब्धियां अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलने के सरकार के दृष्टिकोण को सही ठहराती हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र का तीव्र विकास वैश्विक प्रतिभाओं, कंपनियों और निवेश को आकर्षित करने की अपार संभावनाएँ पैदा कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और आईएन-स्पेस के अध्यक्ष पवन गोयनका भी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित थे। इन स्टार्टअप्स में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस सहित कई प्रमुख कंपनियां शामिल थीं, जो रॉकेट, उपग्रह, एविओनिक्स, उन्नत प्रणोदन और अंतरिक्ष मलबे को हटाने जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के साथ अपनी प्रगति, दृष्टिकोण और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। उन्होंने सरकारी समर्थन और उद्योग के भीतर बढ़ते सहयोग की विशेष रूप से सराहना की। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप से अपनी प्रौद्योगिकियों के नए अनुप्रयोगों, विशेषकर कृषि और पर्यावरण से जुड़े क्षेत्रों में, का पता लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने युवा छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स के साथ जुड़ाव को और गहरा करने की भी बात कही।

त्योहारी सीजन में चीनी का कड़वा वार, कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

एक महीने में 20 फीसदी का उछाल, इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का डायवर्जन

नई दिन्ली।

त्योहारों से ठीक पहले चीनी के दामों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें 20 फीसदी बढ़कर 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इसका मुख्य कारण इथेनॉल उत्पादन में गन्ने का अधिक इस्तेमाल बताया जा रहा है, जिसने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। भारत में चीनी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिसने त्योहारों के मौसम में आम उपभोक्ता को मुश्किल में डाल दिया है। एक महीने पहले 48.18 रुपए प्रति किलो मिलने वाली चीनी अब खुदरा बाजारों में 65 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब देश में गन्ने की पर्याप्त पैदावार है और सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चीनी के निर्यात पर भी रोक लगा रखी है। बावजूद इसके दामों का बढ़ना बाजार के एक अजीब संकट की ओर इशारा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट की मुख्य वजह इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने का बढ़ता उपयोग है। इथेनॉल कार्यक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा के

लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चीनी की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। पंजाब में चीनी 65 रुपये प्रति किलो बिक रही है, जबकि मुंबई और भोपाल जैसे शहरों में भी कीमतें 58-63 रुपये प्रति किलो के बीच हैं। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों के आने से चीनी की मांग में तेज़ी आएगी, जिससे सरकार के सामने कीमतों को नियंत्रण में रखने और महंगाई को बढ़ने से रोकने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

मोबाइल विनिर्माण को 62,500 करोड़ का बूस्टर, केंद्र ने नई प्रोत्साहन योजना शुरू की

निर्माताओं को 2.5 से 5 फीसदी तक मिलेगा इंसेंटिव, घरेलू पुर्जों की खरीद पर अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश में मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारतीय ब्रांडों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी नई योजना की घोषणा की है। मोबाइल फोन निर्माण योजना (स्क्रूस्) नामक इस पहल के तहत, सरकार अगले पांच वित्तीय वर्षों (2027 से 2031) के लिए 62,500 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन देगी, जिसका लक्ष्य घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना और निर्यात को गति देना है। यह योजना भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस योजना में मोबाइल फोन निर्माताओं को उनके पात्र उत्पादन पर 2.5 प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत तक का इंसेंटिव दिया जाएगा। इसके साथ ही, भारत में प्रमुख पुर्जों और सब-असेंबली की घरेलू खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे न केवल देश में विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार होगा, बल्कि एक मजबूत स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला भी विकसित होगी।

योजना को दो मुख्य लक्षित खंडों में बांटा गया है- पहला, मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देना और दूसरा, भारतीय मोबाइल फोन ब्रांडों को मजबूत करना। इंसेंटिव प्राप्त करने के लिए आवेदन करने वाली कंपनियों, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण सेवा कंपनियां भी शामिल हैं, का भारत में पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2026 में उनका कारोबार कम से कम 10,000 करोड़ रुपये होना जरूरी है। यह योजना पिछली सफल नीतिगत पहलों की निरंतरता है, जिनके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2015 के बाद से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में सात गुना और निर्यात में 11 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

पहले सेगमेंट में पात्र बिक्री पर इंसेंटिव की दर धीरे-धीरे कम होगी, जो वित्त वर्ष 2027 और 2028 में 2.75 प्रतिशत, 2029 और 2030 में 2.5 प्रतिशत, और 2031 में 2.25 प्रतिशत रहेगी। वहीं दूसरे सेगमेंट, जिसका लक्ष्य भारतीय ब्रांडों को सशक्त करना है, में अधिक इंसेंटिव मिलेगा। यह पहले दो साल में 5 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2029 और 2030 में 4.5 प्रतिशत, और वित्त वर्ष 2031 में 4 प्रतिशत होगा। अतिरिक्त इंसेंटिव के लिए डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल, एनक्लोजर, बैटरी और यूएसबी केबल व कनेक्टर जैसे मुख्य पुर्जे शामिल हैं।

ऑटो सेक्टर में उत्सव का माहौल, चुनौतियों से इनकार नहीं

त्योहारी सीजन से पहले रिकॉर्ड बुकिंग, ऑटो कंपनियों ने बढ़ाया उत्पादन

नई दिल्ली

देश का यात्री वाहन उद्योग त्योहारी सीजन के लिए कमर कस चुका है। रिकॉर्ड बुकिंग और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विनिर्माता उत्पादन बढ़ा रहे हैं, डीलरों के पास स्टॉक जमा कर रहे हैं और नए मॉडल उतारने की तैयारी में हैं। हालांकि, इस उत्साह के बीच कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का डर सता रहा है, जिसकी वजह पिछले साल के जीएसटी लागू होने के बाद की उच्च बिक्री तुलना है। कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और डीलरों के पास बढ़ता स्टॉक भी अतिरिक्त जोखिम पैदा कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में 74.3 प्रतिशत डीलरों को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद है, जो जुलाई से पहले के 51.24 प्रतिशत से काफी अधिक है। त्योहारी सीजन के लिए तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है, और यात्री वाहनों के 53.57 प्रतिशत डीलरों ने बुकिंग में बढ़ोतरी दर्ज की है। आपूर्ति की रुकावटों को दूर कर और नए मॉडल लाने की तैयारी कर कंपनियां इस मांग को भुनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सांख्यिकीय आंकड़े भी इस तेजी की पुष्टि करते हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) के अनुसार; जुलाई में यात्री वाहनों का उत्पादन सालाना आधार पर 26.4 प्रतिशत बढ़कर 5,05,520 इकाई हो गया, जबकि थोक आपूर्ति 34.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,57,810 वाहनों तक पहुंच गई। अप्रैल-जून तिमाही में भी उत्पादन और थोक आपूर्ति में क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 25.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। खुदरा बिक्री भी मजबूत बनी हुई है; फाडा के अनुसार, जुलाई में खुदरा पंजीकरण में 19.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, थोक आपूर्ति में खुदरा बिक्री की तुलना में तेजी से हुई बढ़ोतरी से पता चलता है कि यह बढ़त त्योहारों के लिए स्टॉक जमा करने की वजह से है। डीलरों के पास मौजूदा स्टॉक फाडा के सुझाए गए 21 दिनों के मुकाबले बढ़कर 33 से 35 दिन तक पहुंच गया है, जिसमें आधे से अधिक डीलरों ने उच्च स्टॉक की सूचना दी है। फाडा ने आगाह किया है कि अगस्त और सितंबर में वृद्धि का श्रेय कम आधार प्रभाव को जाएगा, क्योंकि पिछले साल जीएसटी 2.0 से पहले खरीदारों ने खरीद टाल दी थी। दीवाली और धनतेरस का नवंबर में पड़ना इस साल अक्टूबर की तुलना को और जटिल बनाएगा, जिससे थोक बिक्री के बजाय खुदरा बिक्री ही उद्योग के लिए असली कसौटी होगी।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदलेः भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

ललित गर्ग

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर 'भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा' है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनसंर्तुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है।

फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

मिठास की खटास

हाल के दिनों में बाजारों में चीनी की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। वहीं चीनी की कालाबाजारी की आशंका के मद्देनजर सरकार ने इसकी बिक्री का नियमन भी किया है। साथ ही सरकार ने बिना टैक्स दस लाख टन कच्ची चीनी के आयात की इजाजत देने का भी फैसला किया है। लेकिन सरकार का यह फैसला शायद ही बढ़ती कीमतों का जवाब हो। निस्संदेह, यह परिदृश्य सरकार के लिये उसकी महत्वाकांक्षी इथेनॉल नीति की असलियत को समझने का एक अवसर भी है। पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाने के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह,यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दशार्ता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है,वहीं गन्ना किसानों के लिये कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों के जरिये। इसके बावजूद राजग सरकार की इस रचनात्मक पहल की कुछ बुनियादी खामियां भी हमारे सामने उजागर हुई हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि गन्ना भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत करने वाली फसलों में से एक है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल के उत्पादन के लिये गन्ने का इस्तेमाल ऐसे समय में शुरू हुआ है जब देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में शुमार महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैदावार खराब मौसम और गन्ने की फसल पर लगी बीमारियों के चलते कमजोर रही है। यह भी एक वजह है कि गन्ना आपूर्ति में आई कमी के चलते भी हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में तेजी देखी गई है। जिसके चलते सरकार को चीनी का निर्यात रोकना पड़ा है। इतना ही नहीं, सरकार को आसन्न त्योहारी मौसम को देखते हुए अब कच्ची चीनी के आयात को अनुमति देनी पड़ी है।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

शिक्षा के मंदिर में भरोसे का संकटः स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती।

शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं—उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना कि 'बच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?' पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके?

ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है।

इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है।

विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए POCSO Act, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है। किसी गंभीर शिकायत को केवल 'विद्यालय का आंतरिक मामला' मानकर दबा देना उचित नहीं है। मामले की प्रकृति के अनुसार सक्षम अधिकारियों को सूचना और सहयोग देना आवश्यक हो सकता है। कानूनी प्रक्रिया का उद्देश्य केवल आरोपी को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना भी है। समाज में आज भी कई बार ऐसी घटनाओं के बाद सवाल बच्ची के व्यवहार, कपड़े, समय, दोस्ती या सोशल मीडिया गतिविधियों पर उठाए जाते हैं। यह सोच गलत और नुकसानदायक है। किसी बच्ची का पहनावा, उसकी बातचीत या उसका किसी शिक्षक पर विश्वास किसी वयस्क को अनुचित व्यवहार का अधिकार नहीं देता। जिम्मेदारी उस व्यक्ति की है जो अपनी स्थिति, उम्र और अधिकार का दुरुपयोग करता है। बच्चियों को सुरक्षा के नाम पर डराने के बजाय उन्हें आत्मविश्वास देना होगा। उन्हें यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें असहज करता है तो वे बिना शर्म और भय के अपनी बात कह सकती हैं।

अधिकांश शिक्षक पूरी ईमानदारी और समर्पण से बच्चों का भविष्य बनाते हैं। इसलिए कुछ लोगों के कथित या सिद्ध गलत आचरण का दाग पूरे शिक्षक समुदाय पर लगाना उचित नहीं है। लेकिन इसी कारण शिक्षकों के पेशेवर आचरण की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। शिक्षक के पास बच्चों के साथ लगातार संपर्क होता है। इसलिए उसे सीमाओं और पेशेवर मयार्दाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। व्यक्तिगत संदेश, अनुचित टिप्पणी, अनावश्यक शारीरिक संपर्क या एकांत में बुलाने जैसी स्थितियों को लेकर विद्यालयों में स्पष्ट नियम होने चाहिए। शिक्षक का व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिसमें सम्मान, समानता और सुरक्षा की भावना दिखाई दे।

विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का यौन या अनुचित व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। लेकिन 'जीरो टॉलरेंस' का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि बिना जांच किसी पर कार्रवाई कर दी जाए। इसका सही अर्थ है—हर शिकायत को गंभीरता से लेना, निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाना, बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करना और जांच के निष्कर्ष के आधार पर उचित कार्रवाई करना। शिकायत मिलने पर विद्यालय को आरोपी शिक्षक और छात्रा के बीच ऐसी परिस्थितियों को रोकना चाहिए जिनसे बच्ची पर दबाव पड़े या उसकी सुरक्षा प्रभावित हो। जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने, गवाहों को डराने या शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने जैसी किसी भी कोशिश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। अभिभावकों को भी बच्चों के साथ संवाद का वातावरण बनाना होगा। यदि बच्चा किसी शिक्षक या अन्य व्यक्ति के व्यवहार को लेकर असहज महसूस करता है तो उसकी बात बीच में काटने के बजाय ध्यान से सुनना चाहिए।

जिनपिंग की भारत यात्रा- बॉर्डर पर तैनाती और निगरानी बढ़ाने का समय आ गया

संतोष कुमार पाठक

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। भारत यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। जिनपिंग इससे पहले वर्ष 2019 में शिखर वार्ता के लिए भारत आएं थे। चीनी राष्ट्रपति के भारत यात्रा के दौरान जाहिर तौर पर दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर भी बातचीत होगी। हाल के दिनों में भारत चीन सीमा पर खासकर अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो खबरें आ रही है, उसने पूरे देश को चिंतित कर दिया है। बदले माहौल में अब भारत की कोई भी सरकार सिर्फ शांति और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर पड़ोसी देश की इस तरह की नापाक हरकतों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकती है। ऐसे में नई दिल्ली में स्वागत की तैयारियों से भी ज्यादा जरूरी हो जाता है भारत-चीन सीमा पर सैनिकों को पूरे साजो-सामान के साथ 24 घंटे रेडी मोड में रखना। चीन का इतिहास भी यही बताता है कि भारत को अब और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

भारत-चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। लेकिन चीन इसके बिल्कुल उल्टा करता है। चीन का इतिहास यह बताता है कि भारत की तरफ से संबंध सुधारने के लिए जब भी शीर्ष स्तर पर कोई नेता चीन जाता है या फिर भारत के निमंत्रण पर जब भी चीन से कोई शीर्ष नेता भारत आता है तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और राजनयिक शिष्टाचार को पूरी तरह से धत्ता बताते हुए चीन की सेना सीमा पर खुराफात शुरू कर देती है। एक तरफ शीर्ष स्तर पर बातचीत, शांति और व्यापारिक संबंधों के ढोल बज रहे होते हैं तो वहीं दूसरी तरफ चीन की सेना भारत के क्षेत्र में जबरदस्ती घुसपैठ करने और भारतीय सेना से लड़ती-भिड़ती नजर आती है। आपको बता दें कि, चीन की सेना पाकिस्तानी सेना की तरह बेलगाम नहीं है यानी चीन की सेना जो कुछ भी करती है वह राष्ट्रपति की मंजूरी से ही करती है।

वैसे तो शीर्ष स्तर पर यात्राओं के दौरान चीन की इस तरह की हरकतों का लंबा इतिहास रहा है। लेकिन आपके सामने कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को उदाहरण के तौर पर रख देते हैं।

वर्ष 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान ही चीनी सेना की एक टुकड़ी ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के असफीला इलाके में छअउ पार करके भारतीय सीमा में न केवल घुसपैठ किया था बल्कि भारतीय सैनिकों की एक छोटी सी टुकड़ी से उनके हथियार तक छीन लिए थे। चीनी सेना ने इससे भी बड़ी नापाक हरकत वर्ष 2013 में अपने ही प्रधानमंत्री ली केकियांग के भारत दौरे से पहले की थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान वर्ष 2013 में चीनी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से पहले ढछअ यानी चीनी सेना पूर्वी लद्दाख (भारतीय क्षेत्र) में 19 किलोमीटर तक न केवल अंदर घुस आई थी बल्कि वहां तंबू लगाकर कब्जा भी कर लिया था। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने आ गई थी और लगभग 20 दिनों तक यह गतिरोध बना रहा था।

नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत यात्रा पर आएं। जिनपिंग के भारत पहुंचने से महज कुछ घंटे पहले ही चीन की सेना ने लद्दाख में घुसपैठ कर, अवैध तरीके से सड़क बनाना शुरू कर दिया। यहां भी दोनों देशों की सेनाएं लगभग दो सप्ताह तक आमने-सामने खड़ी रहीं। इस तरह के अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं जब भारत और चीन के शीर्ष नेता बातचीत कर रहे थे या बातचीत करने की तैयारी कर रहे थे, ठीक उसी समय चीन की सेना नापाक हरकतें कर रही थी।

ऐसे में बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या चीन सितंबर के महीने में बॉर्डर पर फिर से कोई बड़ी खुराफात करने की योजना तो नहीं बना रहा है ? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि भारत में 12-13 सितंबर को 18वां ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के राष्ट्रपति के भी इस सम्मेलन में आने की तैयारियां चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्र यह बता रहे हैं कि जिनपिंग के दौरे की अभी आधिकारिक तौर पर औपचारिक सूचना भले ही न मिली हो लेकिन एडवांस टीमों के दौरे और बाकी तैयारियों से यह लग रहा है कि वह भारत आ सकते हैं।

अगर ऐसा है तो भारत और चीन की सीमा पर चौकसी को और ज्यादा बढ़ाने का समय आ गया है। बॉर्डर से लगती भारत की हर चौकी पर सेना को पूरी ताकत और साजो-सामान के साथ तैनात करना पड़ेगा। वहां पर संचार के साधन और बिजली की उपलब्धता को हर हाल में सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था करनी होगी। रिजर्व फौज को भी तैयार रखना होगा ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। दोनों देशों के बीच सीमा पर हथियार नहीं चलाने का समझौता हो रखा है तो ऐसे में जाहिर तौर पर लड़ने के लिए अलग तरह की तैयारियां तो करनी ही पड़ेगी। इस तरह के हालात में सैन्य साजो-सामान, हथियार, बेहतर संचार के साधन, 24 घंटे बिजली की उपलब्धता, बेहतर सड़क और खाने-पीने के सामानों की भरपूर उपलब्धता के साथ ही बड़ी-बड़ी नुकीले कील लगे डंडे की भी जरूरत पड़ती है। सबसे जरूरी बात यह है कि नई दिल्ली की तरफ से इनके पास स्पष्ट ऑर्डर होना चाहिए कि चीनी सेना की नापाक हरकतों का जवाब कैसे और किस हद तक जाकर देना है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के अलास्का में चार्टर विमान हुआ क्रैश, दो पायलटों समेत आठ की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में हुए एक बड़े विमान हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। पश्चिमी अलास्का में चार्टर विमान क्रैश हो गया और उसमें सवार दो पायलटों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की सेना ने सभी आठों लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। एक संघीय अधिकारी ने बताया कि विमान उड़ान भरने के बाद पश्चिमी अलास्का के रिमोट इलाके में रडार से गायब हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर विमान ने एंकरेज इलाके से उड़ान भरी थी और गुरुवार दोपहर में वह केप न्यूनहैम इलाके में रडार से गायब हो गया। इसके बाद राहत और बचाव दल विमान की तलाश में जुटा। अब अमेरिकी सेना ने विमान के क्रैश होने की पुष्टि कर दी है और बताया कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने बयान जारी कर मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की है।

टेक दिग्गज अपने बच्चों को सोशल मीडिया से क्यों रखते हैं दूर, दूसरों पर क्या हो रहा असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया और डिजिटल तकनीक ने हमारी जिंदगी को आसान और तेज बनाया है। लेकिन इस तकनीक की दुनिया के बड़े नाम अपने बच्चों के मामले में इसके इस्तेमाल को सीमित रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन लोगों ने डिजिटल दुनिया को इतना बड़ा बनाया, वे अपने बच्चों को इससे क्यों दूर रखना चाहते हैं क्या सोशल मीडिया बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को प्रभावित कर रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े क्या कहते हैं दुनिया के कई देश बच्चों के लिए सोशल मीडिया की उम्र सीमा तय करने की ओर क्यों बढ़ रहे हैं इन प्लेटफॉर्मस पर कब-कब ऐसे मामले देखने को मिले हैं भारत इस दिशा में क्या कर रहा है मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि उनके बच्चे लंबे समय तक टीवी या कंप्यूटर के सामने बैठे रहें। उनके अनुसार लोगों के साथ बातचीत करना अच्छी बात है, लेकिन लगातार एक वीडियो से दूसरे वीडियो पर जाना उतना सकारात्मक नहीं है।

ईरान के ड्रोन हमलों के बीच अमेरिका का बड़ा फैसला, क्यों बंद की यूरोप की अहम यूनिट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने यूरोप में ड्रोन युद्ध की तकनीक पर काम कर रही अपनी एक विशेष यूनिट को बंद करने का फैसला किया है। यह यूनिट पिछले करीब एक साल से ड्रोन बनाने, उनका इस्तेमाल करने और युद्ध के दौरान ड्रोन से लड़ने की रणनीति पर प्रयोग कर रही थी। अब इसे दोबारा एक पारंपरिक एयरबोर्न इन्फैंट्री बटालियन के रूप में काम करने का निर्देश दिया गया है। यह यूनिट इटली और जर्मनी में तैनात 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड का हिस्सा है। पिछले साल नवंबर में करीब 600 सैनिकों की एक बटालियन को विशेष रूप से ड्रोन युद्ध के लिए तैयार किया गया था। इसका उद्देश्य ऐसी तकनीक और रणनीति विकसित करना था, जिसे जरूरत पड़ने पर किसी भी युद्ध क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिकी सेना ने यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध में ड्रोन के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से सीख लेने के लिए यह प्रयोग शुरू किया था। यूक्रेन ने युद्ध में कम लागत वाले ड्रोन, खासकर ड्रोन, का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड के सैनिक इटली में एक विशेष ड्रोन लैब में अपने हमलावर ड्रोन भी तैयार कर रहे थे। सेना के मुताबिक, सैनिक ड्रोन के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऐसे ड्रोन विकसित करने पर भी काम कर रहे थे, जिन्हें दुश्मन की जैमिंग तकनीक से बचाया जा सके। अमेरिकी सेना के अधिकारियों के मुताबिक, विशेष ड्रोन यूनिट इस महीने और अगले महीने जर्मनी में होने वाले दो बड़े सैन्य अभ्यासों के बाद अपना प्रयोगात्मक काम पूरा करेगी। इसके बाद यूनिट की ओर से पिछले एक साल में हासिल की गई जानकारी और अनुभव सेना को सौंपा जाएगा। सेना का कहना है कि इन अनुभवों का इस्तेमाल भविष्य में सैनिकों की तैनाती, सैन्य ढांचे और ड्रोन से जुड़ी नई तकनीक के विकास की योजना बनाने में किया जाएगा। इस फैसले की खास बात यह है कि अमेरिकी सेना के लिए ड्रोन युद्ध का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ईरान के साथ युद्ध के दौरान ईरान ने कम लागत वाले शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल अमेरिकी जहाजों और सैन्य ठिकानों के खिलाफ किया। इन हमलों में अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने, एक सेना के हेलिकॉप्टर के गिरने और महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के इस्तेमाल की बात सामने आई है।

न्यूयॉर्क कैपिटल-टाइम्स स्[ायर उड़ाने की थी साजिश: यूएस ने नाकाम किया आईएसआईएस का बड़ा हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बानी स्थित न्यूयॉर्क कैपिटल पर कथित बम हमले की साजिश को नाकाम करते हुए 35 वर्षीय जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, वह आईएसआईएस के प्रति समर्थन जता चुकी थी, हमले के लिए सरकारी इमारतों की रेकी कर चुकी थी और विस्फोटक को भोजन पहुंचाने की सेवा के जरिए अंदर पहुंचाने की योजना बना रही थी। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक निष्क्रिय विस्फोटक और नकली बंदूक दिए जाने के बाद न्यूयॉर्क कैपिटल के पास गिरफ्तार किया गया।

आतंकी संगठन को मदद देने की कोशिश का आरोप : बोवी को गुरुवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद विदेशी आतंकवादी संगठन को मदद पहुंचाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी की संघीय अदालत में पेश किया गया, जहां एक संघीय मजिस्ट्रेट ने उसे हिरासत में भेज दिया। उसके खिलाफ दायर शिकायत में संघीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि करीब पांच साल पहले इस्लाम धर्म अपनाने के बाद बोवी ने कुनिया यानी सम्मानसूचक इस्लामी नाम आयशा सैफ अपना लिया था। सामाजिक माध्यमों पर उसने 2001 में अल-कायदा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 हमलों के समर्थन में पोस्ट किए थे।

सामाजिक माध्यमों पर अमेरिका विरोधी बयान : संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, बोवी ने कई अन्य अमेरिका विरोधी टिप्पणियां भी की थीं और आतंकवादी संगठनों के प्रति समर्थन जताया था। एक संघीय जांच ब्यूरो के मुखबिर ने उससे संपर्क किया। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बातचीत के दौरान बोवी ने आतंकवादी हमला करने में रुचि दिखाई। उसने कथित तौर पर मुखबिर से कहा, काफिरों का दिमाग उड़ा देना खूबसूरत है।

आईएसआईएस प्रमुख के प्रति निष्ठा की शपथ का दावा : शिकायत के मुताबिक, अपनी प्रतिबद्धता साबित करने के लिए बोवी ने विश्वासियों के कमांडर और मुसलमानों के खलीफा, मुजाहिद शेख अबू हाफा अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति पारंपरिक इस्लामी निष्ठा की शपथ यानी बयाह पूरी कर ली है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन का प्रमुख है।

अल्बानी में सरकारी इमारतों की रेकी : संघीय जांच ब्यूरो की शिकायत के अनुसार, बोवी ने अल्बानी में कई इमारतों की रेकी की। इनमें गवर्नर का कार्यालय भी शामिल था। बाद में उसने न्यूयॉर्क कैपिटल को निशाना बनाने का फैसला किया, जहां राज्य की विधायिका का कामकाज होता है। मुखबिर ने उसकी मुलाकात दो अन्य मुखबिरों से कराई। इन दोनों ने बोवी के समर्थक होने का दिखावा किया और उसकी योजना में मदद करने की पेशकश की।

जितना संभव हो सके उतना नुकसान पहुंचाने की योजना : शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बोवी ने दोनों से कहा कि वह इमारत को जितना संभव हो सके उतना नष्ट करना और बैठक के दौरान राज्य के सीनेटरों को मारना चाहती है। उसने कहा कि जिस जोखिम का वह सामना कर रही थी, उसके बदले वह केवल एक या दो लोगों को मारना नहीं चाहती, बल्कि इससे कहीं अधिक बड़ा नुकसान करना चाहती है। संघीय जांच ब्यूरो के विशेष एजेंट क्रेग ट्रेमारोली ने पत्रकारों से कहा कि बोवी सिर्फ सांसदों को मारना नहीं चाहती थी, बल्कि वह हमारी सरकार के विनाश की मंशा रखती थी।

टाइम्स स्क्वायर और व्हाइट हाउस भी निशाने पर : अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बोवी ने हमले के बाद भाग निकलने और देश से बाहर जाने के लिए विमान पकड़ने की इच्छा जताई थी, हालांकि उसे खुद भी यकीन नहीं था कि वह ऐसा कर पाएगी। उसने धमकी दी थी कि वह वापस लौटकर और हमले करेगी। इनमें नए साल की पूर्व संध्या पर टाइम्स स्क्वायर में हमला भी शामिल था। शिकायत के अनुसार, वह व्हाइट हाउस को भी निशाना बनाना चाहती थी, लेकिन उसका मानना था कि वहां हमला करना अधिक मुश्किल होगा।

भोजन पहुंचाने वाले थैले में विस्फोटक पहुंचाने की योजना : हमले की कथित योजना के तहत बोवी ने कहा था कि विस्फोटक को खाने की डिलीवरी के सामान के रूप में अंदर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए उसने एक भोजन पहुंचाने वाली सेवा से थैला भी हासिल किया था। संघीय जांच ब्यूरो के मुताबिक, जब उसने वह सामग्री खरीद ली।

47 परिवारों को 500 करोड़ रुपये देगा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, मुर्दाघर प्रबंधक ने बेच दिए थे शवों के अंग

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के प्रतिष्ठित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल ने उन परिवारों को 5.3 करोड़ डॉलर (करीब 500 करोड़ रुपये) देने पर सहमति जताई है, जिनके परिजनों के शवों के अंग चोरी कर काले बाजार में बेचे गए थे। यह मामला स्कूल के पूर्व मुर्दाघर प्रबंधक सेड्रिक लॉज से जुड़ा है। अदालत की मंजूरी मिलने के बाद दो अलग-अलग सामूहिक मुकदमों के निपटारे के लिए यह रकम दी जाएगी। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डीन जॉर्ज क्यू. डेली और बर्नार्ड एस. चांग ने एक पत्र में लॉज की करतूत को बेहद घृणित और मेडिकल समुदाय के मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी जताई।

47 परिवारों ने किया था मुकदमा : इस मामले में उन 47 लोगों के परिजनों ने मुकदमा दायर किया, जिन्होंने मेडिकल रिसर्च और पढ़ाई के लिए अपने शरीर दान किए थे। हार्वर्ड का कहना है कि वह यह निश्चित तौर पर नहीं बता सकता कि लॉज ने किन-किन दानदाताओं के शवों से अंग निकाले थे। स्कूल ने 2018 से मार्च 2023 के बीच दान किए गए शवों के रिकॉर्ड और संघीय जांच से मिली जानकारी की समीक्षा की। इसी आधार पर संभावित रूप से प्रभावित दानदाताओं की पहचान करने की कोशिश की गई।

दिमाग से लेकर हाथ और चेहरे तक बेचे : लॉज को 2023 में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, वह शवों के अंग चोरी कर उन्हें दूसरे राज्यों में खरीदारों तक पहुंचाने वाले एक भयावह नेटवर्क के केंद्र में था। उसने शवों से दिमाग, त्वचा, हाथ और चेहरे तक निकालकर बेच दिए। एक मामले में उसने एक खरीदार को मानव त्वचा दी थी, जिसका इस्तेमाल चमड़ा बनाकर एक किताब की जिल्द तैयार करने में किया जाना था। अभियोजक ने इसे बेहद भयावह घटना बताया था। लॉज ने अदालत में स्वीकार किया था कि वह शवों को अंतिम संस्कार के लिए भेजे जाने से पहले उनके अंग निकालता था। हार्वर्ड ने स्पष्ट किया है कि उसने यह काम संस्थान की जानकारी या अनुमति के बिना किया। सेड्रिक लॉज को पिछले साल आठ साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उसकी पत्नी डेनिस लॉज को भी इस मामले में मदद करने के लिए एक साल से कुछ अधिक समय की जेल हुई। इसके अलावा लॉज से शवों के अंग खरीदने वाले छह अन्य लोगों ने भी अपना अपराध स्वीकार किया और उन्हें सजा सुनाई गई। समझौते के तहत हार्वर्ड प्रभावित परिवारों को भुगतान करने के साथ-साथ एक आधिकारिक बयान भी देगा, जिसमें लॉज के कृत्य की निंदा की जाएगी और मेडिकल स्कूल के शव दान कार्यक्रम में किए गए सुधारों की जानकारी दी जाएगी।

नूर खान एयरबेस पर दिखा तुर्किये का सैन्य विमान, ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर क्यों बढ़ी हलचल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच रक्षा सहयोग को लेकर एक नई हलचल सामने आई है। मक्का रक्षा समझौते के बाद तुर्किये वायुसेना का एक सैन्य परिवहन विमान पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस पहुंचा। विमान 18 अगस्त को वहां पहुंचने और लौटने के दौरान दर्ज किया गया। इसी एयरबेस को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय कार्रवाई में निशाना बनाया गया था।

इस घटनाक्रम के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पाकिस्तान में तुर्किये की सैन्य गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। एविएशन हिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार तुर्किये वायुसेना का एयरबस ए-400एम एटलस विमान 18 अगस्त को नूर खान एयरबेस पहुंचा और वहां से वापस लौटा। विमान का कॉलसाइन टीयूएएफ526 बताया गया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, तुर्किये की ओर से उन्नत ड्रोन, हथियार और अन्य सैन्य साजो-सामान पाकिस्तान पहुंचाए जाने की आशंका है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इस विमान के जरिए भेजे गए सामान की पूरी सूची सामने नहीं आई है। भारतीय एजेंसियां इस गतिविधि को गंभीरता से देख रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी तुर्किये की ओर से पाकिस्तान को सैन्य साजो-सामान दिए जाने की बात सामने आई थी। मई 2025 में पाकिस्तान ने तुर्किये मूल के असिसगार्ड सोंगर और यिहा-3 ड्रोन का इस्तेमाल किया था, जिन्हें भारतीय कार्रवाई में नष्ट किया गया था। पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमता को चीन के साथ-साथ तुर्किये के तेजी से विकसित हो रहे रक्षा उद्योग और मानवरहित प्रणालियों से भी जोड़ रहा है। इससे दोनों देशों के रक्षा संबंध भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच ड्रोन तकनीक को लेकर सहयोग पहले भी सामने आता रहा है। मई में पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने तुर्किये में बायकर के चेयरमैन सेल्चुक बेराक्तार से मुलाकात की थी। बायकर बायराक्तार टीबी-2, अकिन्जी और केजिलेलेमा जैसे मानवरहित युद्धक विमान विकसित करने वाली कंपनी है।

दो हफ्ते में परमाणु बम बना लेता ईरान, ट्रंप का तेहरान हमलों पर बड़ा दावा, होर्मुज पर कब्जे को लेकर क्या कहा

वॉशिंगट, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान से जुड़े रणनीतिक जलमार्गों पर लगभग नियंत्रण कर रहा है और जल्द ही वहां पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ट्रंप ने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा। ट्रंप ने अपने पूर्व निजी वकील माइकल कोहेन के साथ एक साक्षात्कार में ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने यह भी माना कि इस संघर्ष के कारण अमेरिकी लोगों को पेट्रोल और ऊर्जा की अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। ईरान के साथ अमेरिका का समझौता करना क्यों हुआ मुश्किल 77 डब्ल्यूएबीसी रेडियो पर प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, अब ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। हम जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कर रहे हैं और जल्द ही पूरा नियंत्रण कर लेंगे। हम ईरान के साथ बहुत अच्छा कर रहे हैं। बुधवार को जारी साक्षात्कार के इस हिस्से में ट्रंप ने जलमार्गों का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और नेतृत्व को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे बातचीत के जरिए समझौता करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने कहा, समस्या का एक हिस्सा यह है कि बहुत से नेता चले गए हैं। समझौता करना आसान नहीं है। कोई नहीं जानता कि नेतृत्व कौन कर रहा है। अमेरिका में बढ़ती ऊर्जा कीमतों पर क्या बोले ट्रंप उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिकी उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, और मैं उनसे कहता हूं कि आपकी ऊर्जा की लागत थोड़ी अधिक होगी, पेट्रोल की कीमत भी थोड़ी अधिक होगी। लेकिन हमें मध्य पूर्व का सफर तय करना होगा, क्योंकि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते। उन्होंने दावा किया कि ईरान को सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह कर दिया गया है और उसकी मिसाइलों तथा ड्रोन बनाने की क्षमता काफी कम हो गई है। उन्होंने बढ़ती महंगाई, कमजोर मुद्रा और सैन्यकर्मियों को वेतन नहीं मिलने का भी जिक्र किया और इन्हें तेहरान पर बढ़ते दबाव का संकेत बताया। उन्होंने कहा, मैंने ऐसा क्यों किया, और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था, मैं इसे फिर से सौ बार करता, वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा। ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ बी-2 बमवर्षक विमानों के इस्तेमाल का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान देर रात चलाया गया और हर बम अपने लक्ष्य पर गिरा। उन्होंने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। और यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा, क्योंकि आप उन्हें इस तरह का हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते।

अमेरिका का कर्ज 40 खरब डॉलर के पार: ट्रंप की नीतियों से कितना बढ़ा, ईरान युद्ध और टैक्स कटौती कितनी जिम्मेदार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का कुल राष्ट्रीय कर्ज बुधवार को 40 खरब डॉलर के पार पहुंच गया। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अमेरिका के लिए यह सिर्फ आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि बढ़ते वित्तीय दबाव का संकेत भी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय कर्ज खत्म करने का वादा किया था, लेकिन कर्ज लगातार बढ़ता गया। अब उनके दूसरे कार्यकाल में यह उस समय के मुकाबले करीब दोगुना हो चुका है। बढ़ते कर्ज ने अमेरिकी सरकार के सामने खर्च और आय के बीच संतुलन बनाने की चुनौती बढ़ा दी है। अमेरिकी कर्ज बढ़ने के पीछे कई पुराने और नए कारण हैं। इनमें लंबे

समय से जारी भारी सैन्य खर्च, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर बढ़ता खर्च शामिल है। इसके अलावा 2025 में लागू टैक्स कटौतियों से सरकारी राजस्व पर भी दबाव पड़ा। ईरान युद्ध और उससे जुड़े सैन्य अभियानों ने इस बोझ को और बढ़ाया है। दी गई जानकारी के अनुसार, अकेले इस साल अमेरिका को अपनी देनदारियां पूरी करने के लिए दो खरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज लेना पड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि कुल घाटे का करीब आधा हिस्सा निवेशकों को दिए जाने वाले ब्याज में जा रहा है।

क्या ब्याज का बढ़ता बोझ अमेरिका को कर्ज के जाल में फंसा रहा : बढ़ते कर्ज के साथ उसका ब्याज भी सरकार के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पुराने कर्ज पर निवेशकों को ब्याज देना पड़ता है और कर्ज बढ़ने के साथ यह खर्च भी बढ़ता जाता है। इससे सरकार के पास दूसरे जरूरी कामों के लिए उपलब्ध पैसा सीमित हो सकता है। दी गई जानकारी के मुताबिक, कमेटी फॉर ए रिस्पांसिबल फेडरल बजट के वरिष्ठ नीति निदेशक मार्क गोल्डवेन ने चेतावनी दी कि अमेरिका कर्ज के जाल में फंसता नजर आ रहा है। उनके अनुसार, कर्ज कम करने में नीति निर्माताओं की असमर्थता लंबे समय का जोखिम बढ़ा रही है। ट्रंप ने सत्ता में लौटने के बाद सरकारी खर्च कम करने के लिए एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग बनाया था। इसका लक्ष्य सरकारी खर्च में एक खरब डॉलर तक की कटौती करना था। हालांकि, दिए गए विवरण के अनुसार यह विभाग बचत के मामले में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सका। स्थिति इसलिए भी कठिन है क्योंकि चुनाव नजदीक आने के कारण सरकार के लिए बड़े और कड़े फैसले लेना राजनीतिक रूप से मुश्किल हो सकता है।

सीरिया में तुर्किये की सैन्य विस्तार योजना पर इस्राइल की चेतावनी, राजदूत बोले- हद पार कर दी गई है

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिका में इस्राइल के राजदूत येचिएल लेइटर ने कहा है कि इस्राइल को स्पष्ट खुफिया जानकारी मिली थी कि तुर्किये सीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी का बड़े स्तर पर विस्तार करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इसे हद पार करना बताया। द यरूशलम पोस्ट के साथ बातचीत में लेइटर ने कहा, हम तुर्किये या सीरिया में से किसी के साथ तनाव बढ़ाना या युद्ध नहीं चाहते। लेकिन एक हद पार की गई है।

उनकी यह टिप्पणी इस्राइल द्वारा सीरिया में किए गए हवाई हमलों के बाद आई है। इन हमलों की सीरिया और तुर्किये दोनों की सरकारों ने आलोचना की थी। लेइटर ने कहा, यह तुर्किये की ओर से समझौतों का स्पष्ट उल्लंघन माना जा रहा था। जिन लोगों को खुफिया जानकारी दी जानी जरूरी थी, उन्हें वह जानकारी मिल गई। जिन्हें पता होना चाहिए था कि क्या होने वाला है, उन्हें इसकी जानकारी थी। हमने स्पष्ट कर दिया था कि यह हमारे समझौतों का उल्लंघन है और इसी वजह से इस्राइल ने कार्रवाई की।

तुर्किये पर इस्राइल ने लगाए क्या आरोप : लेइटर के मुताबिक, मंगलवार को अलेप्पो के पास सीरिया में अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइल ने जो हमला किया, वह कथित तुर्किये के कदम को लेकर दी गई चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिए जाने के बाद किया गया। सीरियाई अधिकारियों ने कहा था कि एयरफील्ड पर कम से कम आठ हमले हुए। बाद में सैटेलाइट तस्वीरों में रनवे को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा था, इस्राइल ने संदेश स्पष्ट कर दिया है- ऐसा मत करो। लेइटर ने कहा कि तुर्की का कथित कदम अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान इस्राइल और सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के प्रशासन के बीच बनी समझ के खिलाफ था। इस समझ के तहत सीरिया में मौजूदा स्थिति को स्थिर रखा गया था।

क्या सीरियाई इलाके पर कब्जा कर रहा तुर्किये : उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में पेरिस में हुई एक बैठक के दौरान भी इन समझों की पुष्टि की गई थी। बैठक में सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी, अमेरिका के सीरिया मामलों के दूत टॉम बैरक, लेइटर, तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख गिल रीच और नेतन्याहू के सैन्य सचिव रोमन गोफमैन शामिल हुए थे। गोफमैन अब मोसाद के निदेशक हैं। लेइटर ने कहा, इस रोक का मतलब है कि जिस तरह तुर्क आगे नहीं बढ़ते, उसी तरह हम भी आगे नहीं बढ़ते और वे हमें पीछे हटने के लिए मजबूर नहीं करते। उन्होंने कहा कि इस्राइल सीरिया में सुरक्षा क्षेत्र के तहत केवल 78 वर्ग मील क्षेत्र में मौजूद है, जबकि तुर्की ने पिछले कई वर्षों में उत्तरी सीरिया में 3,500 वर्ग मील क्षेत्र पर धीरे-धीरे कब्जा बढ़ाया है। यह सीरिया के करीब पांच प्रतिशत क्षेत्र के बराबर है। लेइटर ने कहा कि अमेरिका के सीरिया मामलों के दूत और तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक को छोड़कर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने सीरिया में इस्राइली हमले की निंदा नहीं की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन की नीति पहले तय की गई स्थिति को बनाए रखने की है और इसी वजह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले की निंदा नहीं की। तनाव के बावजूद लेइटर ने कहा कि इस्राइल का मानना है।

बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था- ट्रंप-कोहेन की दुश्मनी खत्म, रेडियो शो में फिर दिखी 15 साल पुरानी दोस्ती

वाशिंगट, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को अपने पुराने सहयोगी और बाद में कट्टर आलोचक बने माइकल कोहेन के रेडियो शो में शामिल हुए। यह मुलाकात इसलिए बेहद चौंकाने वाली रही, क्योंकि कभी कोहेन ने ट्रंप को चीटो-डस्टेड कार्टून विलेन तक कहा था और अदालत तथा कांग्रेस के सामने उनके खिलाफ गवाही दी थी। लेकिन अब दोनों के बीच रिश्ते फिर से सामान्य होते दिखाई दे रहे हैं। कोहेन ने ट्रंप के गंदे कामों को छिपाने में अपनी भूमिका के लिए जेल की सजा काटी थी। ऐसे में कुछ साल पहले तक इस तरह की सार्वजनिक सुलह की कल्पना करना भी मुश्किल था।

रेडियो शो में दिखी पुरानी दोस्ती की झलक : कोहेन के 77 WABC रेडियो कार्यक्रम पर यह इंटरव्यू गुरुवार शाम प्रसारित हुआ, जबकि इसका पूरा प्रसारण रविवार को होना है। बातचीत का माहौल बेहद दोस्ताना रहा और दोनों ने अपने उतार-चढ़ाव भरे अतीत का केवल हल्के अंदाज में जिक्र किया। ट्रंप ने कोहेन से कहा, उन्होंने तुम्हें एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया, जैसा शायद ही किसी और के साथ हुआ हो। उन्होंने आगे कहा,मैं इस बात का सम्मान करता हूं कि तुमने अपनी कही हर बात वापस ले ली। तुमने बहुत बड़ी बात की है।

कोहेन ने मांगी फिर से माफी : रेडियो इंटरव्यू से कुछ समय पहले सीएनएन से बातचीत में कोहेन ने बताया कि उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से माफी के लिए फिर से आवेदन किया है। पिछली सरकार ने उनका आवेदन खारिज कर दिया था, लेकिन इस बार अभी तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। कोहेन ने कहा कि शुक्रवार को इस मुद्दे पर फिर बातचीत होने की उम्मीद है। ट्रंप के साथ सुलह ने कोहेन को उन पूर्व सहयोगियों की लंबी सूची में ला खड़ा किया है, जिनके राष्ट्रपति से कभी तीखे मतभेद हुए, लेकिन बाद में रिश्ते फिर सुधर गए। एलन मस्क और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस इसके हालिया उदाहरण हैं।

15 साल की दोस्ती फिर आई सामने : कोहेन और ट्रंप का रिश्ता हालांकि

इन सभी मामलों से कहीं ज्यादा व्यक्तिगत रहा है। कभी कोहेन कहा करते थे कि वह राष्ट्रपति के लिए गोली खा सकते हैं। ट्रंप के राजनीतिक सफर के दौरान वह उनके बेहद भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल थे। बाद में दोनों के बीच ऐसा टकराव हुआ कि 2024 के आपराधिक हश-मनी मामले में कोहेन की गवाही ट्रंप को दोषी ठहराने में महत्वपूर्ण साबित हुई। उस समय ट्रंप अपनी राजनीतिक वापसी की कोशिश कर रहे थे। कोहेन ने गुरुवार को कहा कि पिछले एक साल में उनकी और राष्ट्रपति की कई बार बातचीत हुई है। उन्होंने अपने फैसले को समझाते हुए कहा,माफ करने का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ भूल जाना। इसका मतलब यह भी नहीं है कि जो हुआ, वह हुआ ही नहीं। इसका अर्थ है यह तय करने की हिम्मत रखना कि बीता हुआ कल आने वाले कल को तय नहीं करेगा।

बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था : इंटरव्यू के दौरान कोहेन कई बार अपने पुराने दिनों को याद करते नजर आए। एक भावुक क्षण में उन्होंने ट्रंप से कहा, बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था इस मुलाकात को खास अंदाज में पेश किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 1975 के बैंड वॉर के गीत व्हाई कांट वी बी फ्रेंड्स से हुई और अंत 1978 के पीचेस एंड हर्ब के मशहूर गीत रीयूनाइटेड एंड इट फील्स सो गुड की पंक्तियों के साथ हुआ।

कभी ट्रंप के खिलाफ बने थे अहम गवाह : न्यूयॉर्क में ट्रंप के खिलाफ चले हश-मनी मुकदमे में कोहेन एक महत्वपूर्ण गवाह थे। 2024 में उन्होंने अदालत में गवाही दी कि 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप ने उन प्रयासों में अहम भूमिका निभाई थी, जिनका उद्देश्य एक एडल्ट फिल्म अभिनेत्री और पूर्व प्लेबॉय मॉडल के उन दावों को दबाना था, जिनमें उन्होंने ट्रंप के साथ यौन संबंध होने की बात कही थी। कोहेन ने गवाही दी थी कि ट्रंप ने उन्हें पहले किए गए भुगतानों की भरपाई का भरोसा दिया था और उन प्रयासों की जानकारी रखते थे। उन्होंने कहा था, मैं जो कुछ भी कर रहा था, वह मिस्टर ट्रंप के कहने पर और उनके फायदे के लिए कर रहा था। दोनों के रिश्ते में निर्णायक दरार 2018 में पड़ी, जब एफबीआई एजेंटों ने कोहेन के कार्यालय, घर और होटल के कमरे की तलाशी ली। इसके बाद कोहेन ने रूस में ट्रंप टॉवर परियोजना को लेकर कांग्रेस से झूठ बोलने और कैंपेन फंडिंग नियमों के उल्लंघन का अपराध स्वीकार किया। इन मामलों में स्टॉर्मी डेनियल्स और कैरेन मैकडौगल को किए गए भुगतानों का भी जिक्र आया। उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई। बाद में कोहेन ने कहा कि ट्रंप के खिलाफ गवाही देने के लिए उन पर दबाव डाला गया था।

आपकी सुरक्षा आपके हाथ

शहर छोटे हों या बड़े अपराध की दर सभी में बढ़ रही है। यही कारण है कि आजकल शहरों में सिक्युरिटी का धंधा तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन हर कोई तो अपने घर के बाहर हथियारधारी सिक्युरिटी गार्ड नहीं खड़ा कर सकता। सवाल है ऐसे में अपनी सुरक्षा, विशेषकर घरों में रहने वाली महिलाएँ कैसे करें?

अगर आप रहती हैं फ्लैट्स में :

- फ्लैट के बाहरी दरवाजों की मजबूती की जाँच कर लें। दरवाजे अच्छी क्वॉलिटी के मटीरियल से बने हों यह सुनिश्चित करें। दरवाजे में अच्छी कंपनी का ऑटोमेटिक लॉकिंग सिस्टम लगा हो।
- कुछ लोग अपने घर को स्टाइलिश लुक देने के लिए बिना ग्रिल वाली खिड़कियाँ भी लगवाते हैं, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से यह अनुचित है क्योंकि इससे बच्चों के नीचे गिरने का खतरा रहता ही है, साथ ही खिड़की से कोई भी आपके घर के भीतर आसानी से पहुँच भी सकता है।
- सुनिश्चित करें कि फ्लैट के बाहर हमेशा अच्छी प्रकाश व्यवस्था हो। दरवाजे और सीढ़ियों के पास लाइट रात भर जलती हुई छोड़ दें। घर के बाहर की लाइट का स्विच आपके घर के भीतर होना चाहिए।
- अपने दरवाजे में मैजिक आई और चेन लॉक जरूर लगवाएँ ताकि कॉलबेल बजने पर आप आगंतुक को भीतर से पहचानने के बाद ही दरवाजा खोलें।
- रात को पैसेज में जीरो वॉट का बल्ब या सीएफएल जरूर जलने दें। अगर आप घर बंद करके कहीं बाहर जा रही हैं तो ड्राइंग रूम की लाइट जलती छोड़ दें। अगर लंबी छुट्टियों में कहीं बाहर जा रही हैं तो अपने निकटतम पड़ोसी और अपार्टमेंट के सिक्युरिटी गार्ड को इस बात की जानकारी जरूर दें कि आप कहाँ और कितने दिनों के लिए जा रही हैं, साथ ही उनसे अपने घर का विशेष रूप से ध्यान रखने को कहें।
- बाहर जाते वक्त अपनी बालकनी में कुछ पुराने कपड़े इस तरह फैला दें कि लगे कि वे सूखने के लिए फैलाए गए हैं, ताकि यह देखकर किसी अजनबी को इस बात की भनक न लगे कि आपके घर में कोई नहीं है।

रहती हों अगर बँगले में :

- आपके घर में लोहे का मजबूत गेट होना चाहिए, जिसकी ऊँचाई कम से कम साढ़े पाँच फुट हो, गेट के ऊपरी सिरे पर नुकीली भालेनुमा आकृति बनी हो ताकि कोई उस पर चढ़कर घर के भीतर न घुस सके। गेट में ऐसा लॉक लगा होना चाहिए जिसे सिर्फ अंदर से ही खोला जा सके। दूसरे दरवाजे और उनका लॉकिंग सिस्टम भी मजबूत होना चाहिए।
- बँगले की चहारदीवारी बहुत मजबूत होनी चाहिए और उसकी दीवारों के ऊपरी हिस्से पर लोहे के काँटेदार तारों का घेरा बना हुआ होना चाहिए ताकि कोई चोर आसानी से आपके घर की चहारदीवारी लाँघ न सके।
- अगर प्रकृति प्रेमी हैं तो दीवारों की बजाय बोगनवेलिया और जंगली गुलाब जैसी काँटेदार झाड़ियों से भी अपने घर की फेंस तैयार कर सकती हैं। इससे घर अवांछित तत्वों से तो सुरक्षित रहेगा ही इसके अलावा घर के आसपास की हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता भी बढ़ जाएगी।

अगर रहती हैं फार्म हाउस में :

- मुख्यद्वार के बाहर गार्ड रूम होने के साथ-साथ क्लोज सर्किट कैमरे की व्यवस्था जरूर होनी चाहिए ताकि अगर अपराधी या अनधिकृत व्यक्ति आपके घर के भीतर घुसने की कोशिश कर रहा हो, तो उसे आसानी से पहचाना जा सके।
- कुक, आया, ड्राइवर और माली आदि को नियुक्त करते समय उनका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाना चाहिए।
- फार्म हाउस में घर के भीतरी इलाके में सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम की व्यवस्था रखें और रात को सोने से पहले इससे अपने घर को बंद कर दें। इससे एक ही रिमोट से पूरे घर के सभी दरवाजे लॉक हो जाते हैं, जिन्हें कोई दूसरा बाहर से नहीं खोल सकता।
- आपके घर में इमरजेंसी अलार्म सिस्टम होना चाहिए, जो आपके गार्ड रूम और पड़ोसियों के घर से जुड़ा हो ताकि आकस्मिक स्थिति में जब आप अलार्म का बटन दबाएँ तो लोग आपकी मदद के लिए आ सकें।
- पॉवर बैकअप की भी पूरी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि कभी आकस्मिक रूप से बिजली चली जाए तो आपके घर की सुरक्षा को कोई खतरा पैदा न हो।

दलिया पुलाव

सामग्री : दलिया 1 कटोरी, अंकुरित मूँग 1 कटोरी, चौकोर टुकड़ों में कटा पनीर 50 ग्राम, बींस कटी 1 छोटी कटोरी, गाजर कटी 2, कटी हरीमिर्च 2, कटा टमाटर 1, कटी पालक 1 छोटी कटोरी, कटा फूलगोभी 1 कटोरी, तेल 1 टी स्पून, जीरा 1/4 चम्मच, हल्दी पावडर 1/2 चम्मच, नमक स्वादानुसार।

विधि : सूखी कड़ाही में दलिया भूनें। प्रेशर कूकर में तेल गरम करें, जीरा चटकाकर हल्दी पावडर डालें। अब सभी सब्जियाँ व नमक डालकर अच्छी तरह चलाएँ। पानी डालकर कूकर में दो सीटी आने तक पकाएँ। गरमा-गरम दलिया अचार के साथ सर्व करें।

जहाँ इंसानी रिश्ते सहेजे जाते हैं

हम चाहे जितना रुपया कमा लें, संपत्ति बना लें, दौड़ में थकने के बाद रिश्तों की गरमाहट का संबल सभी के लिए जरूरी हो जाता है। आखिर हमारी समृद्धि कोई देखने वाला तो हो, हमारी प्रसिद्धि की कोई तारीफ करने वाला तो हो... और ये सब हमें तभी मिलेगा, जब हम स्वयं हाथ बढ़ाएँगे छोटे-बड़े रिश्तों को सहेजने को।

आज जहाँ आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में लोग रिश्तों की अहमियत भूलते जा रहे हैं, रिश्ते अपना महत्व खोते जा रहे हैं, केवल फायदों की राजनीति देखते हुए रिश्ते बनाए या बिगाड़े जा रहे हों, वहाँ कुछ परिवार न केवल रिश्तों को बनाए रखने में यकीन करते हैं, वरन् अपने स्नेह, त्याग व अनथक प्रयासों से भरसक रिश्तों की गरमाहट को सालों सहेजते रहते हैं।

हंसा आठ वर्ष की एक प्यारी-सी बच्ची है। चार वर्ष पहले उसकी माँ की दुर्घटना में मौत हो गई। माँ की मौत के सदमे से एक वर्ष बाद ही उसके पिता भी चल बसे- 'लड़की की जात है- कौन सम्हाले' कहकर करीबी रिश्तेदारों ने हाथ झटक लिए- ऐसे में आगे आई हंसा की माँ की करीबी सहेली जो अविवाहित थी। उसने विधिवत हंसा को गोद ले लिया और अपने बच्चे से भी बढ़कर देखभाल की उसकी। आज हंसा के दिमाग में माँ की स्मृति तक धूमिल हो चुकी है- उसे याद है उसकी नई माँ...

प्रणव के विवाह को पाँच वर्ष हो गए थे। पत्नी की अकाल मृत्यु हो गई। प्रणव के जीवन का एकमात्र सहारा था उसका बेटा 'प्रांशु'। 'सौतेली माँ' की भयावह कल्पना के चलते प्रणव कई वर्षों तक दूसरे विवाह के बारे में सोच भी न पाया। फिर अचानक उसे मीता पसंद आ गई- हालाँकि 'प्रांशु' को लेकर डर अभी भी था। ऐसे में मीता ने सारी परिस्थिति को सहृदयता से समझा, प्रांशु को अपनापन दिया। प्रांशु को ही बेटा मानकर अपनी संतान को जन्म देने का विचार भी उसने त्याग दिया... आज 'प्रांशु' कॉलेज में है और मीता... उसके लिए दुनिया में सबसे अच्छी माँ है।

जैन साहब का दुनिया को देखने का तरीका और भी निराला है। वे इस दुनिया में अकेले हैं, ईश्वर की दया से रुपया और स्वास्थ्य दोनों ही वरदान के रूप में साथ हैं। उनके यहाँ पढ़ने आने वाले बच्चों का 'मेला' लगा रहता है। जैन साहब की सभी रिश्तेदारों से प्रार्थना रहती है कि उनके शहर में पढ़ने के लिए आने वाले बच्चे उनके घर में ही रहें। रिश्तेदारों को भला क्यों आपत्ति हो, उनके बच्चों को जैन साहब का स्नेह व अनुशासन भरा मार्गदर्शन मिलता है और जैन साहब का अकेलापन दूर हो जाता है। 'दुनिया में आए हैं, तो इतना प्यार बाँटना चाहिए कि आपके जाने के बाद कुछ लोगों की आँखें आपको याद कर बरसती रहें...' जैन साहब के जीवन का ये सीधा-सा समीकरण है, जो उन्हें बुढ़ापे में भी ऊर्जावान बनाता है।

वास्तव में मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और रिश्तों की उसे सतत आवश्यकता होती है! चाहे ये रिश्ते दोस्ती के हों, पहचान के हों या खून के। आजकल नौकरी-व्यापार के सिलसिले में परिवार एक छोर से दूसरे छोर तक बिखरते जा रहे हैं, आपसी संपर्क भी लगभग समाप्त होते जा रहे हैं। ऐसे में अगली पीढ़ी के बच्चे तो शायद अपने रिश्तेदारों-भाई-बहनों से पहचान भी न बना पाएँ... हम चाहे जितना रुपया कमा लें, संपत्ति बना लें, दौड़ में थकने के बाद रिश्तों की गरमाहट का संबल सभी के लिए जरूरी हो जाता है। आखिर हमारी समृद्धि कोई देखने वाला तो हो, हमारी प्रसिद्धि की कोई तारीफ करने वाला तो हो... और ये सब हमें तभी मिलेगा, जब हम स्वयं हाथ बढ़ाएँगे छोटे-बड़े रिश्तों को सहेजने का, उनमें स्नेह-विश्वास को सिंचित करने का... और बड़ा सरल सा उपाय है इन्हें सहेजने का। वह है संपर्क। फिर आज की संचार क्रांति ने तो संपर्क इतना आसान बना दिया है। तो क्यों न हम भी अपनाएँ इसे और ले आएँ रिश्तों में प्रगाढ़ता...।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 2564

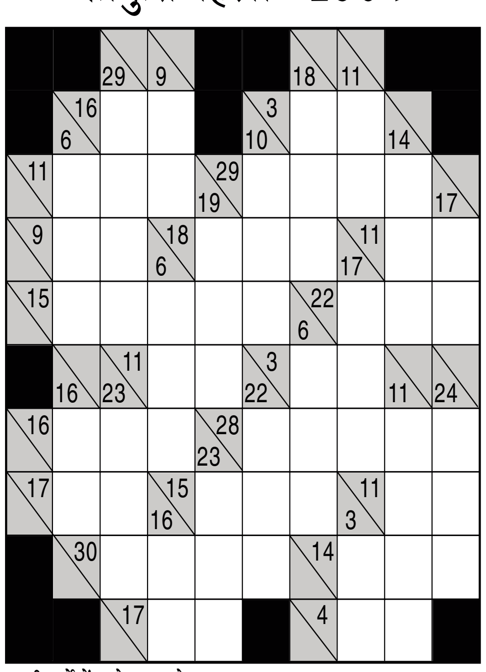

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

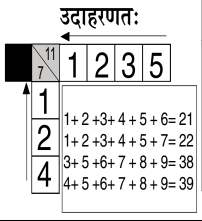

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2563 का हल

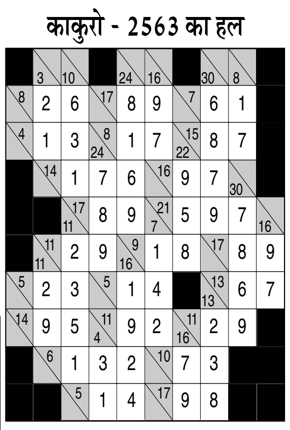

लॉफिंग ज़ोन

एक महिला ने बैंक जाकर नई चेक बुक मांगी. क्लर्क ने कहा कि आप पहले ही तीन चेकबुक ले चुकी हैं, क्या वे खत्म हो गई?

महिला - नहीं, वे तो कहीं गुम हो गईं.

क्लर्क - आपको चेकबुक हिफाजत से रखनी चाहिए, वरना कोई आपके हस्ताक्षर करके पैसा निकाल सकता है.

महिला - नहीं, मैं इतनी मूर्ख नहीं हूं. मैने पहले ही सारे चेकों पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं.

☺ ☺ ☺

गंजा व्यक्ति - 'मेरे सिर पर तो बाल बहुत कम है. मुझसे तो तुम्हें कम पैसे लेने चाहिए.'

नाई - 'जनाब! मै आपसे बाल काटने के पैसे थोड़े ही लेता हूं, बाल ढूंढने के पैसे लेता हूं.'

☺ ☺ ☺

ज्योतिषी- आपके भाग्य का सितारा ऊंचाई पर है. जल्द ही आपके घर में बड़ी दौलत आने वाली है. आपने लॉटरी का टिकट लिया है या सट्टा लगाया है.

ग्राहक (सोचते हुए) - ज्योतिषी जी! वैसे तो मैने न ही लॉटरी का टिकट लिया है और न ही सट्टा लगाया है. हां मैने पांच दिन पूर्व ही अपना पांच लाख का बीमा जरूर करवाया है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली - 2564

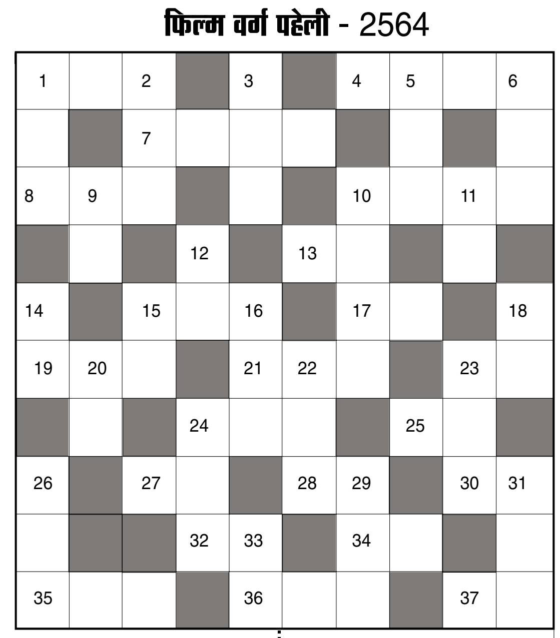

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2563

अ	नि	ता		जो	र		बे	ना	म
नु		रा	का		वी	र	ता		म
म	र्द		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		बू		सु		ना	
क	भी	क	भी		सु	हा	ग	रा	त
	गी	त		चि	रा	ग		य	
गो	रा		शा		ग		चि		ह
	त	क	दी	र		इं	त	का	म
ज		री		त	ब्बू		चो		रा
या	रा	ना		न		अ	र	बा	ज

सूडोकु -2564

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2563 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 2564

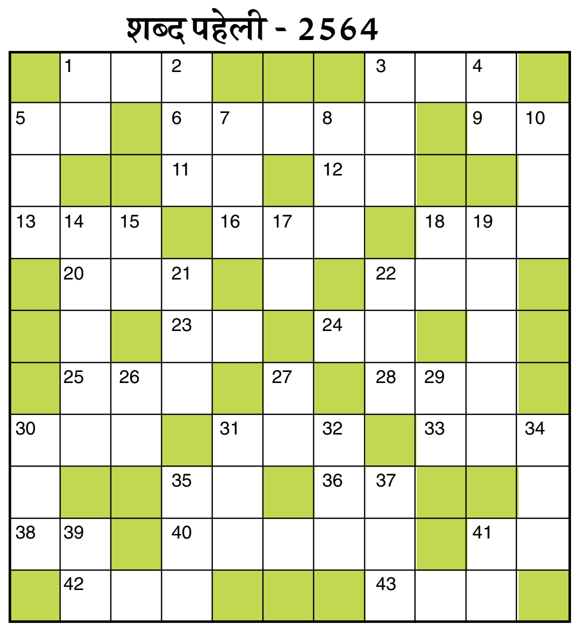

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -2563 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न	
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
वा			खा	विं	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	थ		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

ओडिशा के प्रसिद्ध पार्श्व गायक प्रणब पटनायक का निधन

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के दिग्गज पार्श्व गायक और संगीत जगत की प्रतिष्ठित आवाज प्रणब पटनायक का भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। उनके निधन से ओडिया संगीत और फिल्म जगत में शोक की लहर है। खगोल शास्त्र 20 जनवरी 1938 को जन्मे प्रणब पटनायक ओडिशा की संगीत विरासत के सबसे चर्चित गायकों में शामिल थे। उन्हें अपने पिता लाल मोहन पटनायक से गहरी प्रेरणा मिली। उन्होंने गुरु कुणाल आदिनारायण से संगीत की औपचारिक शिक्षा ली और 1958 में फिल्म मां से पार्श्व गायन की शुरुआत की। छह दशक से अधिक लंबे करियर में पटनायक ने 200 से अधिक ओडिया फिल्मों के लिए अपनी आवाज दी और राज्य के लगभग सभी प्रमुख संगीतकारों के साथ काम किया। अपनी विशिष्ट आवाज, व्यापक स्वर-सीमा और गायन की अनूठी शैली के कारण वह प्रणब पटनायक को सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक के लिए ओडिशा राज्य फिल्म पुरस्कार सात बार मिला। उन्हें सिंदूर बिंदु (1976), अस्तराग (1982), झियटि सीता परी (1983), कन्यादान (1988), प्रतिशोध अपराध नहीं (1989) और आशा (1993) सहित कई फिल्मों में उनके गायन के लिए सम्मानित किया गया।

बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि पर तकनीकी स्तर पर चर्चा जारी: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच साल 1996 को हुई गंगा जल संधि अपने 30 वर्ष पूरे करने वाली है और यह इसी साल दिसंबर में समाप्त हो रही है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि गंगा जल संधि पर दोनों देशों के बीच तकनीकी स्तर पर चर्चा जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गंगा जल संधि पर साल 1996 में 30 वर्षों की अवधि के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। भारत और बांग्लादेश के बीच नदियों से संबंधित सभी मुद्दों पर संयुक्त नदी आयोग के अंतर्गत चर्चा की जाती है। इसके अलावा गंगा जल संधि के अंतर्गत गठित संयुक्त समिति की तकनीकी स्तर पर बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाती है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश गंगा जल संधि पर गारंटी क्लोज चाहता है। यह क्लोज 1977 की संधि में था लेकिन 1996 की संधि में हटा दिया गया। इसके तहत सूखे मौसम में बांग्लादेश नदी के बहाव में कमी होने पर भी एक न्यूनतम मात्रा में जल चाहता है।

मप्र के धार की ऐतिहासिक भोजशाला में हुआ हनुमान चालीसा का पाठ, निधारित जमीन पर अदा की गई नमाज

धार। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर में दोनों समुदायों के धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से हुए। भोजशाला में हिंदू समाज ने पूजा-अर्चना कर हनुमान चालीसा का पाठ किया, जबकि भोजशाला परिसर के पीछे उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित जमीन खसरा नंबर 612 पर मुस्लिम समाज ने जुमे की नमाज अदा की। नमाज को लेकर प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे। भोजशाला और नमाज स्थल, दोनों तरफ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। नमाज स्थल के चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई। पूरे इलाके को सफेद पर्दों से कवर कर दिया गया, ताकि कहीं से भी कोई प्रवेश न कर सके। उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए प्रशासन ने दोनों पक्षों के लिए अलग-अलग प्रवेश व निकास मार्ग निर्धारित किए थे।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का 32वां स्थापना दिवस रविवार को

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (एनसीएसके) का 32वां स्थापना दिवस कार्यक्रम रविवार को दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में करीब 900 कर्मचारी शामिल होने की संभावना है। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सफाई कर्मचारियों की गरिमा, कल्याण, पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा देना है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत कल्याणकारी पहलों के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस दिन सभी हितधारकों के लिए एनसीएसके मिस्ड-कॉल सुविधा नंबर भी जारी होगा ताकि आयोग कॉल करने वालों से उनकी शिकायतों, मुद्दों तथा अभ्यावेदनों को दर्ज कराने के लिए संपर्क कर सके और समयबद्ध तरीके से उनका समाधान कर सके। इस मौके पर एनसीएसके के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले और बीएल वर्मा, एनसीएसके के सदस्य करम सिंह कर्मा, एनसीएसके के सचिव राहुल कश्यप और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

भावनगर में जहरीली शराब पीने से अब तक आठ लोगों की मौत

25 अभी भी भर्ती; 10 की हालत गंभीर

एजेंसी

भावनगर। गुजरात के भावनगर जिले में नकली शराब के सेवन से अब तक 61 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें आठ लोगो की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, 10 मरीज गंभीर हालत में हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

कितने लोगो को गिरफ्तार किया गया?

जिला प्रशासन ने बताया कि मेथनॉल युक्त शराब का सेवन करने वाले 25 लोग अभी भी इलाज करा रहे हैं। मेथनॉल एक अत्यंत विषैला पदार्थ है। वर्तेज पुलिस स्टेशन में जहरीली शराब त्रासदी के संबंध में दर्ज एफआईआर में नामजद 21 आरोपियों में से 13 को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुजरात एक 'शुष्क' राज्य है, जहां शराब का निर्माण, बिक्री और सेवन प्रतिबंधित है।

जिला प्रशासन कार्यालय ने क्या बताया?

जिला प्रशासन कार्यालय ने बताया, 'कुल 61 लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 25 का अभी भी इलाज चल रहा है। शराब का सेवन करने वाले 18 अन्य लोग अस्पताल पहुंचे । डॉक्टरों की सलाह लेने के बाद चले गए।' जिन लोगों का इलाज चल रहा है, उनमें से 15 की हालत स्थिर है, जबकि10 मरीज आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) में हैं, जिनमें से एक वेंटिलेटर पर है। 10 अन्य लोगों को अब तक छुट्टी दे दी गई है।

पुलिस ने क्या बताया?

पुलिस के अनुसार, पीड़ितों ने एक लोकप्रिय भारतीय निर्मित विदेशी शराब ब्रांड के नाम वाली बोतलों में पैक की गई नकली शराब का सेवन किया। आरोपियों

पर गैर इरादतन हत्या, मिलावट और भारतीय न्याय संहिता एवं निषेध अधिनियम के तहत जहर मिलाने जैसे आरोप लगाए गए हैं। स्थानीय अदालत ने गुरुवार को उन्हें 10 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया।

क्या आरोप है?

इस मामले की जांच गुजरात पुलिस की विशेष इकाई, स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) को सौंप दी गई है, जो राज्य भर में अवैध शराब और जुए के संचालन पर नजर रखती है। आरोप है कि अवैध शराब वर्तेज निवासी गौतम सोलंकी के घर पर रईस की मदद से तैयार की गई थी, जिसे मध्य प्रदेश के उज्जैन से गिरफ्तार किया गया था। जहरीली शराब को बोतलों में भरकर सीलबंद कर दिया गया। अवैध शराब विक्रेताओं को वितरण के लिए भेज दिया गया।

क्या है मामला?

यह मामला तब सामने आया जब तीन दोस्तों ने 16 अगस्त की रात को वर्तेज में शराब का सेवन किया, लेकिन सभी बीमार पड़ गए। उनमें से एक की मौत हो गई। पहले पीड़ित उपेंद्रसिंह गोहिल के रक्त के नमूने की जांच में मेथनॉल की उपस्थिति पाई गई। इसके बाद और भी मौतें हुईं और कई लोगों को गंभीर जटिलताओं के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट के अनुसार, शराब में 38.59 प्रतिशत मेथनॉल और 0.94 प्रतिशत इथेनॉल मौजूद था।

अमेरिका का संदेश साफ, जम्मू-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं रहा : सांसद हर्ष वर्धन श्रृंगला

बातचीत में श्रृंगला ने कश्मीर में दिए गोर के इस बयान को दो वजहों से अहम माना।

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में श्रीनगर दौरे के दौरान जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया। उनका ये बयान सुर्खियों में है। इस टिप्पणी को राज्यसभा सांसद और पूर्व विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला ने काफी अहम बताया। उनके मुताबिक दुनिया के लिए संदेश स्पष्ट है कि अब जम्मू कश्मीर अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं रह गया। बातचीत में श्रृंगला ने कश्मीर में दिए गोर के इस बयान को दो वजहों से अहम माना। उन्होंने कहा, 'पहला कारण यह है कि अतीत में अमेरिका की ओर से इस तरह का कोई बयान नहीं आया है। अमेरिका के बयान अधिक संतुलित और सावधानीपूर्वक होते रहे हैं। उन पर कई अन्य कारकों का भी प्रभाव रहा है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा और निश्चित रूप से भारत तथा पाकिस्तान के बीच इस मामले को लेकर अमेरिका का अपना नजरिया भी शामिल है। इसलिए पहली महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने इतनी स्पष्ट और निर्णायक टिप्पणी की। यह अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण है।' उन्होंने आगे कहा, 'दूसरी बात यह है कि सर्जियो गोर अमेरिका के कोई सामान्य प्रतिनिधि नहीं हैं। वह अमेरिका के राष्ट्रपति

के बेहद करीबी सहयोगी हैं। वह केवल भारत में अमेरिका के राजदूत ही नहीं हैं, बल्कि दक्षिण और मध्य एशिया के लिए भी जिम्मेदार हैं। यानी उनके अधिकार क्षेत्र में पूरा क्षेत्र आता है, इसलिए उनकी बात को केवल भारत में अमेरिका के राजदूत के बयान के रूप में नहीं देखा जा सकता। '

भारी बारिश का कहर

कैंपटी रोड पर बहुमंजिला भवन हुआ धराशायी, जान बचाने के लिए भागे लोग

एजेंसी

मसूरी । पहाड़ों की रानी मसूरी में लगातार हो रही भारी बारिश का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बारिश के कारण जहां शहर और आसपास के क्षेत्रों में सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं, वहीं कैंपटी रोड क्षेत्र में एक बहुमंजिला भवन अचानक धराशायी हो गया। भवन गिरने की जोरदार आवाज सुनकर अंदर रह रहे पांच लोग तत्काल बाहर भागे और बाल-बाल अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भवन गिरने से पहले अचानक तेज आवाज हुई, जिसके बाद घर में मौजूद लोग किसी तरह बाहर निकल आए। देखते ही देखते बहुमंजिला भवन भरभराकर नीचे आ गिरा। हादसे में भवन के अंदर रखा पूरा सामान मलबे में दबकर तबाह हो गया। भवन में चार कमरे थे, जबकि छत पर रेस्टोरेंट भी संचालित

किया जा रहा था। भवन के धराशायी होने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में बहुमंजिला भवन को अचानक भरभराकर गिरते हुए देखा जा सकता है। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

सैनिकों के बच्चों को फीस में मिलेगी छूट

सेना का कर्नाटक के एजुकेशनल ग्रुप के साथ एमओयू

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने कर्नाटक में शिक्षण संस्थानों के एक समूह के साथ समझौता किया है, जिसके तहत सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों के पात्र बच्चों को ट्यूशन फीस में विशेष छूट मिलेगी। एक्स पर भारतीय सेना ने कहा, 'भारतीय सेना ने भारतीय सेना के जवानों के बच्चों के लिए शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने और उज्जवल भविष्य के लिए उनकी आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए गुरु नानक ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बीदर (कर्नाटक) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।' उन्होंने कहा, 'एमओयू के तहत, संस्थान सेवारत और सेवानिवृत्त भारतीय सेना कर्मियों के पात्र बच्चों को विशेष शिक्षण शुल्क रियायतें प्रदान करेगा, जिसमें सर्वोच्च बलिदान देने वाले कर्मियों के बच्चों और दिव्यांग लोगों के लिए बढ़ी हुई सहायता भी शामिल है। ' बयान में कहा गया है कि यह पहल भारतीय सेना की अपने कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण, शिक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एक अन्य घटनाक्रम में, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने नई दिल्ली में सेवानिवृत्त अधिकारी सेमिनार के दौरान तीन प्रतिष्ठित दिग्गजों को योद्धा सेवा सम्मान से सम्मानित किया। एक बयान में कहा गया, प्रतिष्ठित दिग्गजों में से एक, लेफ्टिनेंट कर्नल बीएमएस बैंस (सेवानिवृत्त) को होशियारपुर और आसपास के क्षेत्रों में दिग्गजों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए खुद को समर्पित करने, 70,000 से अधिक दिग्गजों और परिवारों को पेंशन और कानूनी मुद्दों पर सहायता करने और 52,000 से अधिक पूर्व-ईसीएचएस सेवानिवृत्त लोगों के लिए ईसीएचएस पहुंच की सुविधा प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने वंचितों और विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों का समर्थन करने वाली पहल के माध्यम से सामाजिक कल्याण में भी योगदान दिया। अन्य सम्मानित वयोवृद्ध, नायब सूबेदार खगेन चंद्र दास (सेवानिवृत्त) को तामुलपुर के दूरदराज के इलाकों में वयोवृद्धों और वीरनारियों के लिए अथक रूप से काम करने, व्यक्तिगत रूप से 250 से अधिक अलग-थलग वयोवृद्धों तक पहुंचने और कल्याण एजेंसियों और संस्थागत समर्थन तक उनकी पहुंच को मजबूत करने के लिए सराहा गया।

कांग्रेस की ओर से वंदे मातरम का विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर विषय : राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी किया।

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि कांग्रेस द्वारा वंदे मातरम का सम्मान करने से औपचारिक रूप से न केवल इंकार करना, बल्कि सीधे सीधे विरोध करना, अत्यंत दुर्भाग्य जनक और संवैधानिक दृष्टि से बहुत गंभीर विषय है। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के अनुसार, संसद देश की सर्वोच्च संस्था है और संसद से पारित कोई भी कानून हर व्यक्ति के लिए बाध्यकारी है। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा, ''यदि कोई इसे मानने से मना करता है तो निश्चित रूप से संविधान के प्रति उनकी निष्ठा संदेह के घेरे में आ जाती है

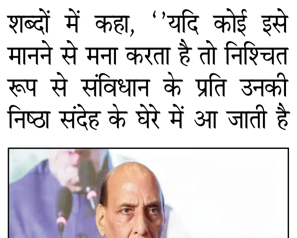

और यदि राष्ट्र गीत का सम्मान करने से कोई मना करता है, तो उसकी देशभक्ति पर भी सवालिया निशान लग जाता है।'' दरअसल कांग्रेस पार्टी ने वर्ष 1937 में कांग्रेस के एक प्रस्ताव का हवाला देते हुए वंदे मातरम के शुरुआती दो छंद ही गाने का निर्णय किया है। कांग्रेस का कहना है कि तब वह निर्णय महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और रवींद्रनाथ टैगोर जैसे शीर्ष नेताओं की सहमति से लिया गया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है, ''कांग्रेस 1937 के जिस प्रस्ताव की बात करती है, वह कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की कट्टरपंथी मांगो के आगे नतमस्तक होकर पारित किया था और उसका खामियाजा भविष्य में देश को विभाजन के रूप में देखना पड़ा।'' राजनाथ सिंह ने कहा कि कट्टरपंथी तत्वों के आगे समझौता करना हमेशा देश के लिए घातक साबित हुआ है और आज कांग्रेस जब कट्टरपंथी तत्वों के आगे उसी प्रकार समर्पण कर रही है, तो यह देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरे के संकेत हैं। उन्होंने कहा, 'मैं मानता हूं कि कांग्रेस का यह निर्णय सर्वथा असंवैधानिक और निंदनीय है साथ ही राजनीतिक दृष्टि से भविष्य में एक गंभीर संकट को पैदा करने वाला है। वंदे मातरम का विरोध करके कांग्रेस ने अपनी नासमझी भरे खतरनाक इरादों को देश के सामने बता दिया है। '

मप्र में कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बड़ा कदम

आरआरयू के साथ हुआ अहम एमओयू

मप्र में कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बड़ा कदम, आरआरयू के साथ हुआ अहम एमओयू

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की जेलों में निरुद्ध मानसिक रूप से बीमार एवं तनावग्रस्त बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य और सुधार की दिशा में जेल विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जेल महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर की विशेष पहल पर मध्य प्रदेश जेल विभाग और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), गांधीनगर, गुजरात के बीच साइको-सोशल काउंसलिंग के क्षेत्र में सहयोग के लिए ज्ञापन समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। जनसंपर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने बताया कि जेल मुख्यालय, भोपाल में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम में जेल महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर

ने प्रदेश की जेलों में बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं मानसिक सुधार को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित साइको-सोशल काउंसलिंग योजना का अध्ययन किया। इसके बाद आरआरयू के विषय विशेषज्ञों को क्षेत्रीय जेल प्रबंधन एवं शोध संस्थान, भोपाल आमंत्रित कर 06 जुलाई से 12 जुलाई तक सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश की विभिन्न जेलों के 28 अधिकारी-कर्मचारियों, जिनमें मेलनर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, मुख्य प्रहरी एवं प्रहरी शामिल थे, को मानसिक तनाव से जूझ रहे बंदियों की पहचान एवं काउंसलिंग के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संबंधित जेलों में जाकर तनावग्रस्त बंदियों की काउंसलिंग की गई। जेल महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर द्वारा इस पहल के संबंध में प्राप्त फीडबैक एवं परिणामों की समीक्षा की गई, जिसमें बंदियों के मानसिक सुधार की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आए। इसके बाद साइको-सोशल काउंसलिंग व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं संस्थागत स्वरूप देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ एमओयू का मसौदा तैयार किया गया। एमओयू के तहत जेल विभाग द्वारा चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर भेजकर मास्टर ट्रेनर कोर्स कराया जाएगा।

भागीरथी ईको-सेंसिटिव जोन की समीक्षा

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन पर फोकस

एजेंसी

नई दिल्ली। भागीरथी ईको-सेंसिटिव जोन अधिसूचना के क्रियान्वयन की समीक्षा को लेकर

उत्तराखंड के मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव मौजूद रहे। बैठक में अधिसूचना के सभी प्रावधानों को पूरी गंभीरता और प्रभावी ढंग से लागू करने पर बल दिया गया। साथ ही इसके प्रभावी निगरानी, प्रवर्तन और अनुपालन के लिए मजबूत संस्थागत व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। बैठक के दौरान इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता भी रेखांकित की गई। विशेष रूप से भागीरथी नदी और उसके आसपास के क्षेत्रों के सांस्कृतिक, पारिस्थितिक तथा आध्यात्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए संरक्षण और संवेदनशील विकास के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया गया।

सीओपी-31 से पहले भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच जलवायु वार्ता, भूपेंद्र यादव और क्रिस बोवेन ने की चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन एवं ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में इस वर्ष होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी-31) से पहले जलवायु परिवर्तन से जुड़े प्रमुख मुद्दों और वैश्विक जलवायु वार्ताओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सहयोग और प्रभावी जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर चर्चा की। भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के वैश्विक प्रयासों में लगातार समाधान का हिस्सा रहा है। उन्होंने जलवायु कार्रवाई के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सभी देशों के बीच सहयोग और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। भारत वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में अपनी जिम्मेदार भूमिका निभाता रहेगा। ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन एवं ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान विकसित करने की दिशा में भारत के सकारात्मक दृष्टिकोण और सहयोगात्मक भूमिका की सराहना की।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नई प्रतिभाएं तैयार करेंगे आईआईटी जोधपुर और झारखंड

एजेंसी

जोधपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) का झारखंड सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। इस दौरान झारखंड में समावेशी और भविष्य के लिए तैयार सेमीकंडक्टर प्रतिभा एवं नवाचार तंत्र विकसित करने को लेकर रणनीतिक चर्चा हुई। बैठक में व्यापक सिलिकॉन माइंड्स ढांचे के तहत प्रस्तावित ट्विश-झारखंड कार्यक्रम पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी एवं ग्रामीण युवाओं, इंजीनियरिंग और डिप्लोमा विद्यार्थियों, आईटीआई व पॉलिटेक्निक विद्यार्थियों तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र की छात्राओं एवं महिलाओं को सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से जोडना है। बैठक में झारखंड सरकार, आईआईटी जोधपुर और अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, आईआईटी जोधपुर की शोध एवं तकनीकी क्षमताओं, झारखंड में कार्यक्रम के क्रियान्वयन की आवश्यकताओं, संभावित संस्थागत भूमिकाओं और भविष्य में सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की गई। प्रस्तावित कार्यक्रम में प्रतिभाओं की पहचान और बुनियादी प्रशिक्षण से शुरुआत कर उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण, प्रयोगशाला में व्यावहारिक अनुभव, प्रशिक्षण-अवसर, रोजगार और उद्यमिता तक समग्र मार्ग विकसित करने की परिकल्पना की गई है। प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्रों में वीएलएसआई डिजाइन एवं अनुकरण, एम्बेडेड प्रणाली, पीसीबी एवं इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सेमीकंडक्टर की मूल अवधारणाएं, स्वच्छ कक्ष का व्यावहारिक परिचय और निर्माण तकनीक शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पारंपरिक कौशल प्रशिक्षण तक सीमित रखने के बजाय उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण और अत्याधुनिक तकनीकी वातावरण का प्रत्यक्ष अनुभव उपलब्ध कराना है।

संक्षिप्त समाचार

फीफा ने अर्जेंटीना पर लगाया करोड़ों का जुर्माना और तीन खिलाड़ियों पर बैन

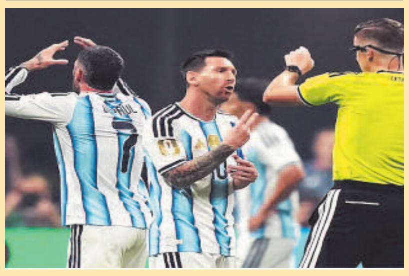

स्पेन (एजेंसी)। फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी फीफा ने अर्जेंटीना की फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) अर्जेंटीनी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ पर बड़ा बड़ा जुर्माना लगाया है. फीफा ने उनको ये सजा हाल ही में खत्म हुए फीफा वर्ल्ड कप में की गई गड़बड़ियों की वजह से दी है. जिसमें फाइनल में स्पेन के खिलाड़ी के साथ हुई झड़प भी शामिल है। इस झगड़े की वजह से फीफा ने अर्जेंटीना के चार और स्पेन के एक खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया है. अर्जेंटीना के खिलाड़ियों में लिएंड्रो परेडेस को सबसे कड़ी सजा मिली है. इस मिडफील्डर को 10 मैचों के लिए सस्पेंड किया गया है और 90,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है. जबकि नाहुएल मोलिना को 7 मैचों का सस्पेंशन और 90,000 स्ष्ठ और थियागो अल्माडा को एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 स्ष्ठ का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा स्पेन के असिस्टेंट कोच रॉबर्टो अयाला को तीन मैचों का सस्पेंशन और 30,000 स्ष्ठ का जुर्माना लगाया गया है. वहीं स्पेन के एक खिलाड़ पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा पर एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों के अलावा फीफा ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन पर भी टूर्नामेंट के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 3.64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड आइलैंड्स से जुड़ा पॉलिटिकल बैनर ले जाना और समर्थकों द्वारा भेदभावपूर्ण नारे लगाना शामिल है।

लुसाने डायमंड लीग: नीरज चोपड़ा 9 सेंटीमीटर से चुके पहला स्थान

लुसाने (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा ने 2026 सीजन का अपना बेस्ट थ्रो किया, लेकिन वो लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रह गए. जिसकी वजह से उनको दूसरे स्थान पर ही रहना पड़ा।नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में ही 88.05 मीटर का शानदार थ्रो किया, लेकिन पथिरागे ने अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके लुसाने प्रतियोगिता अपने नाम कर ली. ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर की दूरी के साथ तीसरे स्थान पर रहे।दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 83.54 मीटर के थ्रो के साथ अपनी शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 88.05 मीटर दूर भाला फेंककर पहले स्थान पर पहुंच गए. लेकिन श्रीलंका के उभरते हुए खिलाड़ी पथिरागे ने तुरंत अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके नीरज से पहले स्थान छीन लिया। चोपड़ा अपने तीसरे थ्रो में केवल 83.72 मीटर ही दूर भाला फेंक पाए और चौथे प्रयास में फाउल कर बैठे. जबकि उन्होंने अपना पांचवां प्रयास नहीं किया. हालांकि, चोपड़ा अपने आखिरी और छठे थ्रो में जरूरी दूरी हासिल नहीं कर पाए।

बांग्लादेश की पहली पारी 64 पर ढेर

बदले की आग में मिचेल स्टार्क ने बरपाया कहर, पहले ही दिन गिरे 18 विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने हासिल की मामूली बढ़त

मैके , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन मामूली बढ़त हासिल कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में आठ विकेट पर 165 रन बनाए हैं और उसे अब तक 101 रनों की बढ़त मिली है। स्टंप्स के समय कैमरन ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले, दूसरे ही सत्र में बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर ऑलआउट हुई। लेकिन शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे टीम वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

बांग्लादेश को सस्ते में ऑलआउट करने के बाद उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे उसकी पारी लड़खड़ा गई। शुरुआती झटकों के बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला और टीम को बढ़त दिलाई। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए और ग्रीन के साथ उनकी साझेदारी टूट गई। इसके बाद एक छोर से विकेट गिरते रहे, लेकिन ग्रीन टिके रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल ने छह विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज को अब तक एक-एक विकेट मिले।

पहला सत्र पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के नाम

स्टार्क ने बांग्लादेश की पारी लड़खड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्टार्क के आगे बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखरता चला गया। इसके बाद पैट कमिंस ने मुशफिकुर रहीम को आउट कर बांग्लादेश को पहले ही सत्र में छठा झटका दिया। बांग्लादेश ने इस तरह 21 रन के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए। लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

चार बल्लेबाज खाता खोले बिना आउट

इससे पहले, मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया।तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इसे सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और बांग्लादेश को झटके पर झटके दिए।स्थिति यह रही कि पहले ही सत्र में बांग्लादेश ने छह विकेट गंवा दिए।मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की और शुरुआत से ही बांग्लादेश पर दबाव बनाया।स्टार्क पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को पवेलियन भेजा और फिर अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया।अगली ही गेंद पर नजमुल हुसैन शांतो स्टार्क का तीसरा शिकार बने।स्टार्क हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। स्टार्क ने फिर कैमरन ग्रीन के हाथों मोमिनुल हक को कैच कराया जो नौ रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद स्टार्क का पांचवां शिकार लिटन दास बने जो खाता खोले बिना आउट हुए।बांग्लादेश की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके।

दूसरे सत्र में हेजलवुड-कमिंस ने दिखाया दम

लंच ब्रेक के बाद जोश हेजलवुड और कमिंस ने दम दिखाया और दो विकेट झटकर बांग्लादेश को और मुश्किल में डाल दिया। कमिंस ने पहले मेहदी हसन मिराज को आउट किया जो 11 रन बनाकर आउट हुए और फिर हेजलवुड ने हसन महमूद को पवेलियन की राह दिखाई जो 10 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने इसके बाद तस्कीन अहमद को आउट करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और मैट रेनशॉ के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। तस्कीन एक रन बनाकर आउट हुए। आखिरी विकेट गिराने के लिए हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम के बीच 10वें विकेट के लिए 25 रनों की साझेदारी हुई। यह बांग्लादेश की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। इसे स्टार्क ने शोरिफुल को आउट कर तोड़ा। 11वें नंबर पर उतरे शोरिफुल ने बांग्लादेश के लिए पहली पारी में सबसे ज्यादा 14 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने छह, कमिंस ने तीन और हेजलवुड ने एक विकेट लिया।

मिचेल स्टार्क ने स्टेन को पीछे छोड़ा ! 19वीं बार टेस्ट में लिए पांच से अधिक विकेट

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेटों के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे दिया है। स्टार्क अब स्टेन को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट इतिहास के 10वें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने शनिवार से साउथ मैके में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच शुरू हुए टेस्ट मैच के पहले दिन यह उपलब्धि हासिल की।

शुरुआती 22 गेंदों पर झटके पांच विकेट

साउथ मैके में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। स्टार्क ने अपनी आग उगलती गेंदबाजी से बांग्लादेश के शीर्ष क्रम बल्लेबाजी को तहस नहस कर दिया। स्टार्क ने अपनी शुरुआती 22 गेंदों पर ही पांच विकेट ले डाले। स्टार्क ने 10 ओवर की गेंदबाजी में छह मेडन फेंकते हुए मात्र 12 रन देकर छह विकेट लिए। इस दौरान पांचवां विकेट लेते ही उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया।

205 पारियों में 441 विकेट

36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क टेस्ट मैच की एक पारी में 19 बार पांच या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट तीन बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर सात विकेट है। स्टार्क से आगे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श हैं। वॉल्श के नाम 132 टेस्ट में 519 विकेट हैं। देखना होगा कि स्टार्क इस रिकॉर्ड को तोड़ पाते हैं, या नहीं। डेल स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे। स्टेन अब टेस्ट के सफलतम गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर चले गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 1992 से 2010 के बीच 133 टेस्ट में 800 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने 1992 से 2007 के बीच 145 टेस्ट में 708 विकेट लिए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता।

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे

पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफ्रा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए।

इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है. इंग्लैंड की रैंकिंग ऊपर चला गया है, जबकि पाकिस्तान वेस्टइंडीज से नीचे खिसककर 16 पॉइंट्स और 19.05 के पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटीक्ष्ट्ज्ञ) के साथ टेबल में सबसे नीचे आ गया है। हालांकि इंग्लैंड स्टैंडिंग में सातवें स्थान पर बना हुआ है. ऑस्ट्रेलिया 77.78 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर बना हुआ है. दक्षिण अफ्रीका भी 75 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गई जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया।

शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी मुश्किल स्थिति में आ गया।

इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया. सबसे पहले सऊद शकील (14) आउट हुए, और फिर इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में मसूद (29) और सलमान आगा दोनों को आउट करके पाकिस्तान को हार की कगार पर धकेल दिया।

हालांकि मोहम्मद रिजवान ने 41 रन बनाकर कुछ हद तक संघर्ष किया, लेकिन रॉबिन्सन ने दूसरे छोर से कई सफलताएं हासिल कीं. आखिरकार गस एटकिंसन ने रिजवान की पारी का अंत किया और फिर आर्चर ने 38वें ओवर में आखिरी बल्लेबाज को आउट करके मैच खत्म कर दिया।

इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 171 रनों पर ऑल आउट हो गई थी, जिसमें रॉबिन्सन ने 51 रन देकर 5 और टंग ने 46 रन देकर 5 विकेट लिए थे. जवाब में इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर के चार बल्लेबाजों ने हाफ-सेंचुरी लगाई. जॉर्डन कॉक्स ने 73, जो रूट ने 66, हैरी ब्रूक ने 91 और डैन लॉरेंस ने 51 रन बनाए. इस मिली-जुली कोशिश से इंग्लैंड ने पहली पारी में 409 रन बनाए, जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. पाकिस्तान की तरफ से अली उस्मान ने 95 रन देकर 5 विकेट लिए।इस जीत के साथ इंग्लैंड तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे निकल गया है. सीरीज के दूसरा मैच लॉर्ड्स में 27 अगस्त से शुरू होगा।

दो टूक आलोचनाओं पर गौतम गंभीर का जवाब

मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है

कोलंबो एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आलोचनाओं और बाहरी शोर को दरकिनार करते हुए साफ कहा है कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए ट्रॉफियां जीतना है। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले गंभीर ने कहा कि उन्हें आलोचना, विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है और उनका पूरा ध्यान भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने पर है।

आलोचनाओं पर गंभीर का दो टूक जवाब

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार तथा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिली शिकस्त के बाद गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे हैं। हालांकि, इंग्लैंड दौरे पर भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। आलोचनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर गंभीर ने कहा, 'मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है। मैं सिर्फ इसी में विश्वास करता हूं और इसी की परवाह करता हूं। यही मेरे और बाकी लोगों के बीच अंतर है। मुझे विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है।'

अगरकर से सिर्फ क्रिकेट पर फोकस

चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ अपनी बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि दोनों के बीच चर्चा का मुख्य विषय भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाना और सही फैसले करना होता है। उन्होंने कहा कि बातचीत इस बात पर केंद्रित रहती है कि भारतीय क्रिकेट को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाए, क्या महत्वपूर्ण है और खेल की बेहतरी के लिए कौन से फैसले लेने चाहिए।भारत फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में पांचवें स्थान पर है। उससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। हालांकि, गंभीर ने रैंकिंग को लेकर ज्यादा चिंता नहीं जताई। उन्होंने कहा, 'रैंकिंग मायने नहीं रखती। हम संघर्ष नहीं कर रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के बाद से हमने संतोषजनक टेस्ट क्रिकेट खेला है।'

कुलदीप यादव का गंभीर ने किया बचाव

दूसरे टेस्ट में टीम संयोजन में बदलाव को लेकर गंभीर ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का समर्थन किया। गंभीर ने कहा कि टीम ऐसी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी इकाई उतारने की कोशिश करेगी, जो 20 विकेट हासिल कर सके। गॉल टेस्ट में कुलदीप ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें कम ओवर दिए जाने के सवाल पर गंभीर ने कहा, 'कुलदीप एक अच्छे गेंदबाज हैं और कभी-कभी यह कप्तान पर भी निर्भर करता है।'

सुथार और पडिक्कल के प्रदर्शन को सराहा

पहले टेस्ट में भारत की 165 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मानव सुथार और देवदत्त पडिक्कल की भी गंभीर ने जमकर सराहना की। पडिक्कल ने मैच में कुल 211 रन बनाए, जबकि सुथार ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट हासिल किए। गंभीर ने कहा कि क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके देकर उनका समर्थन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी के बारे में फैसला सिर्फ एक-दो मैचों के प्रदर्शन के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए।

सलाह दी द्रविड़ ने तीनों प्रारूप में खेलने का किया समर्थन

टेस्ट क्रिकेट को वैभव की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट को वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी की जरूरत है। द्रविड़ ने कहा कि सूर्यवंशी को लाल गेंद क्रिकेट के लिए काफी समय और एक्सपोजर की जरूरत है। वैभव सूर्यवंशी इस बार दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की तरफ से खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत रविवार से हो रही है। वैभव इस दौरान टीम के उपकप्तान की भूमिका में भी नजर आने वाले हैं।

नई सनसनी बनकर उभरे हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट की नई सनसनी बनकर उभरे हैं और उन्होंने आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन किया था। वैभव ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। वैभव अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। राहुल द्रविड़ जब राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच थे तो राजस्थान फ्रेंचाइजी ने वैभव को आईपीएल नीलामी में खरीदा था। अब द्रविड़ ने वैभव को टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार बता दिया है।

द्रविड़ ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के अनावरण के लिए डबलिन में एक इवेंट में कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें भारतीय घरेलू सिस्टम में वापस जाकर लाल गेंद क्रिकेट खेलने और अपने टेस्ट करियर को आगे बढ़ाने का भी समय मिल रहा है। इस युवा बल्लेबाज को सीमित ओवर और टेस्ट क्रिकेट के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। हम सभी टेस्ट क्रिकेट को जिंदा देखना चाहते हैं और आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। हमें वैभव जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है ताकि वे सभी प्रारूप में खेल सकें।

द्रविड़ ने संयम रखने कहा

द्रविड़ ने कहा, अच्छी बात यह है कि उसे कुछ समय लगेगा, उसे कुछ अनुभव की जरूरत होगी। उसे बहुत सारा टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। उसने शायद उतना टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है जितना सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेला है। वह सिर्फ 15 साल का है। मुझे लगता है कि आपको उसे कुछ समय देना होगा और उसके साथ सब्र रखना होगा। जाहिर है वह शुरू से ही बहुत सफल रहा है, लेकिन वह अपने उतार-चढ़ाव से गुजरेगा और मुझे लगता है कि लोगों को उसके साथ सब्र रखना होगा।

वैभव के तीनों प्रारूप में खेलने का भरोसा

द्रविड़ का मानना है कि टी20 मौकों का पीछा करने के बजाय घरेलू टेस्ट क्रिकेट खेलने से बतौर बल्लेबाज वैभव का विकास होगा। उन्होंने कहा, हम सब याद रखें कि वैभव सिर्फ 15 साल के हैं और उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना है। मुझे उम्मीद है कि सूर्यवंशी आखिरकार उच्च स्तर पर लाल गेंद क्रिकेट में कदम रख पाएंगे और इंडिया के लिए सभी प्रारूप के खिलाड़ी बन पाएंगे। यह वैश्विक क्रिकेट के लिए उत्साहजनक होगा।मालूम हो कि सूर्यवंशी ने अब तक सिर्फ आठ प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

मालामाल वीकली 2 में महेश मांजरेकर की एंट्री?

'मालामाल वीकली 2' को लेकर इन दिनों काफी हलचल है। फिल्म की स्टारकास्ट लगातार चर्चा में बनी हुई है। इसी बीच चर्चा शुरू हुई की फिल्म की कास्ट से अभिनेता महेश मांजरेकर भी जुड़ चुके हैं।

महेश के लिए खास किरदार, मेकर्स को भी पसंद आया

सूत्रों की माने तो इस फिल्म में महेश के लिए एक मजेदार किरदार है। मेकर्स को लगा कि इस रोल के लिए वह बिल्कुल सही रहेंगे। उन्हें भरोसा है कि महेश इस किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगे और उनकी परफॉर्मेंस दर्शकों को पसंद आएगी। इस सीक्वल का ऑफर पाकर महेश भी खुश थे। उन्होंने हामी भी भर दी।

मैं इस बारे में ज्यादा नहीं बताना चाहता

इस बारे में जब महेश से बात की तो उन्होंने कहा, 'देखिए, मैं इस चीज का हिस्सा हो सकता हूं, या शायद नहीं भी...। सच कहूं तो मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहता।' वहीं 'मालामाल वीकली' के पहले पार्ट के बारे में पूछने पर महेश ने कहा, 'जी हां, मैंने वो देखी है और मुझे वो बहुत अच्छी फिल्म लगी। वह एक मजेदार फिल्म थी। खेर, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता।'

रितेश से एल्विश तक, ये सितारे आएंगे नजर

बता दें कि 'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

2006 में आई थी 'मालामाल वीकली'

'मालामाल वीकली' 2006 में रिलीज हुई थी। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फिल्म में परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आए थे। गांव, लॉटरी और पैसों के लालच के इर्द-गिर्द घूमती इस कहानी ने अपनी देसी कॉमेडी से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। फिल्म आज भी अपनी कॉमेडी और यादगार किरदारों के लिए जानी जाती है।

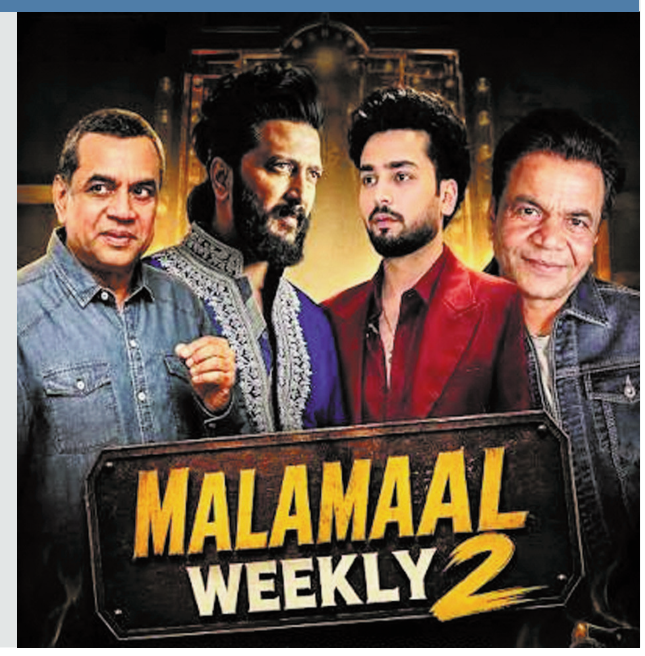

अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी

अभिनेत्री डोनल बिष्ट अपने नए इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बिग बॉस 15 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। वह घर में ज्यादा समय तक नहीं रह पाईं।

बातचीत के दौरान डोनल ने कहा कि वह बिग बॉस के लिए नहीं बनी थीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कभी शो में वापस जाने का फैसला करेंगी, तो डोनल ने कहा कि सलमान खान उन्हें ऐसा करने नहीं देंगे। बातचीत में डोनल बिष्ट ने कहा, 'उस समय, जब मैं बाहर हुई तो बहुत से लोगों ने मुझ पर प्यार बरसाया।' उन्होंने आगे कहा 'वह प्लेटफॉर्म परखता है कि आप कितने स्मार्ट और चालाक हो सकते हैं।' वह आगे कहती हैं 'अगर आप असल जिंदगी में ऐसी चीजें नहीं जानते हैं, तो आप कुछ एक्स्ट्रा क्यों करेंगे?' अभिनेत्री ने बताया 'बिग बॉस हाउस का माहौल मुझे तब सूट नहीं किया।'
डोनल बिष्ट ने यह भी बताया कि एक इंसान के तौर पर वह बिग बॉस के बाद बदल गई हैं। उन्होंने कहा, 'बिग बॉस के बाद, मैं देख पाई कि दुनिया कैसी है। मैं यह समझने लगी कि कौन दोमुंहा है और कौन मुझे नीचे खींचने की कोशिश कर रहा है। कुछ लोगों ने मुझे गुमराह किया, जिसकी वजह से मैंने कई प्रोजेक्ट्स खो दिए। मैंने हमेशा अपने आस-पास सही लोगों को रखने की कोशिश की।'

सलमान के साथ खड़ी होना चाहती हैं डोनल

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी दोबारा बिग बॉस में जाने में कोई दिलचस्पी है? इस पर डोनल बिष्ट ने कहा 'सलमान सर मुझे बिग बॉस करने नहीं देंगे। उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं बिग बॉस के लिए नहीं बनी हूं। मैं सिर्फ काम के बारे में बात करती हूं। अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी।'

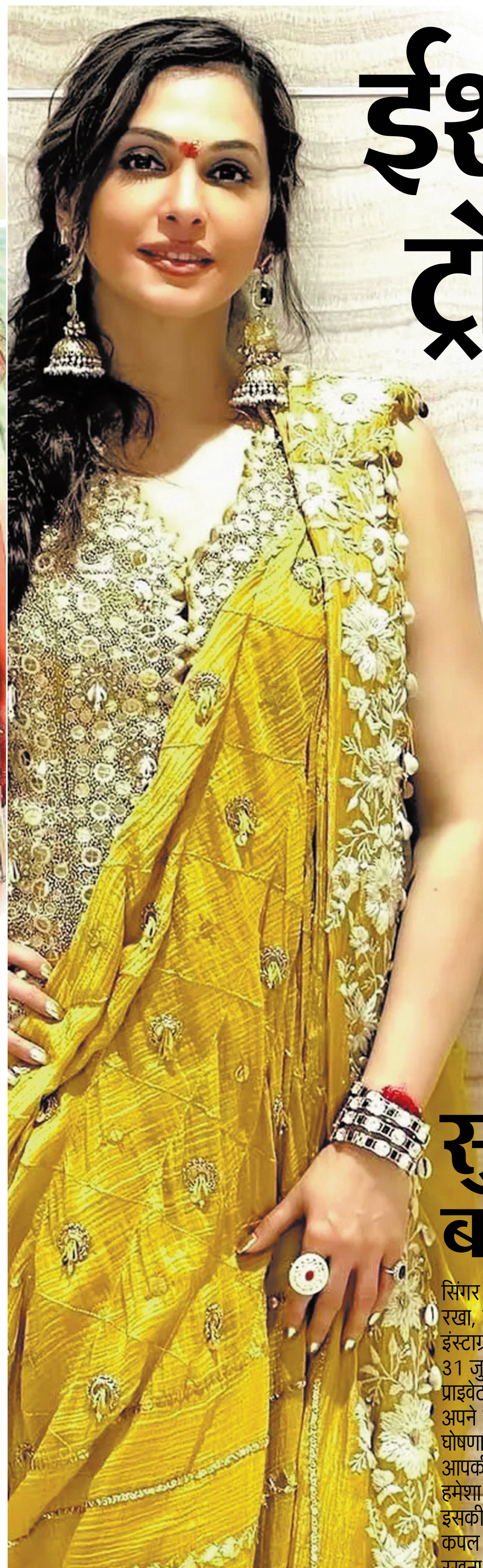

ईशा कोप्पिकर ने ट्रोलर्स को लताड़ा

सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने खुद पर 'अंधभक्त' होने के इल्जामों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना अंधभक्ति है तो उन्हें इस टैग पर गर्व है। जानें क्या बोंली ईशा? अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने कहा कि वह भारत से प्यार करती हैं। इसके साथ ही वह किसी राजनैतिक पार्टी का हिस्सा नहीं हैं। ईशा ने कहा – अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे अंधभक्त कहिए। मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है। इंसान जहां रहता है वह उसी जगह से प्यार और उसका सम्मान करना चाहिए। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें इसी तरह सोचना चाहिए।

एक्ट्रेस ने कहा सोच बदलना चाहिए

ईशा ने आगे अपने वीडियो में कहा, 'दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।'

कैप्शन में ट्रोलर्स को जवाब दिया

एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में भी लिखा, 'अगर भारत से प्यार करना 'अंधभक्ति' है, तो मैं इस पहचान को गर्व से अपनाती हूं। मुझे जो गलत लगता है, उस पर सवाल उठाती हूं और जो सही लगता है, उसकी तारीफ भी करती हूं। मेरे लिए मेरा देश सबसे ऊपर रहेगा।

ईशा कोप्पिकर का वर्कफ्रंट

साल 2000 में फिल्म 'फिजा' से हिंदी में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ईशा हाल ही में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। अभय निहलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृष्णा अभिषेक, अली असगरी, सपना चौधरी, रवि किशन और मनोज जोशी थे।

क्या अनुराग कश्यप करेंगे तीसरी शादी

अनुराग कश्यप ने साल 1997 में आरती बजाज से शादी की थी, 2009 में इनका तलाक हो गया। फिर निर्देशक ने साल 2011 में अभिनेत्री कल्कि केलकां से शादी की लेकिन साल 2015 में इनका भी तलाक हो गया। अब अनुराग एक शुभ्रा शेट्टी नाम की लड़की के साथ रिलेशनशिप में हैं। क्या वह शुभ्रा से तीसरी शादी करेंगे? जानिए, अनुराग ने क्या इस बारे में क्या प्रतिक्रिया दी।

शादी के सवाल पर क्या था अनुराग का जवाब?

हाल ही में जेनिस सिकेरा के यूट्यूब चैनल पर अनुराग ने अपनी जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। वह इस बातचीत में अपने शादी के प्लान के बारे में कहते हैं, 'शुभ्रा शादी में यकीन नहीं रखती हैं। मैं भी उनके साथ बहुत खुश हूं। मैं उनके साथ रहना चाहता हूं। इसके लिए जो भी करना पड़े करूंगा। जिंदगी में बहुत कुछ है। एक बूढ़े आदमी की क्या इनसिक्योरिटी हो सकती है? मैं बस इतना सेहतमंद रहना चाहता हूं कि जिन लोगों से मैं प्यार करता हूं, उनसे ज्यादा समय तक जिंदा रहूं।'

एक वक्त शुभ्रा को खुद से दूर करना चाहते थे अनुराग

अनुराग, शुभ्रा के बारे में भी बताते हैं। वह कहते हैं, 'हमने कई पल साथ बिताए हैं। हम कभी-कभी झिझक महसूस करते थे। मैं ज्यादा झिझकता था और सिर्फ ज्यादा झिझकता ही नहीं था, एक समय तो मैं इतना ज्यादा झिझकने लगा था कि शुभ्रा को दूर करने की पूरी कोशिश कर रहा था। अनुराग आगे कहते हैं, 'उनके चेहरे से उनकी उम्र का पता नहीं चलता। वह आज भी वैसी ही दिखती हैं। वह अपनी उम्र की नहीं लगती हैं। तो बात यह है कि जैसे-जैसे मैं बूढ़ा होता गया और वह वैसी ही दिखती रहीं, तब मुझे थोड़ी झिझक होने लगी।' बता दें कि अनुराग कश्यप 53 साल के हैं, जबकि शुभ्रा 32 या 33 साल की हैं।

कौन है शुभ्रा शेट्टी?

शुभ्रा शेट्टी की बात करें तो वह अनुराग कश्यप की प्रोडक्शन कंपनी फैंटम फिल्म्स में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करती थीं। अनुराग को पहली बार 2015 में शुभ्रा के साथ देखा गया था। 2018 के एक इंटरव्यू में ही अनुराग ने पहली बार माना था कि वह शुभ्रा के साथ रिलेशनशिप में हैं।

सुकृति कक्कड़ ने बताया शादी का प्लान

सिंगर सुकृति कक्कड़ ने अपने पांच साल के रिश्ते को तब तक लोगों की नजरों से दूर रखा, जब तक कि वे इसे सबके सामने लाने के लिए तैयार नहीं हो गईं। सिंगर ने इंस्टाग्राम पर मुंबई के एंटरप्रेन्योर शौमिक शेट्टी के साथ अपनी सगाई की घोषणा की। 31 जुलाई को टस्कनी में सगाई करने वाले इस कपल ने बताया कि अपने रिश्ते को प्राइवेट क्यों रखा? बातचीत में सिंगर ने कहा कि जब हम इस रिश्ते में आए, तो हमें अपने रिश्ते पर बहुत गर्व हुआ। हमने सोचा कि जब सही समय आएगा तभी इसकी घोषणा करना सही रहेगा। सुकृति कहती हैं कि जब आप रिश्ते छिपाते हैं, तो यह आपकी पर्सनैलिटी का हिस्सा बन जाता है। हमारे परिवारों और कुछ करीबी दोस्तों को हमेशा पता था। हमें इसे प्राइवेट रखना पसंद है और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। इसकी बहुत अहमियत है। मैं 'नजर' में बहुत विश्वास रखती हूं।
कपल ने यह भी बताया कि वे अपने रिश्ते और प्रोफेशनल जिंदगी को अलग-अलग रखना चाहते थे। कक्कड़ कहती हैं, 'हम अपने काम पर बहुत फोकस्ड हैं। इसलिए, ऐसी कोई भी चीज जो हमारे काम से ध्यान भटकाए, हम शुरुआत में नहीं चाहते थे। मगर अब हम इसे पूरी गरिमा के साथ सबके सामने लाना चाहते हैं।' इस कपल का कहना है कि उनके अलग-अलग व्यक्तित्व और प्रोफेशन उनके लिए फायदेमंद रहे हैं। शौमिक कहते हैं कि 'वह बहुत ही नारी-सुलभ और चुलबुली थीं और पार्टी की जान थीं। आप देख सकते थे कि हर कोई उनकी ओर चुंबक की तरह खिंचा चला आ रहा था। मुझे उनकी यह बात बहुत पसंद आई।'

प्रोसित रॉय की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में लक्ष्य की एंट्री? दिखेगा अलग अवतार

'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके लक्ष्य इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लक्ष्य 'राख' फेम निर्देशक प्रोसित रॉय की फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी एंट्री हो गई है। यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म बताई जा रही है, जो साइकोलॉजिकल थ्रिलर होगी।

कब से शुरू हो सकती है शूटिंग?

रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर ने 'राख' के डायरेक्टर प्रोसित रॉय को एक अनोखी साइकोलॉजिकल लव स्टोरी डायरेक्ट करने के लिए साइन किया है। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है। इसी में एक नया अपडेट यह है कि फिल्म में एक्टर लक्ष्य की एंट्री हो गई है।
सूत्रों के मुताबिक, प्रोसित रॉय अपनी अगली फिल्म के लिए लक्ष्य के साथ काम करने जा रहे हैं। सूत्र ने बताया, 'लक्ष्य, प्रोसित रॉय के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म एक लव स्टोरी है, जिसमें साइकोलॉजिकल ट्विस्ट है। ऐसी फिल्म पहले कभी नहीं बनी है। लक्ष्य और प्रोसित रॉय, दोनों ही इसके लिए उत्साहित हैं।

लक्ष्य का दिखेगा अलग अवतार

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोसित ने हाल ही में लक्ष्य को फिल्म की कहानी सुनाई और एक्टर को रोमांस का यह अनोखा अंदाज बहुत पसंद आया। लक्ष्य ने 'किल' में अपनी दमदार अदाकारी के लिए खूब तारीफें बटोरीं। लक्ष्य अब प्रोसित रॉय की अगली फिल्म के साथ एक और अलग तरह के जॉनर को आजमाना चाहते हैं। फिल्म 'किल' में लक्ष्य जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आए थे। वहीं यह फिल्म उन्हें बिल्कुल अलग अवतार में पेश करती है।

स्किल्स की कमी के कारण युवाओं को नहीं मिल पा रहा है रोजगार

क्या आपको डिग्री करने के बाद भी प्राइवेट सेक्टर में नौकरी नहीं मिल पा रही है या जॉब इंटरव्यू में रिजेक्शन फेस करने पड़ रहे हैं या जॉब में नियमित ग्रोथ नहीं मिल पाती है, क्या आपने कभी इन सबके पीछे की वजह के बारे में सोचा है। इन सभी समस्याओं का कारण है 'डिजिटल स्किल्स' की कमी होना।

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2022 के अनुसार – भारत के कुल युवाओं में केवल 48.7 फीसद ही रोजगार योग्य हैं। इसका मतलब है कि हर 2 में से एक युवा रोजगार के योग्य नहीं हैं। व्ही–बॉक्स द्वारा जारी एक अध्ययन में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल सभी कंपनियों में से लगभग 75 फीसद ने उद्योग में कौशल की कमी की सूचना दी है। जोकि अपने आप में एक चुनौतीपूर्ण विषय है कई बार हम यह भी देखते हैं कि नॉन–कम्प्यूटर जैसे सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग करके निकलने वाले युवाओं को भी आसानी से नौकरी नहीं मिल पाती है। आज दुनियाभर में टेक्नोलॉजी तेजी से बढ़ रही है। एक आंकड़े के मुताबिक, वर्तमान समय में दुनिया की एक बड़ी आबादी के करीब 6 बिलियन लोग इंटरनेट यूज कर रहे हैं, तब इन युवाओं को जॉब रेडी होने के लिए नए जमाने की स्किल्स सीखना जरूरी हो जाता है, जिसके बाद करिअर या व्यापार में आसानी से कम समय में अधिक ऊंचाई हासिल की जा सकती है।

इन 6 फील्ड में मिलेंगे लाखों जॉब्स के मौके अगर आप ग्रेजुएशन पूरा कर चुके हैं या B.A, B.Sc, B.com, BC, सिविल व मैकेनिकल इंजीनियरिंग जैसे कोर्सेज में अध्ययनरत हैं तो आपके पास डिजिटल स्किल्स सीखकर बड़े पैकेज वाली आकर्षक नौकरी पाने का सुनहरा मौका है। डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद से अब तक अनेक युवाओं को लाखों के पैकेज वाली जॉब मिल चुकी है। ऐसे में आप भी इन फ़ील्ड्स में अपना शानदार करिअर बना सकते हैं –

- डिजिटल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन एक्सपर्ट
- सोशल मीडिया मार्केटिंग एक्सपर्ट
- क्रिएटिव कांटेंट राइटर/कॉपी राइटर
- PPC एक्सपर्ट
- गूगल Ads एक्सपर्ट

ये 5 स्किल सीखकर बनें डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट

एक शोध में सामने आया है कि आने वाले सालों में जिन क्षेत्रों में 85 फीसद नौकरियां क्रिएट होंगी वह डिजिटल मार्केटिंग, ग्रॉफिक्स डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डाटा साइंस जैसे क्षेत्र होंगे। अगर आप भी बेरोजगार हैं और नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो सफलता के एडवांस्ड डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद से इस क्षेत्र में शानदार करिअर बना सकते हैं।

किसी उत्पाद या सेवा की डिजिटल टेक्नोलॉजी (इंटरनेट, मोबाइल डिवाइस, सोशल मीडिया, सर्च इंजन व अन्य चैनल) के जरिए होने वाली मार्केटिंग को डिजिटल मार्केटिंग कहते हैं। डिजिटल मार्केटिंग का लक्ष्य एक असीमित ग्राहक संख्या तक कम समय में पहुंचना होता है। डेल कंपनी द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचर के साथ किए गए एक शोध में सामने आया है कि आने वाले सालों में जिन क्षेत्रों में 85 फीसद नौकरियां क्रिएट होंगी वह डिजिटल मार्केटिंग, ग्रॉफिक्स डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डाटा साइंस जैसे क्षेत्र होंगे। इसकी शुरूआत भी हो चुकी है बीते वर्ष डिजिटल मार्केटिंग विश्व की टॉप 5 नौकरियों में शामिल रहा है। इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि डिजिटल सेक्टर में करिअर बनाने जा रहे युवाओं का भविष्य उज्ज्वल है। अगर आप भी अपना करिअर डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में बनाने की तैयारी कर रहे हैं तो सफलता के एडवांस्ड डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद ले सकते हैं।

इन 5 स्किल्स से बनें डिजिटल एक्सपर्ट

स्ट्रैटिजिक थिंकिंग – आजकल कंपनियों में स्ट्रैटिजिक थिंकर्स की काफी डिमांड है। अगर आप किसी कंपनी के साथ जुड़ने पर बिजनेस ग्रो करने के लिए मार्केटिंग प्लान तैयार करने और उन्हें इम्प्लीमेंट करना जानते हैं तो डिजिटल सेक्टर में स्किल हासिल कर अपना करिअर बना सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग चैनल्स – डिजिटल सेक्टर में सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, पे पर क्लिक एडवरटाइजिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ई मेल मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग जैसे फील्ड्स में ढेरों नौकरी अवसर हैं। अगर आप डिजिटली स्किल्ड हैं तो डिजिटल सेक्टर में शानदार करिअर बना सकते हैं।

एनालिटिक्स – वहीं आजकल कंपनियों में बिजनेस एनालिसिस्ट की काफी डिमांड है। अगर आप एनालिटिकल टूल्स, गूगल एनालिटिक्स आदि को चलाना जानते हैं तो डिजिटल सेक्टर में करिअर बना सकते हैं।

कंटेंट क्रिएशन – आजकल लाखों वेबसाइट्स बेहतर कंटेंट को क्रिएट कर अपने उत्पाद, सेवाओं को लोगों तक पहुंचा रहे हैं। कंटेंट क्रिएशन आज के समय में मार्केटिंग सेक्टर में एक महत्वपूर्ण टूल है। इससे आप लक्षित ग्राहक संख्या तक आसानी से पहुंच सकते हैं।

मार्केटिंग टूल्स एंड डिजाइन स्किल्स – मौजूदा समय में कंपनियों में मार्केटिंग टूल्स की समझ रखने वाले और डिजाइन स्किल्स जानने वालों के लिए भी बहुत मौके हैं। मार्केटिंग टूल्स जानने वाले मार्केटिंग प्रक्रिया को आसान बना सकते हैं। वहीं जो लोग एडोब, कैनवा जैसे सॉफ्टवेयर इस्तेमाल करना जानते हैं वह डिजिटल सेक्टर में आकर्षक पैकेज पर जॉब हासिल कर सकते हैं।

कई सालों से अगर आप सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं फिर भी आपको सफलता नहीं मिली है तो आप सफलता के डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक डिजाइन जैसे स्किल डेवलपमेंट कोर्सेज का हिस्सा बनकर डिजिटल सेक्टर में कम समय में आर्कषक पैकेज वाली नौकरी हासिल कर सकते हैं।

ग्राफिक्स डिजाइनिंग में बनाएं भविष्य

इसके अलावा युवा ग्राफिक्स डिजाइनिंग के क्षेत्र में भी करिअर बना सकते हैं। सफलता से ग्राफिक डिजाइनिंग का कोर्स करने के बाद कैंडिडेट्स के लिए वेबसाइट क्रिएटिव डिजाइन, एडवरटाइजिंग एजेंसी, पब्लिकेशन हाउस, कम्प्यूटर गेम्स, कॉर्पोरेट आइडेंडिटी जैसी कई अन्य जगहों पर आकर्षक वेतन वाली नौकरी के अवसर खुल जाते हैं।

लाखों के पैकेज के साथ शुरू हुआ करिअर डिजिटल मार्केटिंग का कोर्स करके पांच लाख का पैकेज हासिल करने वाले कार्तिकेय सिंह कहते हैं, 'मैंने कोर्स पूरा करने के बाद बतौर डिजिटल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव के तौर पर नई पारी शुरू की है।'

इस कोर्स में क्या है खास

- 100 % प्लेसमेंट
- 100 घंटे लाइव इंटरेक्टिव क्लासेज
- 20 लर्निंग टूल्स
- 10 इंडस्ट्री बेस्ड मॉड्यूल्स
- 8 से अधिक लाइव प्रोजेक्ट और केस स्टडीज
- गूगल सर्टिफाइड एक्सपीरिएंस्ड फैकल्टीज
- साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन
- इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा मास्टर क्लास

सफलता के साथ बनाएं अपना करिअर

कई सालों से अगर आप सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं फिर भी आपको सफलता नहीं मिली है तो आप सफलता के डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक डिजाइन जैसे स्किल डेवलपमेंट कोर्सेज का हिस्सा बनकर डिजिटल सेक्टर में कम समय में आकर्षक पैकेज वाली नौकरी हासिल कर सकते हैं ।

हर क्षेत्र में बेहतर भविष्य की राह अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र को एक ऐसे विषय के तौर पर देखा जा सकता है, जिसकी उपयोगिता लगभग हर क्षेत्र में होती है। सरल शब्दों में कहें तो अर्थशास्त्र समाज के सीमित संसाधनों का दक्षतापूर्ण ढंग से उपयोग करने की अनेक प्रणालियों का अध्ययन है। इसी बुनियादी नियम पर हमारी व्यावसायिक व आर्थिक इकाइयों की गतिविधियां टिकी होती हैं। अर्थशास्त्री आर्थिक आंकड़ों का विश्लेषण और विभिन्न नीतिगत विकल्पों का तुलनात्मक अध्ययन करते हैं। साथ में इनके भावी प्रभाव पर पैनी नजर रखते हैं, ताकि विकास दर पर नियंत्रण रखा जा सके। अर्थशास्त्री इसी दृष्टिकोण से काम करते हैं। इनका कार्यक्षेत्र एक छोटी कंपनी से लेकर देश की अर्थव्यवस्था जैसा बहुआयामी भी हो सकता है।

अर्थशास्त्र में सफल पेशेवर बनने के लिए आपमें उपलब्ध डाटा का विश्लेषण कर पाने की क्षमता का बेहतर होना जरूरी है। इसी क्रम में मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स की बुनियादी समझ बेहद जरूरी है। आर्थिक विषमताओं/स्थितियों को समझने–बूझने का निरीक्षण कौशल भी इसमें आगे बढ़ने के लिए जरूरी है।

अर्थशास्त्र 12वीं स्तर पर एक विषय के तौर पर पढ़ाया जाता है,पर इस विषय में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए अर्थशास्त्र से बीए (ऑनर्स) कोर्स से असली शिक्षा की शुरुआत होती है। हालांकि अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन के स्तर पर कई अन्य कोर्सेज भी संचालित किए जाते हैं। इनमें बीए(बिजनेस इकोनॉमिक्स), बीए(डेवलपमेंटल इकोनॉमिक्स) जैसे कोर्स का नाम लिया जा सकता है। देश के कई विश्वविद्यालयों में ये तमाम कोर्स कराये जाते हैं। अर्थशास्त्र से जुड़े विभिन्न कोर्सेज की मांग इसी बात से समझी जा सकती है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में इसके ग्रेजुएट स्तर के कोर्स में प्रवेश पाने के लिए 90 फीसदी से अधिक अंक चाहिए होते हैं।

विशेषज्ञता की ओर बढ़ाएं कदम

ग्रेजुएशन में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को मास्टर्स स्तर पर अर्थशास्त्र की कई शाखाओं में विशेषज्ञता अर्जित करने के लिए विकल्प दिए जाते हैं। इनमें प्रमुख रूप से एनालिटिकल एंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स, कॉर्पोरेशन एंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स, इंडियन इकोनॉमिक्स का विशेष रूप से उल्लेख किया जा सकता है। इनके अलावा इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स ,बिजनेस इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एन्वायर्नमेंटल इकोनॉमिक्स, बैंकिंग इकोनॉमिक्स व रूरल इकोनॉमिक्स भी उल्लेखनीय हैं। छात्र चुनिंदा विश्वविद्यालयों में उपलब्ध एमबीए (बिजनेस इकोनॉमिक्स) कोर्स का भी लाभ उठा सकते हैं। अर्थशास्त्र में पीजी डिप्लोमा और पीएचडी की राह भी चुन सकते हैं। देश के ज्यादातर सरकारी विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र से जुड़े कोर्सेज उपलब्ध हैं।

इंडियन इकोनॉमिक सर्विस

कम ही लोग जानते होंगे कि देश में इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस की तरह इंडियन इकोनॉमिक सर्विस भी है। इसमें उपयुक्त प्रत्याशियों के चयन के लिए अखिल भारतीय स्तर पर यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करती है। इस परीक्षा में अर्थशास्त्र/स्टैटिस्टिक्स विषय में कम से कम मास्टर्स डिग्रीधारक युवा ही शामिल हो सकते हैं। प्रत्याशी की आयु 21 वर्ष से लेकर 30 वर्ष तक होनी चाहिए। इस परीक्षा में लिखित परीक्षा के बाद इंटरव्यू लिया जाता है। लिखित परीक्षा में जनरल इंग्लिश, जनरल नॉलेज व अर्थशास्त्र पर आधारित अन्य पेपर्स होते हैं। यह केंद्र सरकार की ग्रुप 'ए' सर्विस है। सफल प्रत्याशियों को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, दिल्ली में प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके बाद इनकी पहली नियुक्ति सहायक निदेशक के पद पर होती है। कार्यानुभव बढ़ने के साथ पदोन्नति पाते हुए प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर के पद तक पहुंच सकते हैं।

विदेश में नौकरी के अवसर

अर्थशास्त्र के विशेषज्ञों को विदेशी संस्थानों जैसे इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक के अलावा मल्टी नेशनल कंपनियों में शानदार मौके मिलते हैं। इनकी नियुक्तियां अर्थशास्त्री, नीति–निर्माता, एनालिस्ट, कंसल्टेंट आदि रूपों में होती हैं। विदेशों के सरकारी संस्थानों में भी भारतीय आर्थिक विशेषज्ञों की अच्छी–खासी मांग है। विदेश में बतौर रिसर्च स्कॉलर/प्राध्यापक के पदों पर आकर्षक पैकेज पर नियुक्तियां होती हैं।.

इस विशिष्ट कोर्स का उठाएं लाभ

देश के कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन स्तर पर तीन वर्षीय बैचलर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स कोर्स उपलब्ध है। प्राय : परीक्षा के जरिये इस कोर्स की सीमित सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा में वर्बल एबिलिटी, क्वांटिटेटिव एबिलिटी, लॉजिकल रीजनिंग, जनरल अवेयरनेस से जुड़े ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न पूछे जाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के दस कॉलेजों में यह विशिष्ट कोर्स कराया जाता है। इनमें लगभग 480 सीटों पर प्रवेश दिया जाता है।.

रोजगार के अवसर

निजी क्षेत्र की तमाम औद्योगिक इकाइयों, बैंकिंग सेक्टर, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन, कॉमर्स, टैक्सेशन, इंटरनेशनल ट्रेड, एक्चुरियल साइंस आदि में इस क्षेत्र के पेशेवरों की मांग बनी रहती है। हर साल सरकारी क्षेत्र में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नीति आयोग, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी, नेशनल सैम्पल सर्वे तथा विभिन्न राज्य सरकारों के संबंधित विभागों आदि में बड़ी संख्या में अर्थशास्त्रियों की नियुक्तियां की जाती है। अर्थशास्त्र का शिक्षक भी बना जा सकता है।

चुनौतियां

- ग्रेजुएशन के बाद ही इस क्षेत्र में रोजगार के विकल्प बनते हैं। लेकिन ज्यादा अवसर उपलब्ध हो पाएं, उसके लिए उच्च अध्ययन की ओर कदम बढ़ाना जरूरी होता है।
- चूंकि इस क्षेत्र में आर्थिक विश्लेषण के लिए स्टैटिस्टिक्स, कैल्कुलस और ऊंचे दर्जे की गणित का इस्तेमाल होता है, इसलिए छात्रों को अनिवार्य रूप से गणित विषय पसंद होना चाहिए।
- अर्थशास्त्र की पढ़ाई को गंभीरता से लें। बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के सिलेबस को काफी कठिन माना जाता है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली
- जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- यूनिवर्सिटी ऑफ बॉम्बे, मुंबई
- बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, कोलकाता

इंडियन नेवी का हिस्सा नहीं है मर्चेंट नेवी

अगर आपको समुद्र की लहरें अपनी ओर खींचती हैं और आपको घूमना–फिरना भी काफी पसंद है तो आप अपने इस शौक से जुड़ा ही कॅरियर विकल्प चुन सकते हैं और वह है मर्चेंट नेवी। अक्सर लोग मर्चेंट नेवी को इंडियन नेवी का हिस्सा समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में यह उससे बिल्कुल अलग है। यह एक कमर्शियल फील्ड है, जिसमें समुद्री जहाजों के जरिये एक जगह से दूसरी जगह सामान और यात्री को लाया ले जाया जाता है। चूंकि यह कार्य बड़े समुद्री जहाज के जरिए किया जाता है और उसके लिए प्रशिक्षित लोगों की जरूरत होती है इसलिए मर्चेंट नेवी में कॅरियर के भी कई विकल्प मौजूद हैं–

क्या होता है काम

मर्चेंट नेवी में व्यक्ति अपनी योग्यता व स्किल्स के आधार पर अलग–अलग पदों पर काम करता है। आप वहां पर समंदर के नक्शों से लेकर इलेक्टानिक सामान की देखभाल, शिप का संचालन व यात्रियों को अन्य प्रकार की सेवाएं आदि प्रदान कर सकते हैं।

स्किल्स

चूंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको घर से कई–कई दिनों तक दूर रहना पड़ता है, इसलिए मेंटली रूप से आपका इसके लिए तैयार होना जरूरी है। साथ ही आपको अपने काम के प्रति प्यार होना चाहिए, तभी आप लंबे समय तक काम कर पाएंगे। मर्चेंट नेवी में लोगों को टीमवर्क में काम करना होता है, इसलिए आपके अंदर यह गुण होना भी बेहद जरूरी है। वहीं इस क्षेत्र में आपको कभी भी जोखिम भरी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, इसके लिए भी आपको हमेशा तैयार रहना होता है।

योग्यता

इस क्षेत्र में अलग–अलग पोस्ट के लिए अलग–अलग योग्यता की जरूरत होती है। इस फिल्ड में 10वीं पास से लेकर बीटेक डिग्री वाले लोग अपना करियर देख सकते हैं। हालांकि इस क्षेत्र में समय सीमा निर्धारित है। इस फिल्ड में जाने के लिए आपकी उम्र सीमा 16 से 25 साल के बीच होनी चाहिए। आप अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर कोर्स करके मर्चेंट नेवी में कॅरियर बना सकते हैं। जैसे 10वीं पास वाले व्यक्ति मर्चेंट नेवी में डिप्लोमा कर सकते है। वहीं अगर आपने 12वीं साइंस स्ट्रीम से पास की है तो आप नॉटिकल साइंस, मरीन इंजीनियरिंग, ग्रेजुएट मेकेनिकल इंजीनिर्यस का कोर्स कर सकते है। स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए आपके पास ग्रेजुएशन में 50 प्रतिशत अंक व आयु 28 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

संभावनाएं

मर्चेंट नेवी में प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद आप काम की संभावनाएं कई जगहों पर व कई पदों तक काम की तलाश कर सकते हैं। आप मालवाहक जहाजों से लेकर कंटेनर जहाजों, टैंकरों, थोक वाहक, और यात्री जहाजों आदि में बतौर रेडियो ऑफिसर, इलेक्टिकल ऑफिसर, जूनियर इंजीनियर, नॉटिकल सर्वेयर व कप्तान के रूप में काम कर सकते हैं। चूंकि इस क्षेत्र में प्राइवेट और सरकारी दोनों कंपनियां काम करती हैं तो आप सरकारी संस्थान में भी नौकरी के अवसर तलाश सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके पद व अनुभव के आधार पर तय होती है। इस क्षेत्र में शुरूआती सैलरी पद के हिसाब से 15000 से शुरू होकर 50000 तक जाती है। वहीं अनुभव व पद बढ़ने के साथ–साथ आप लाखों में कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- समुद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेरीटाइम, मुंबई
- मेरीटाइम फाउंडेशन, चेन्नई
- ट्रेनिंग शिप चाणक्य, मुंबई
- इंस्टीट्यूट ऑफ मरीनटाइम स्टडी, गोवा
- हिन्द इंस्टीट्यूट ऑफ नॉटिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग, उत्तरप्रदेश
- इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मरीन इंजीनियरिंग, कोलकाता
- तोलानी मेरीटाइम इंस्टीट्यूट, दिल्ली
- महाराष्ट्र एकेडमी ऑफ नेवल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, पुणे
- इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- कोयम्बटूर मरीन सेंटर, कोयम्बटूर